नई दिल्ली ■ शुक्रवार 21 नवंबर 2025 ■ मूल्य 5.00 ■ वर्ष 13 ■ अंक 233 ■ पृष्ठ 08

JBT www.thejbt.com

जनभावना टाइम्स

निष्पक्ष और निर्भीक खबर

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली, गौतमबुद्ध नगर, देहरादून, लखनऊ, अलीगढ़, मथुरा, हिसार, कैथल एवं करनाल से प्रकाशित

04 क्या भारत को चाहिए व्यापक 'प्रदूषण कर' | 07 आस्ट्रेलिया में एशेज खिताब का सूखा खत्म करने उतरेगा इंग्लैंड | अहान पांडे-अनीत पड्डा के रिश्ते पर बोले करण जौहर 08

नीतीश ने फिर संभाली बिहार की कमान

पीएम मोदी और शाह की मौजूदगी में नीतीश ने 10वीं बार बिहार के मुख्यमंत्री पद की ली शपथ

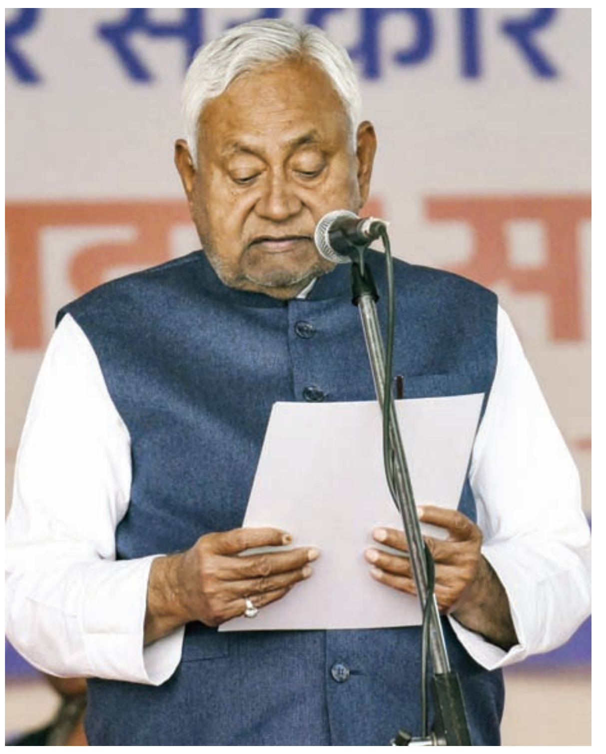

पटना। जनता दल (यूनाइटेड) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार ने बृहस्पतिवार को एक भव्य समारोह में बिहार के मुख्यमंत्री पद की रिकॉर्ड 10वीं बार शपथ ली। शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सहित कई गणमान्य नेता उपस्थित रहे।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा और हाल ही में संपन्न हुए विधानसभा चुनावों के लिए पार्टी के प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान भी इस अवसर पर मौजूद थे। राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने गांधी मैदान में आयोजित कार्यक्रम में कुमार और 26 सदस्यीय मंत्रिपरिषद को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। कुमार

> “ मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, “बिहार सरकार में मंत्रियों के रूप में शपथ लेने वाले सभी साथियों को हार्दिक बधाई। यह समर्पित नेताओं की शानदार टीम है, जो बिहार को नयी ऊंचाइयों पर ले जाएगी। सभी को मेरी शुभकामनाएं।
>
> **- नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री**

> “ शाह ने 'एक्स' पर पोस्ट किये गये एक संदेश में कहा कि 20 वर्षों से राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) द्वारा किए जा रहे विकास और सुशासन पर विश्वास जताने के लिए बिहार की जनता का आभार। उन्होंने कहा, “मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जी, उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी जी, विजय सिन्हा जी और मंत्रिपरिषद के सभी मंत्रियों को शपथ लेने पर हार्दिक शुभकामनाएं।
>
> **- अमित शाह, केंद्रीय गृह मंत्री**

ने बुधवार को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देकर राज्यपाल से नयी सरकार बनाने का दावा पेश किया था। मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, “बिहार सरकार में मंत्रियों के रूप में शपथ लेने वाले सभी साथियों को हार्दिक बधाई। यह समर्पित नेताओं की शानदार टीम है, जो बिहार को नयी ऊंचाइयों पर ले जाएगी। सभी को मेरी शुभकामनाएं।” समारोह के अंत में प्रधानमंत्री ने अपने चिरपरिचित अंदाज में 'गमछा' हवा में लहराकर उपस्थित जनसमूह का उत्साह बढ़ाया। शपथ ग्रहण समारोह के लिए गांधी मैदान में विशाल मंच तैयार किया गया था, जहां राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन(राजग) शासित कई राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने भी शिरकत की।

इनमें आंध्र प्रदेश के एन चंद्रबाबू नायडू, उत्तर प्रदेश के योगी आदित्यनाथ, महाराष्ट्र के देवेंद्र फडणवीस, असम के हिमंत विश्व शर्मा और दिल्ली की रेखा गुप्ता शामिल थीं। शपथ लेने वालों में भाजपा विधायक दल के नेता सम्राट चौधरी और उपनेता विजय कुमार सिन्हा शामिल थे, जो पिछली राजग सरकार में उपमुख्यमंत्री थे। मंत्रिमंडल में कम से कम तीन मंत्री विधान परिषद के सदस्य हैं जिनमें जदयू के राष्ट्रीय महासचिव और मुख्यमंत्री के विश्वस्त अशोक चौधरी, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल और हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा के प्रमुख संतोष कुमार सुमन शामिल हैं।

जमुई से लगातार दूसरी बार निर्वाचित पुरस्कार विजेता निशानेबाज श्रेयसी सिंह को पहली बार मंत्रिमंडल में जगह मिली है। मुजफ्फरपुर के पूर्व सांसद अजय निषाद की पत्नी और औराई से नवनिर्वाचित भाजपा विधायक रमा निषाद को भी मंत्रिपरिषद में शामिल किया गया है। जदयू के नौ बार के विधायक बिजेंद्र प्रसाद यादव भी एक बार फिर मंत्रिमंडल में लौटे हैं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बाद शपथ लेने वाले अन्य 26 मंत्रियों में जदयू से विजय चौधरी, बिजेंद्र प्रसाद यादव, श्रवण कुमार, अशोक चौधरी (एमएलसी), सुनील कुमार, लेशी सिंह, मदन सहनी, मोहम्मद जामा खान शामिल हैं। भाजपा से सम्राट चौधरी, विजय कुमार सिन्हा, मंगल पांडेय, दिलीप जायसवाल, नितिन नवीन, राम कृपाल यादव, संजय सिंह टाइगर, रमा निषाद, लखेंद्र कुमार रोशन, श्रेयसी सिंह, नारायण प्रसाद, सुरेंद्र मेहता, अरुण शंकर प्रसाद और डॉ. प्रमोद कुमार (एमएलसी) शामिल हैं। हम से संतोष सुमन , राष्ट्रीय लोक मोर्चा (रालोमो) से दीपक प्रकाश के साथ लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के संजय कुमार और संजय कुमार सिंह हैं।

नई सरकार जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरते हुए अपने वादों को पूरा करेः तेजस्वी यादव

पटना। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी प्रसाद यादव ने जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार को दसवीं बार बिहार के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के लिए बधाई दी और कहा कि उन्हें उम्मीद है कि नई सरकार जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरते हुए अपने वादों और घोषणाओं को पूरा करेगी। नीतीश कुमार के शपथ ग्रहण कार्यक्रम में विपक्षी दलों का कोई प्रमुख नेता शामिल नहीं हुआ। तेजस्वी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट कर नीतीश कुमार को बधाई दी। उन्होंने कहा, “नीतीश कुमार जी को बिहार के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने पर हार्दिक बधाई।

दो विधायकों का मंत्री बनना पिता रामविलास के सपने का सच होनाः चिराग पासवान

पटना। केंद्रीय मंत्री और लोक जनशक्ति पार्टी (लोजपा)-रामविलास के प्रमुख चिराग पासवान ने बृहस्पतिवार को कहा कि बिहार की नई सरकार में उनकी पार्टी के दो विधायकों को जगह मिलना एक “बड़ी जीत” है, जिसका सपना उनके दिवंगत पिता राम विलास पासवान ने लंबे समय तक देखा था। चिराग ने कहा कि चुनावी जनादेश ने पार्टी पर “विकसित बिहार” की दिशा में काम करने की “बड़ी जिम्मेदारियां” भी सौंपी हैं। उन्होंने पत्रकारों से कहा, “आज का दिन राम विलास पासवान जी को याद करने का है और बिहार को विकसित बनाने के लिए काम करने का है। यह बड़ा दिन है और इस दिन मैं सबसे पहले अपने नेता व पिता माननीय राम विलास पासवान जी को याद करता हूं।” लोजपा (रामविलास) ने विधानसभा चुनाव में 19 सीट पर जीत हासिल की, जिनमें से संजय कुमार और संजय कुमार सिंह ने बृहस्पतिवार को मंत्री पद की शपथ ली।

संक्षिप्त खबरें

भारत में जन्मी मादा चीता मुखी ने पांच शावकों को दिया जन्म

नई दिल्ली। भारत में जन्मी मादा चीता मुखी ने पांच शावकों को जन्म दिया है। केन्द्रीय मंत्री भूपेन्द्र यादव ने गुरुवार को इस खबर को साझा करते हुए खुशी जताई है। उन्होंने 'एक्स' पर किए गए अपने सोशल मीडिया पोस्ट में इसे ऐतिहासिक बताया। उन्होंने बताया कि मादा चीता मुखी और उसके सभी शावक स्वस्थ हैं। यादव ने कहा कि यह उपलब्धि भारत में चल रहे संरक्षण प्रयासों और 'प्रोजेक्ट चीता' के भविष्य को लेकर विश्वास को और मजबूत करती है। भूपेन्द्र यादव ने बताया कि इतिहास में पहला अवसर है जब भारत में जन्मी किसी चीता ने सफलतापूर्वक प्रजनन किया है। भारत में जन्मी पहली मादा चीता मुखी ने पांच शावकों को जन्म दिया है, यह घटना भारत के चीता पुनर्स्थापन कार्यक्रम के लिए मील का पत्थर है। उन्होंने कहा कि यह घटना भारतीय आवासीय परिस्थितियों में चीतों की अनुकूलन क्षमता, स्वास्थ्य और दीर्घकालिक अस्तित्व की मजबूत संभावनाओं को दर्शाती है। मंत्री ने कहा कि यह उपलब्धि भारत में आनुवंशिक रूप से विविध चीता आबादी स्थापित करने की हमारी उम्मीद को और सुदृढ़ करता है।

दुनिया के शीर्ष बैंकों की सूची में जल्दी ही भारतीय बैंक होंगे शामिलः गवर्नर

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने बृहस्पतिवार को कहा कि आर्थिक विस्तार और बैंकिंग प्रणाली में वृद्धि की गति को देखते हुए, भारत के और भी घरेलू बैंक जल्द ही दुनिया के शीर्ष 100 बैंकों की सूची में शामिल होंगे। मल्होत्रा ने दिल्ली स्कूल ऑफ इकॉनमिक्स में वीकेआरवी राव स्मृति व्याख्यान देने के बाद छात्रों से बातचीत में कहा कि आरबीआई भारत के कई बड़े बैंकों को वैश्विक सूची में शामिल नहीं कर सकता। जबकि इसमें उन्हें शामिल होना चाहिए। उन्होंने कहा, “...सार्वजनिक क्षेत्र और निजी क्षेत्र में कई बैंक हैं। जिस गति से वे बढ़ रहे हैं, मुझे लगता है कि यह केवल समय की बात है कि दुनिया के शीर्ष 100 बैंकों में हमारे कई बैंक शामिल होंगे।

गुरु तेग बहादुर शहीदी दिवस के मौके पर 25 नवंबर को अवकाश घोषित

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने गुरु तेग बहादुर के शहादत दिवस के अवसर पर घोषित राजपत्रित अवकाश की तिथि में संशोधन किया है। गुरु तेग बहादुर शहीदी दिवस का अवकाश 24 नवंबर के बजाय 25 नवंबर को होगा। एक आधिकारिक बयान के मुताबिक, अवकाश सूची में संशोधन कर यह परिवर्तन किया गया है। बयान में बताया गया कि यह छुट्टी पहले 24 नवंबर को होनी थी लेकिन इसे अब 25 नवंबर के लिए पुनर्निर्धारित किया गया है। बयान के मुताबिक, संशोधित तिथि अब उत्तर प्रदेश के सभी सरकारी कार्यालयों पर लागू होगी।

SIR खतरनाक, इसे रोकेंः ममता

पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने सीईसी को पत्र लिखा

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बृहस्पतिवार को मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के खिलाफ फिर आवाज उठाते हुए मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पत्र लिख उनसे इस कवायद को तुरंत रोकने की मांग की। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह “अनियोजित, दबाव डालने वाली और खतरनाक” है। बनर्जी ने कहा कि उन्होंने मौजूदा एसआईआर प्रक्रिया को लेकर बार-बार अपनी चिंताएं व्यक्त की हैं, और अब स्थिति “काफी बिगड़ जाने” के कारण उन्हें “मजबूर होकर” मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) को यह पत्र लिखना पड़ा है। मुख्यमंत्री ने पत्र में लिखा, “यह प्रक्रिया जिस तरह अधिकारियों और नागरिकों पर थोपी जा रही है, वह न केवल अनियोजित और अव्यवस्थित है, बल्कि खतरनाक भी है।

बुनियादी तैयारी, पर्याप्त योजना और स्पष्ट संचार के अभाव ने पहले दिन से ही पूरे अभियान को पंगु बना दिया है।” मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि निर्वाचन आयोग ने “बुनियादी तैयारी, पर्याप्त योजना और स्पष्ट संवाद” के बिना ही एसआईआर प्रक्रिया अधिकारियों और नागरिकों पर थोप दी है। उनका कहना था कि प्रशिक्षण में गंभीर खामियां, अनिवार्य दस्तावेजों को लेकर भ्रम, और कार्य समय में बीएलओ के लिए मतदाताओं से मिल पाना “लगभग असंभव” होने जैसी समस्याओं ने पूरे अभियान को “संरचनात्मक रूप से कमजोर” बना दिया है। उन्होंने मुख्य निर्वाचन आयुक्त से आग्रह किया कि वे “निर्णायक हस्तक्षेप” करें, जारी प्रक्रिया को रोका जाए, “जबरन” उपायों को बंद किया जाए, उचित प्रशिक्षण और समर्थन मुहैया कराया जाए।

दिल्ली की अदालत ने लालकिला बम धमाके के चार आरोपियों को 10 दिन की एनआईए हिरासत में भेजा

नई दिल्ली। दिल्ली के पटियाला हाउस कोर्ट ने गुरुवार को लाल किला ब्लास्ट मामले में गिरफ्तार चारों आरोपितों को 10 दिनों के लिए राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की हिरासत में भेज दिया है। एनआईए ने गुरुवार को इन सभी को पटियाला हाउस कोर्ट में पेश किया था। इस मामले में अब तक एनआईए ने छह आरोपितों को गिरफ्तार किया है और सभी एनआईए की हिरासत में पहुंच गए हैं।

एनआईए ने पुलवामा के डॉ. मुजम्मिल शकील गनई, जम्मू-कश्मीर के डॉ. आदिल अहमद रतहर, लखनऊ की डॉ. शाहीन सईद और जम्मू-कश्मीर के मुफ्ती इरफान वागे को औपचारिक रूप से गिरफ्तार करके पटियाला हाउस कोर्ट में पेश किया। इससे पहले एनआईए ने आत्मघाती हमलावर डॉ. उमर नबी के सहयोगी जसीर बिलाल वानी उर्फ दानिश को श्रीनगर से गिरफ्तार किया था, जिसे भी 10 दिनों की एनआईए हिरासत में भेजा गया है।इसके पहले 16 नवंबर को गिरफ्तार किये गए आमिर रशीद अली को भी दस दिनों की एनआईए हिरासत में भेजा गया था।

एनआईए के मुताबिक दानिश ने ड्रोन में तकनीकी बदलाव किए और कार बम विस्फोट से पहले रॉकेट तैयार करने की कोशिश की। एनआईए के मुताबिक दानिश ने उमर उन नबी के साथ मिलकर पूरी साजिश को अंजाम देने में अहम भूमिका निभाई।

पुलिस ने कश्मीर टाइम्स के जम्मू कार्यालय पर छापा मारा, एके राइफल के कारतूस बरामद

जम्मू। जम्मू कश्मीर पुलिस की राज्य जांच एजेंसी (एसआईए) ने देश के खिलाफ गतिविधियों को बढ़ावा देने के आरोप में बृहस्पतिवार को यहां 'कश्मीर टाइम्स' के कार्यालय पर छापा मारा और अन्य चीजों के अलावा एके राइफलों के कारतूस तथा पिस्तौल के कुछ कारतूस बरामद किए। अधिकारियों ने कहा कि एसआईए के अधिकारियों ने प्रकाशकों और प्रवर्तकों के खिलाफ एक मामला दर्ज करने के बाद अखबार के परिसरों और कंप्यूटरों की गहन जांच की। उन्होंने बताया कि छापेमारी में एसआईए ने एके राइफल के कारतूस, पिस्तौल के कुछ कारतूस और हैंड ग्रेनेड पिन समेत अन्य सामान जब्त किया।

राष्ट्रपति और राज्यपाल के लिए बिल पर फैसला लेने की समय-सीमा तय नहीं की जा सकतीः सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने बृहस्पतिवार को एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए कहा कि राज्य विधानसभाओं में पारित विधेयकों को मंजूरी देने के संबंध में राज्यपाल एवं राष्ट्रपति के लिए कोई समयसीमा तय नहीं की जा सकती। शीर्ष अदालत ने अपने बहुप्रतीक्षित फैसले में कहा कि उच्चतम न्यायालय भी विधेयकों को मंजूरी प्रदान नहीं कर सकता।

अपने सर्वसम्मत फैसले में पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने यह भी कहा कि राज्यपाल अनुच्छेद 200 के तहत प्रदत्त अधिकारों से परे जाकर विधेयकों को लंबित नहीं रख सकते। प्रधान न्यायाधीश बी आर गवई की अगुवाई वाली पीठ ने कहा, “हमें नहीं लगता कि राज्यपालों के पास राज्य विधानसभाओं द्वारा पारित विधेयकों पर रोक लगाने की असीमित शक्ति है।” इस पीठ में न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति पी एस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति ए एस चंदुरकर भी शामिल थे। उसने कहा कि भारत जैसे लोकतांत्रिक देश में राज्यपालों के लिए समय-सीमा तय करना संविधान द्वारा प्रदत्त लचीलेपन के विरुद्ध है। प्रधान न्यायाधीश ने फैसले का मुख्य भाग पढ़ते हुए कहा कि अनुच्छेद 200 के तहत राज्यपालों के पास तीन विकल्प हैं - विधेयकों को मंजूरी देना, उन्हें राष्ट्रपति के पास भेजना या मंजूरी रोककर अपनी टिप्पणियों के साथ उन्हें विधानसभा को वापस भेजना। पीठ ने कहा, “चूंकि संविधान में राज्यपाल के अधिकारों के उपयोग के लिए कोई समयसीमा या उसके इस्तेमाल का तरीका निर्धारित नहीं है, ऐसे में इस न्यायालय द्वारा अनुच्छेद 200 के तहत इन अधिकारों के प्रयोग के लिए समयसीमा तय करना उपयुक्त नहीं होगा।” तमिलनाडु सरकार की याचिका पर निर्णय सुनाते हुए न्यायमूर्ति जे. बी. पारदीवाला की अगुवाई वाली पीठ ने इस वर्ष अप्रैल में यह निर्धारित किया था कि राज्यपालों और राष्ट्रपति को राज्य विधानसभाओं द्वारा पारित विधेयकों पर तीन महीने में मंजूरी देनी होगी।

पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा उच्चतम न्यायालय के आठ अप्रैल के फैसले पर उठाए गए 14 महत्वपूर्ण सवालों पर विचार करने पर सहमति जताई। मुर्मू ने अनुच्छेद 143(1) के तहत अपने अधिकारों का उपयोग करते हुए कहा था कि वर्तमान परिस्थितियों में कुछ कानूनी प्रश्न खड़े हुए हैं जो अपने स्वरूप और सार्वजनिक महत्व के कारण ऐसे हैं कि उन पर न्यायालय की राय लेना आवश्यक हो जाता है। अनुच्छेद 143(1) राष्ट्रपति को उच्चतम न्यायालय से सलाह लेने का अधिकार प्रदान करता है। पीठ ने बृहस्पतिवार को कहा कि संवैधानिक अधिकारों के इस्तेमाल और राष्ट्रपति/राज्यपाल के आदेशों को किसी भी रूप में अनुच्छेद 142 के तहत प्रतिस्थापित नहीं किया जा सकता। उसने कहा, “३हम स्पष्ट करते हैं कि संविधान, विशेष रूप से अनुच्छेद 142 भी विधेयकों की 'स्वतः स्वीकृति' (डीम्ड एसेंट) की अवधारणा की अनुमति नहीं देता है।

दिल्ली-NCR में जहरीली हुई हवा

वजीरपुर में एक्यूआई 450 के पार, नोएडा का भी बुरा हाल

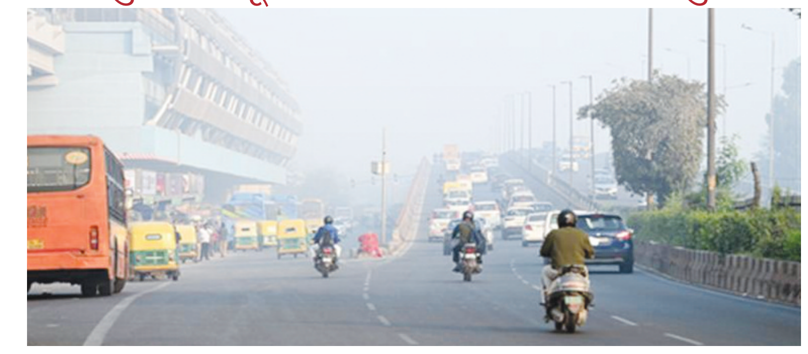

नई दिल्ली। दिल्ली-NCR में प्रदूषण का स्तर लगातार खतरनाक श्रेणी में बना हुआ है। सेंट्रल पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड (CPCB) के अनुसार, गुरुवार सुबह 7 बजे दिल्ली के ज्यादातर इलाकों में वायु गुणवत्ता सूचकांक बेहद खराब श्रेणी में दर्ज किया गया है। जबकि कम से कम 20 मॉनिटरिंग स्टेशन पर AQI सीवियर कैटेगरी में दर्ज किया गया और कई इलाकों में AQI 450 के पार पहुंच गया है। दिल्ली में वजीरपुर सबसे प्रदूषित इलाका रहा, जहां एक्यूआई 477 दर्ज हुआ। इसके अलावा जहांगीरपुरी में 451, रोहिणी में 449, मुंडका में 446, अशोक विहार में 444, पंजाबी बाग में 439, विवेक विहार में 436, नेहरू नगर (लाजपत नगर) में 431, आरके पुरम में 423, आनंद विहार में 420, चांदनी चौक में 418, नॉर्थ कैंपस में 416, सिरी फोर्ट में 412, द्वारका में 411, सोनिया विहार में 410, ITO में 400, इंडिया गेट क्षेत्र में 400 रहा जो सीवियर कैटेगरी में आता है। दिल्ली के अलावा यूपी के गाजियाबाद और नोएडा में भी हवा की गुणवत्ता भी सीवियर कैटगरी में बनी हुआ है। गाजियाबाद में गुरुवार सुबह AQI 430, नोएडा में 408 दर्ज किया गया है।

निर्माणाधीन मकान की छत के मलबे के नीचे दबे चार मजदूरों की मौत

मकान मालिक के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का मुकदमा दर्ज

नोएडा। थाना रबूपुरा क्षेत्र में मकान की शटरिंग खोलने समय छत गिरने के बाद मलवे में करीब दर्जन भर मजदूरों को बुधवार दोपहर से गुरुवार सुबह तक चले बचाव और राहत कार्य के दौरान बाहर निकाला गया है। उन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया जहां पर चार मजदूरों की मौत हो गई है। कुछ मजदूरों के उपचार के दौरान अस्पताल से छुट्टी कर दी गई है जबकि अभी कुछ उपचार आधीन है। इस मामले में थाना रबूपुरा के वरिष्ठ उप निरीक्षक ने मकान बनाने वाले व्यक्ति के खिलाफ गैर इरादतन हत्या की धारा में मुकदमा दर्ज करवाया है पुलिस उसकी तलाश कर रही है।

पुलिस आयुक्त श्रीमती लक्ष्मी सिंह के मीडिया प्रभारी ने बताया कि थाना रबूपुरा क्षेत्र के गांव नगला हुकुम में रहने वाले महावीर नामक व्यक्ति के मकान का निर्माण हो रहा था। कल दोपहर को लेंटर की शटरिंग खोली जा रही थी, तभी शटरिंग खोलते समय छत भर-भराकर गिर गई। इस घटना में दर्जन भर मजदूर मलवे के नीचे दब गए। उन्होंने बताया कि कल दोपहर से शुरू हुआ बचाव एवं राहत कार्य गुरुवार सुबह तक चला। इस दौरान 12 मजदूरों को मलबे से बाहर निकाला गया। उन्होंने बताया कि मजदूरों के नाम जीशान पुत्र जाहिद उम्र 22 वर्ष, शकीरा पुत्र सरफराज उम्र 38 वर्ष, कामिल पुत्र सरफराज उम्र 20 वर्ष, नदीम पुत्र निजामुद्दीन उम्र 25 वर्ष, दानिश पुत्र आशिक उम्र 21 वर्ष निवासी जनपद अलीगढ़, फरदीन पुत्र सरफराज उमर 18 वर्ष निवासी जेवर, शकील पुत्र सरफराज उमर 38 वर्ष, कामिल पुत्र सर्फराज उम्र 20 वर्ष, नदीम पुत्र निजामुद्दीन उम्र 30 वर्ष निवासी जेवर तथा जीशान पुत्र जाहिद उम्र 22 वर्ष निवासी जेवर है। उन्होंने बताया कि डॉक्टरों ने उपचार के दौरान जीशान ,शाकीर, नदीम और कामिल को मृत घोषित कर दिया। मीडिया प्रभारी ने बताया कि इस मामले में थाना रबूपुरा के वरिष्ठ उपनिरीक्षक अश्वनी यादव ने मकान का निर्माण करवा रहे महावीर के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 105 के तहत मुकदमा दर्ज करवाया है।

उन्होंने बताया कि आरोपी फरार है। इस गिरफ्तारी के लिए पुलिस की कई टीमें लगाई गई है। कानून के जानकारों के अनुसार बीएनएस की धारा 105 गैर इरादतन हत्या के लिए लगाई जाती है। इस धारा के तहत जो कोई व्यक्ति किसी की जान लेने की इरादे से नहीं बल्कि लापरवाही या किसी ऐसे कार्य को करके जिसमें मृत होना संभव है, व्यक्ति की मृत्यु का कारण बनता है उसे आजीवन कारावास या 5 से 10 साल के कारावास की और जुर्माने की सजा हो सकती है। बताया जाता है कि नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के निर्माण के दूसरे चरण के लिए गांव नगला कुमकुम सिंह विस्थापित होने वाले गांवों में शामिल है। यहां के लोग गांव के आसपास की जमीन पर रातों-रात बिल्डिंग बनाकर खड़ी कर रहे है। ताकि गांव विस्थापित होने पर उन्हें ज्यादा से ज्यादा मुआवजा मिल सके। बताया जाता है कि लोग मुआवजा के लिए जिन मकानों का निर्माण कर रहे हैं उनमें घटिया सामग्री लगाई जा रही है। सिर्फ ढांचा के रूप में मकान खड़े किये जा रहे हैं।

चर्चा है कि एक संगठित गिरोह जिला प्रशासन और यमुना विकास प्राधिकरण के अधिकारियों के साथ साठगांठ करके यह गोरख धंधा चल रहा है। वही इस घटना की सूचना के बाद जेवर के विधायक धीरेंद्र सिंह भी मौके पर पहुंचे तथा उन्होंने घायल और मृतकों को उचित मुआवजा दिलवाने की बात कही। उन्होंने इस मामले की शिकायत मुख्यमंत्री से करने की बात कही।

जिम्स में मोतियाबिंद का निशुल्क ऑपरेशन होगा

ग्रेटर नोएडा। राजकीय आयुर्विज्ञान संस्थान (जिम्स) में गुरुवार से मोतियाबिंद का आपरेशन निशुल्क कर दिया गया है। इससे मरीजों को काफी सुविधा मिलेगी और उनकी जेब पर असर नहीं पड़ेगा। वहीं, संस्थान में बेहतर चिकित्सीय सुविधा के लिए ईएसआईसी से भी समझौता किया है।

निदेशक ब्रिगेडियर डॉ. राकेश कुमार गुप्ता ने बताया कि मरीजों को निशुल्क चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए विशेष प्रयास किए गए, जो सफल भी हुए। अब मरीज यहां पर निशुल्क आपरेशन करा सकेंगे। इससे मरीजों को निजी अस्पतालों की लूट से राहत मिलेगी। इसके अलावा जिम्स आने वाले मरीजों को सस्ती और बेहतर सुविधा व उपचार देने के लिए ईएसआइसी से एमओयू किया गया है। ईएसआइसी की डायरेक्टर मेडिकल डॉ. सविता भाटिया ने मार्डन, कुशल और पेशेंट-सेंट्रिक हेल्थकेयर सर्विस देने में जिम्स की सराहना की।

उन्होंने कहा कि यह सहयोग ईएसआइसी लाभार्थियों के लिए बेहतर हेल्थकेयर सर्विस के लिए एक बेहतर पहल है। इससे गौतम बुद्ध नगर और आस-पास जिलों के मरीजों को लाभ मिलेगा। इस पैनल में शामिल होने के साथ लाभार्थियों को स्पेशल मेडिकल सर्विस, इमरजेंसी केयर, एडवांस्ड डायग्नोस्टिक्स और सुपर-स्पेशियलिटी ट्रीटमेंट का इस्तेमाल कर पाएंगे।

राष्ट्रीय लोक अदालत की तैयारियों को लेकर बैठक संपन्न

नोएडा। 13 दिसंबर 2025 को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत की सफलता को लेकर आज अपर जिला जज/जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव चंद्र मोहन श्रीवास्तव की अध्यक्षता में विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के परिसर में बैठक संपन्न हुई। बैठक में उपस्थित अधिकारियों को राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिक से अधिक संख्या में वाद चिन्हित करने तथा चिन्हित किये गये वादों में पक्षकारों को नोटिस व सम्मन आदि भिजवाने को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये। इसके अतिरिक्त राष्ट्रीय लोक अदालत को अपने-अपने क्षेत्रों में अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार किये जाने को निर्देशित किया। बैठक के दौरान अपर जिला जज ने कहा कि राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण एवं उप्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशों के अनुपालन में तथा जनपद न्यायाधीश अतुल श्रीवास्तव की अध्यक्षता में आगामी 13 दिसंबर को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जायेगा।

संक्षिप्त खबरें

वायु प्रदूषण फैलाने वालों पर 7.3 लाख का लगाया जुर्माना

नोएडा। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने धूल उड़ाने वालों पर गुरुवार को 7.3 लाख रुपये का जुर्माना लगाया। नोएडा प्राधिकरण पर भी कार्रवाई की गई। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की टीम एक हफ्ते से लगातार कार्रवाई कर रही है। सेक्टर-74 में नोएडा प्राधिकरण द्वारा निर्माण सामग्री और मिट्टी खुले में रखी गई थी। बोर्ड की टीम ने संबंधित एजेंसी पर 50 हजार का जुर्माना लगाया। सर्फाबाद से सेक्टर-115 की ओर जाने वाली सड़क के निर्माण के लिए सामग्री और मिट्टी खुले में रखने पर पांच लाख का जुर्माना लगाया गया। इसके अलावा सेक्टर-14, 49, 41, 121 में भी ग्रैप-3 के नियमों के उल्लंघन पर एक लाख 80 हजार का जुर्माना लगाया गया।

घर के सामने टेंट लगाने का विरोध करने पर मारपीट

नोएडा। सेक्टर-46 में पड़ोसी पर धार्मिक आयोजन के दौरान टेंट लगाकर पड़ोसी का रास्ता रोकने और विरोध करने पर मारपीट करने का आरोप लगा है। पीड़ित युवती की शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सेक्टर-46 में रहने वाली ऐशना कपूर ने पुलिस को बताया कि पड़ोस में रहने वाले वाईपीएस चौहान ने 18 नवंबर को धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन कराया। इसके लिए घर के आगे टेंट लगाकर रास्ता रोक दिया गया। आरोप है कि जब टेंट हटाने का विरोध किया तो गाली-गलौज शुरू कर दी। पीड़िता ने जब आरोपियों की अभद्रता को मोबाइल से कैमरे में कैद करने का प्रयास किया तो वाईपीएस चौहान के बेटे निशांत चौहान ने मोबाइल फोन छीन लिया और अभद्रता की। यही नहीं, निशांत की मां सुशीला ने पीड़िता के साथ मारपीट की। आरोपी परिवार के तीनों सदस्यों ने ऐशना और उसकी मां के साथ अभद्रता की। इसके चलते पीड़िता का परिवार भयभीत है। पुलिस का कहना है कि शिकायत के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया है। जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

स्टोर का दरवाजा तोड़कर 16 लाख का सामान चोरी

ग्रेटर नोएडा। ग्रेनो वेस्ट में गौर सिटी मॉल स्थित स्टोर से 16 लाख रुपये का सामान चोरी हो गया। बदमाशों ने स्टोर का दरवाजा तोड़कर घटना को अंजाम दिया। पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार रविंद्र चौहान ने गौर सिटी मॉल स्थित रिलायंस स्मार्ट बाजार में मैनेजर हैं। उन्होंने बिसरख कोतवाली पहुंचकर बताया कि उनके स्टोर से कुछ दिनों से घी के डिब्बे, बादाम की पैकेट, क्रीम, बटर, लोशन, कीमती कपड़े और अन्य सामान चोरी हो रहा है। पीड़ित के अनुसार स्टोर से अब तक करीब 16 लाख रुपये का सामान चोरी हो चुका है। वहीं, बिसरख कोतवाली प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार सिंह ने बताया कि घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है। हालांकि, चोरी का कोई वीडियो अभी तक सामने नहीं आया है। जांच के बाद कार्रवाई की जाएगी।

वार्षिक खेल समारोह में गोला फेंक में लोविश पहले स्थान पर

नोएडा। राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में चल रहे वार्षिक खेल समारोह में गुरुवार को भी दौड़, गोलाफेंक समेत कई प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। छात्रों की तीन हजार मीटर दौड़ में गौरव और छात्राओं में मानसी पहले स्थान पर रही। छात्रों की गोला फेंक स्पर्धा में लोविश यादव और छात्राओं में तनु ने पहला स्थान हासिल किया। वहीं, 400 मीटर दौड़ में सागर और छात्राओं में शांति प्रथम स्थान पर रहीं।

सरदार पटेल की 150वीं जयंती पर पदयात्रा और जनसभा का आयोजन

नोएडा। लौह पुरुष तथा देश की एकता और अखंडता के शिल्पकार सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर एक भारत, आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत आज जनपद गौतमबुद्ध नगर के जेवर विधानसभा में एक पदयात्रा निकाली गई। पदयात्रा में मुख्य अतिथि के रूप में उत्तर प्रदेश के पूर्व गन्ना विकास एवं चीनी उद्योग मंत्री सुरेश राणा, सांसद डॉ. महेश शर्मा, विधायक धीरेन्द्र सिंह, भाजपा जिलाध्यक्ष अभिषेक शर्मा सहित अन्य शामिल हुए। पदयात्रा की शुरुवात खेड़ा मोहम्मदाबाद से विधायक धीरेन्द्र सिंह द्वारा दीप प्रज्वलन कर की गई। यह पदयात्रा ऑक्सफोर्ड पब्लिक स्कूल, भाईपुर भोले मंदिर एवं मेंहदीपुर से होते हुए सिरौली बांगर एवं फलैदा बांगर गांव के रास्ते जनहित इंटर कॉलेज पहुंची। इस पदयात्रा में समाज के सभी वर्गों लोगों ने प्रतिभाग किया। पदयात्रा लगभग 8 किमी की थी। पदयात्रा में शिक्षा विभाग, एनसीसी, एनएसएस, स्काउट गाइड्स, माय भारत, पीआरडी आदि ने हिस्सा लिया। यह पदयात्रा जिला प्रशासन, पीडब्ल्यूडी, यमुना एक्सप्रेसवे प्राधिकरण, स्वास्थ विभाग आदि के सहयोग से संपन्न हुई। इस मौके पर सुरेश राणा ने कहा कि सरदार पटेल ने 1947 में खण्ड-खण्ड भारत को एक कर एक भारत, श्रेष्ठ भारत की नींव रखी। यह पदयात्रा राष्ट्र को एकता के सूत्र में बांधने तथा लोगों में भाई-बंधुत्व की भावना बढ़ाएगी। सांसद डॉ. महेश शर्मा ने युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि देश का भविष्य युवा शक्ति के हाथों में है और एक संगठित समाज ही मजबूत राष्ट्र का आधार बनता है। समाज और राष्ट्र के विकास की पहली शर्त एकता है, जो 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' के संकल्प को साकार करती है। विधायक जेवर धीरेंद्र सिंह ने कहा कि यह पदयात्रा केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि नई पीढ़ी को राष्ट्रीय चेतना, सामाजिक सद्भाव और देशभक्ति का सशक्त संदेश देने का अवसर है।

मिलावटी प्रसाद खाने से मुख्य पुजारी सहित चार लोगों की तबीयत बिगड़ी

नोएडा। थाना बिसरख क्षेत्र के चक शाहबेरी गांव में स्थित शीतला माता मंदिर में रखा प्रसाद खाने के बाद बीती रात को पुजारी समेत 4 लोगों की तबीयत बिगड़ गई। स्थानीय लोगों के अनुसार किसी ने आकर मंदिर में प्रसाद चढ़ाया। मंदिर के एक पुजारी ने प्रसाद सभी में बांटा। उन्होंने मुख्य पुजारी सहित कई लोगों को प्रसाद दिया। प्रसाद खाते ही लोगों की तबीयत बिगड़ने लगी। लोगों के मुंह में तेज जलन और सांस लेने में दिक्कत होने लगी। इसके बाद उन्हें नोएडा के जिला अस्पताल से शिबू पंडित और संजय प्रसाद को उपचार के लिए दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल भेजा गया। आज सुबह को सभी को अस्पताल से छुट्टी हो गई है। कोतवाली प्रभारी ने बताया कि मौके पर औषधि एवं खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम भी पहुंची। उन्होंने जांच की तो ऐसा प्रतीत हो रहा है कि प्रसाद में गलती से कास्टिक सोडा या कपूर मिल गया है, जिसकी वजह से लोगों की तबीयत खराब हुई है।

पुलिस ने चार करोड़ से अधिक कीमत के 846.30 किलो नशीले पदार्थों को नष्ट किया

नोएडा। पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह के निर्देशन में कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर में नशीले पदार्थों के खिलाफ बड़ी और प्रभावी कार्रवाई की गई। विभिन्न थानों में एनडीपीएस एक्ट के तहत पंजीकृत अभियोगों में जब्त किए गए कुल 846.3091 किलोग्राम मादक पदार्थों का नियमानुसार विनष्टीकरण (डिस्पोजल) अधिकृत एजेंसी के माध्यम से कराया गया।

जब्त किए गए इन नशीले पदार्थों की बाजार में अनुमानित कीमत लगभग 4 करोड़ 29 लाख 30 हजार 470 रुपए बताई गई है। यह अभियान सर्वोच्च न्यायालय के आदेशों के अनुपालन में चलाया जा रहा है, जिसके अंतर्गत जब्त की गई ड्रग्स को नियमानुसार सुरक्षित व वैज्ञानिक तरीके से नष्ट किया जाता है। विनष्टीकरण प्रक्रिया की निगरानी डीसीपी नारकोटिक्स शैव्या गोयल के निर्देशन में और एसीपी अपराध उमेश यादव और एसीपी लाइन्स राकेश प्रताप सिंह की उपस्थिति में संपन्न हुई। कमिश्नरेट के 7 थानों में दर्ज कुल 149 अभियोगों से संबंधित गांजा, डोडा, चरस, एमडीएमए और डायजापाम टैबलेट्स को नष्ट किया गया। बताया गया है कि थाना एक्सप्रेसवे से 6 अभियोगों से 5.510 किलोग्राम गांजा, थाना बादलपुर से 19 अभियोगों से 11.390 किलोग्राम गांजा और 510 ग्राम डोडा, थाना सेक्टर 49 से 72 अभियोगों से 28.810 किलोग्राम गांजा, 2.925 किलोग्राम चरस, 8.27 मिली एमडीएमए और 100 गोलियां डायजापाम, थाना सेक्टर 58 से 1 अभियोग से 761 किलोग्राम गांजा (सबसे अधिक बरामद), थाना सेक्टर 142 से 2 अभियोगों से 2.850 किलोग्राम गांजा, थाना ईकोटेक-3 से 4 अभियोगों से 5.698 किलोग्राम गांजा और थाना बीटा-2 से 45 अभियोगों से 27.608 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया था। इसमें थाना सेक्टर-58 क्षेत्र से जब्त 761 किलोग्राम गांजा अकेले ही करोड़ों रुपये मूल्य का था, जो गौतमबुद्धनगर पुलिस की बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि नशीले पदार्थों के खिलाफ यह अभियान आगे भी जारी रहेगा। उद्देश्य यह है कि मादक पदार्थों के व्यापार और तस्करी पर पूरी तरह रोक लगाई जाए और संबंधित अभियोगों में जब्त सामान को सुरक्षित तरीके से समय पर नष्ट किया जाए ताकि अपराधियों पर कानूनी शिकंजा और मजबूत हो सके।

कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर पुलिस ने स्पष्ट किया है कि युवाओं को नशे के दुष्प्रभाव से बचाने तथा जिले में ड्रग नेटवर्क को समाप्त करने के लिए सख्त और लगातार कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने आम जनता से भी अपील की है कि नशे से संबंधित किसी भी सूचना को बिना हिचक पुलिस के साथ साझा करें।

जहरीली हवा ने तोड़े सारे रिकॉर्ड, नोएडा-गाजियाबाद के कई इलाकों में एक्यूआई 400 पार

नोएडा। दिल्ली समेत पूरे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में वायु प्रदूषण ने एक बार फिर से लोगों की सांसें अटका दी हैं। दिल्ली, नोएडा और गाजियाबाद जैसे शहरों में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 400 के पार पहुंच गया है, जो 'गंभीर' श्रेणी में आता है। इस स्तर पर वायु प्रदूषण न केवल स्वस्थ लोगों को प्रभावित करता है, बल्कि पहले से बीमार लोगों की स्थिति और भी गंभीर बना सकता है। नोएडा में स्थिति विशेष रूप से खराब है।

शहर के चारों सक्रिय मॉनिटरिंग स्टेशनों ने एक्यूआई के उच्च स्तर दर्ज किए हैं। नोएडा के सेक्टर-116 में एक्यूआई 439, सेक्टर-1 में 424, सेक्टर-125 में 424 और सेक्टर-62 में 347 दर्ज किया गया है। ग्रेटर नोएडा की स्थिति भी बेहतर नहीं है, जहां नॉलेज पार्क-5 का एक्यूआई 442 और नॉलेज पार्क-3 का एक्यूआई 335 दर्ज किया गया। गाजियाबाद के प्रदूषण स्तर ने भी चिंता बढ़ा दी है। लोनी में 443 तक पहुंच गया है, जो क्षेत्र में सबसे अधिक है। वहीं, इंदिरापुरम में 428, वसुंधरा में 429 और संजय नगर में 420 दर्ज किया गया। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली भी इस जहरीली हवा से अछूती नहीं है। शहर के विभिन्न हिस्सों जैसे पूसा, आरके पुरम, रोहिणी, शादीपुर, सिरीफोर्ट, सोनिया विहार, श्री अरविंदो मार्ग, विवेक विहार और वजीरपुर आदि इलाकों में वायु गुणवत्ता 'गंभीर' या 'बहुत खराब' श्रेणी में दर्ज की गई है। नोएडा प्राधिकरण का दावा है कि वह लगातार स्प्रिंकलर और अन्य उपलब्ध साधनों के माध्यम से प्रदूषण को नियंत्रित करने का प्रयास कर रहा है। आयोग वायु गुणवत्ता प्रबंधन (सीएक्यूएम) की ओर से 14 अक्टूबर को ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (ग्रेप) लागू होने के बाद से प्राधिकरण की तरफ से मानकों के अनुपालन को सुनिश्चित कराया जा रहा है। 19 नवंबर को, प्राधिकरण की 14 टीमों ने नोएडा क्षेत्र के विभिन्न सेक्टरों और गांवों में 95 स्थलों का निरीक्षण किया और लोगों को ग्रेप दिशा-निर्देशों व एनजीटी नियमों के पालन के प्रति जागरूक किया। प्रदूषण नियंत्रण के लिए 59 टैंकरों के माध्यम से 234.10 किलोमीटर लंबे मुख्य मार्गों पर शोधित जल का छिड़काव किया गया। इसके अलावा, 14 मैकेनिकल स्वीपिंग मशीनों से 340 किलोमीटर सड़कों की सफाई की गई और 23 टैंकरों से पेड़-पौधों की धुलाई का काम कराया गया। अलग-अलग निर्माण स्थलों पर 88 एंटी-स्मॉग गन और 10 ट्रक माउंटेड एंटी-स्मॉग गन संचालित की गईं। साथ ही, 76.15 टन सी एंड डी वेस्ट (निर्माण और विध्वंस कचरे) का उठान और प्रसंस्करण किया गया।

प्राधिकरण की टीमें प्रतिदिन निर्माण स्थलों का निरीक्षण कर रही हैं और दिशा-निर्देशों का उल्लंघन करने पर कानूनी कार्रवाई और जुर्माना लगाया जा रहा है। हालांकि, इन सभी दावों के बावजूद, हवा में घुली जहरीली धुंध और एक्यूआई के खतरनाक स्तर यह साबित करते हैं कि स्थिति पर नियंत्रण पाने के लिए अभी और अधिक गंभीर और प्रभावी कदम उठाने की जरूरत है।

यूपी रेरा ने नौ और परियोजनाओं को मंजूरी दी

ग्रेटर नोएडा। उत्तर प्रदेश भू-संपदा विनियामक प्राधिकरण (यूपी रेरा) ने गुरुवार को हुई बैठक में गौतमबुद्ध नगर समेत छह जिलों में नौ परियोजनाओं को मंजूरी दी। इन परियोजनाओं से लगभग 2009 करोड़ रुपये का निवेश आने का अनुमान है। फ्लैट, भूखंड और विला मिलाकर 1586 इकाइयां विकसित की जाएंगी। यूपी रेरा के अध्यक्ष संजय भूसरेड्डी ने बताया कि स्वीकृत प्रदान की गई नौ परियोजनाएं लखनऊ, बाराबंकी, प्रयागराज, चंदौली, अलीगढ़ और गौतमबुद्ध नगर में हैं। इनमें सबसे अधिक तीन परियोजनाएं गौतमबुद्ध नगर में हैं।

नौ परियोजनाओं में फ्लैट, भूखंड और विला मिलाकर कुल 1,586 इकाइयां विकसित की जाएंगी। परियोजनाएं आवासीय एवं मिश्रित विकास मॉडल पर आधारित हैं, जो शहरी और उपनगरीय दोनों क्षेत्रों की आवश्यकताओं को पूरा करेंगी। गौतमबुद्ध नगर की तीन परियोजनाओं में 1,536.99 करोड़ रुपये का निवेश होगा। अध्यक्ष ने बताया कि लखनऊ में 283.76 करोड़ की एक परियोजना स्वीकृत हुई है।

बाराबंकी में 120.85 करोड़ रुपये की दो परियोजनाएं स्वीकृत की गई हैं। प्रयागराज में 11.47 करोड़ रुपये और चंदौली में 37.85 करोड़ रुपये की एक-एक परियोजनाओं को मंजूरी मिली है, जो पूर्वांचल क्षेत्र में विकास को प्रोत्साहित करेंगी। इसके साथ ही अलीगढ़ में 17.72 करोड़ की एक परियोजना स्वीकृत हुई है।

यूपी रेरा के अध्यक्ष संजय भूसरेड्डी का उत्तर प्रदेश का रियल एस्टेट क्षेत्र तेजी से आगे बढ़ रहा है। यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि प्रत्येक परियोजना मानकों के तहत तय समय पर पूरी हो।

डीपीसीसी राजधानी में सबसे बड़े एंटी-डस्ट अभियान को दे रही है अंजाम : सिरसा

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने सालभर चलने वाली, डेटा आधारित और सख्त प्रवर्तन रणनीति से प्रदूषण नियंत्रण को तेज किया है। दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) राजधानी में अब तक के सबसे बड़े एंटी-डस्ट अभियान को अंजाम दे रही है, जिसमें निर्माण, उद्योग और वाहन-जनित प्रदूषण पर लगातार-ऑनलाइन और ऑफलाइन-निगरानी हो रही है। पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने गुरुवार को एक बयान में बताया कि डीपीसीसी के डस्ट कंट्रोल सेल्फ-असेसमेंट पोर्टल (जो नगर निगमों की बिल्डिंग सैंक्शन प्रक्रिया से जुड़ा है) के माध्यम से 500 वर्गमीटर से बड़े हर निर्माण स्थल का रजिस्ट्रेशन और मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जा रही है, ताकि सभी प्रोजेक्ट्स धूल नियंत्रण के नियमों का पालन करें।

35 डीपीसीसी टीमें 15 अक्टूबर से मैदान में लगातार निरीक्षण कर रही हैं। पहले चरण में 500 बड़े निर्माण प्रोजेक्ट्स की जांच की गई, अनरजिस्टर्ड साइट्स की पहचान हुई और तत्काल कार्रवाई की गई-200 से ज़्यादा शोकॉज़ नोटिस, 48 साइटें सील, और 35 प्रोजेक्ट्स पर 2.36 करोड़ रुपये से अधिक का पर्यावरण मुआवज़ा लगाया गया। रियल-टाइम जवाबदेही के बारे में सिरसा ने कहा कि हम दिल्ली की हवा को साफ रखने के लिए सिस्टम में बड़े सुधार कर रहे हैं। हर प्रोजेक्ट की 24×7 दूरस्थ निगरानी हो रही है। जुर्माना हो या सीलिंग-कार्रवाई सीधे स्रोत पर हो रही है, चाहे वह निर्माण स्थल हो, ट्रैफिक से उठती धूल हो या औद्योगिक गतिविधि। हमारी एसओपी साफ है-जांच करें, आकलन करें और तुरंत कार्रवाई करें।

21 अक्टूबर से 14 नवंबर 2025 के बीच डीपीसीसी पोर्टल पर दर्ज प्रोजेक्ट्स की संख्या 653 से बढ़कर 747 हो गई, क्योंकि सरकार का अनुपालन अभियान तेजी से आगे बढ़ा। 29 अक्टूबर से इन दर्ज प्रोजेक्ट्स का सघन निरीक्षण शुरू हुआ; अब तक 461 साइटों की जांच कर ली गई है और जहां कमी मिली है वहां सख्त कार्रवाई की प्रक्रिया जारी है। रियल-टाइम मॉनिटरिंग सिस्टम-360 डिग्री वीडियो फेंसिंग और लाइव PM2.5/PM10 सेंसर-से लगातार निगरानी और पारदर्शिता मजबूत हुई है। निर्माण स्थलों पर सार्वजनिक डिस्प्ले बोर्ड पर डीपीसीसी रजिस्ट्रेशन आईडी लगाना अनिवार्य किया गया है ताकि नागरिकों और अधिकारियों को अनुपालन की स्थिति दिखाई दे। डीपीसीसी टीमें शहर भर में अनरजिस्टर्ड प्रोजेक्ट्स का सर्वे भी कर रही हैं। 4,881 इलाकों में से 467 का निरीक्षण पूरा कर 33 नए उल्लंघन पाए गए हैं जिन पर कारण बताओ नोटिस के ज़रिए तुरंत कार्रवाई की जा रही है।

पर्यावरण मंत्री ने कहा कि दिल्ली की लड़ाई प्रदूषण के खिलाफ सौ फीसद एक्शन पर आधारित है। हम सभी दिल्लीवासियों से अपील करते हैं-कचरा न जलाएं, पब्लिक ट्रांसपोर्ट का उपयोग बढ़ाएं, और सोशल मीडिया, हेल्पलाइन और ग्रीन दिल्ली ऐप पर उल्लंघन की रिपोर्ट करें। मिलकर हम दिल्ली को साफ हवा दिलाएंगे। इसी क्रम में मंत्री ने बताया कि डीपीसीसी ने 17 नवंबर को सभी रजिस्टर्ड प्रोजेक्ट्स के अधिकारियों के लिए वर्चुअल ट्रेनिंग आयोजित की। डीपीसीसी एनडीएमसी,पीडब्ल्यूडी, सीपीडब्ल्यूडी डीडीए, डीएमआरसी, डीजेबी जैसी प्रमुख एजेंसियों के साथ लगातार समन्वय कर रहा है ताकि उनके सभी निर्माण कार्य संबंधित नियमों के अनुसार रजिस्टर्ड और अनुपालन में हों। निर्माण के अलावा डीपीसीसी टीमें डीजी सेट्स और एयर-पॉल्यूटिंग इंडस्ट्रीज़ की जांच कर रही हैं, जहां उत्सर्जन कम करने वाले उपकरण लगाना या साफ ईंधन-खासकर पीएनजी में शिफ्ट होना सीएयूएम के निर्देशानुसार अनिवार्य किया जा चुका है। सिरसा ने बताया कि दिल्ली के विंटर एक्शन प्लान के तहत धूल नियंत्रण प्रोटोकॉल, निर्माण अनुपालन मानक, सड़क छिड़काव शेड्यूल, मैकेनिकल स्वीपिंग और वेस्ट मैनेजमेंट की तैयारी पिछले कई महीनों से चल रही है। अब फोकस और मज़बूत किया गया है- जमीनी निगरानी का पैमाना, एजेंसियों का समन्वय, फील्ड विज़िट की आवृत्ति और किसी भी चूक पर तुरंत जवाबदेही और मजबूती से तय कर दी गई है।

मंत्री सिरसा ने पालम, द्वारका और महिपालपुर क्षेत्रों में धूल नियंत्रण के लिहाज से कई जगहों की स्थिति का भी निरीक्षण किया, जहां सड़क निर्माण, फुटपाथ कार्य, मरम्मत और ट्रैफिक की वजह से धूल अधिक फैलती है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी साइट्स पर सही बैरिकेडिंग, एंटी-डस्ट नेट, ट्रीटेड वॉटर से छिड़काव, मलबा उठाने और नियमों के पूर्ण पालन को सुनिश्चित किया जाए। डीपीसीसी ने जानकारी दी कि दिल्ली में 1,800 से अधिक फील्ड स्टाफ और 35 विशेष डीपीसीसी टीमें- एमसीडी, डीडीएस पीडब्ल्यूडी, एनडीएमसी, कृषि, राजस्व विभाग और ट्रैफिक पुलिस समेत-लगातार काम कर रही हैं।

दिल्ली पुलिस ने ऑनलाइन पुस्तक पायरेसी नेटवर्क चलाने वाले व्यक्ति को पकड़ा

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में दिल्ली पुलिस ने एक संगठित ऑनलाइन पुस्तक पायरेसी (चोरी) नेटवर्क का भंडाफोड़ करते हुए उसके कथित संचालक को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने बृहस्पतिवार को बताया कि पुलिस ने इस रैकेट से जुड़े पांच अन्य लोगों को भी नोटिस जारी किया हैं। पुलिस ने बताया कि मयूर विहार फेज वन निवासी अनमोल किरो (27) पर एक वेबसाइट के माध्यम से इस नेटवर्क को संचालित करने और देश भर में शैक्षणिक (अकादमिक) पुस्तकों की पायरेसी वाली प्रतियां बेचने का आरोप है। यह नेटवर्क एक ऑनलाइन स्टोरफ्रंट के माध्यम से वैधता का भ्रम पैदा करके, डिजिटल भुगतान प्रणालियों का उपयोग करके, स्वचालित रूप से बिल बनाकर, सड़क विक्रेताओं से पायरेसी वाली सामग्री प्राप्त कर उसे कूरियर सेवाओं के माध्यम से पूरे भारत में भेजकर संचालित हो रहा था। उन्होंने बताया कि पहचान से बचने के लिए छपाई और छपाई में उपयोग की जाने वाली 'प्लेट' बनाने का काम अलग-अलग इकाइयों को आउटसोर्स किया जाता था। इस मामले में तीन नवंबर को धोखाधड़ी से संबंधित आरोपों और कॉपीराइट अधिनियम के प्रासंगिक प्रावधानों के तहत एक प्राथमिकी दर्ज की गई। इसके बाद मामले में जांच शुरू की गई। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि वेबसाइट की तकनीकी निगरानी ने पुलिस को कथित संचालन करने वाले किरो तक पहुंचाने में मदद की। पुलिस ने बताया कि किरो के आवास पर छापे के बाद प्रतिष्ठित प्रकाशकों की 42 नकली (पायरेटेड) शैक्षणिक किताबें बरामद की गईं। अधिकारी ने बताया कि जांच में यह पता चला कि किरो ने "बुक भंडार डॉट इन" नाम से एक ऑनलाइन व्यापार मंच (ई-कॉमर्स प्लेटफार्म) और उससे जुड़ा एक सोशल मीडिया अकाउंट बनाया था। वह भुगतान प्राप्त करने के लिए "फिन्स्कूल एजुकेशन" नाम के एक बैंक खाते का उपयोग कर रहा था। आरोपी ने कथित तौर पर दरियागंज से नकली किताबें मंगवाईं और वह उन्हें कूरियर के जरिए पूरे भारत में पहुंचाता था। पूछताछ के दौरान, कीरो ने इस बड़ी आपूर्ति श्रृंखला का खुलासा किया। पांडव नगर के गणेश नगर इलाके में एक अन्य छापेमारी के दौरान, कुल 686 पायरेसी वाली किताबें बरामद की गईं। ये किताबें 18 अलग-अलग शीर्षकों की थीं। छापेमारी के बाद, इन सभी किताबों को ज़ब्त कर लिया गया और उन्हें पुलिस मालखाना में जमा करा दिया गया है। पुलिस ने इस नेटवर्क से जुड़े चार लोगों को नोटिस जारी किया हैं, जिसमें सुनील कुमार गुप्ता,ललन गुप्ता, नवेद और कामरान (37) शामिल है। उक्त व्यक्तियों पर लगे आरोपों के अनुसार, सुनील कुमार गुप्ता के परिसर से पुलिस ने 686 किताबें जब्त की हैं। ललन गुप्ता पर इन नकली किताबों की बिक्री से संबंधित भुगतान प्राप्त करने का गंभीर आरोप है। वहीं, इस पूरे नेटवर्क में, नवेद को नकली सामग्री का मुख्य आपूर्तिकर्ता होने के संदेह के घेरे में रखा गया है। इस नेटवर्क में कामरान (37) भी शामिल है, जो हौज काजी इलाके में एक मुद्रणालय चलाता है। पुलिस ने कामरान के परिसर से एक मुद्रणालय भी जब्त किया है, जिसका इस्तेमाल नकली किताबें छापने के लिए किया जा रहा था।

संक्षिप्त खबरें

शादीपुर फ्लाईओवर पर लूट करने वाला आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली। शादीपुर फ्लाईओवर पर पांच लाख रुपये और लैपटॉप लूटने वाले आरोपित को रंजीत नगर थाना पुलिस की टीम ने गिरफ्तार किया है। उसके पास से लूटा गया बैग और लैपटॉप और वारदात में इस्तेमाल स्कूटी भी जब्त की गई है। हालांकि, वारदात में शामिल उसके तीन अन्य दोस्त अभी फरार हैं, जिनकी तलाश जारी है। आरोपित को स्कूटी नंबर की मदद से पुलिस पकड़ने में सफल रही। उपायुक्त के अनुसार, 15 नवंबर को रंजीत नगर पुलिस को लूटपाट की पीसीआर कॉल मिली थी। सूचना के तुरंत बाद पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे। वहां पर शिकायतकर्ता ने बताया कि जब वह अपनी कार से शादीपुर फ्लाईओवर से गुजर रहे थे। तभी दो स्कूटी से चार युवक आए और उनकी कार को रुकवाया। फिर पांच लाख रुपये और लैपटॉप लूटकर फरार हो गए। उनके बयान पर लूटपाट का मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। टीम ने घटनास्थल से लेकर आसपास के क्षेत्रों तक कई सीसीटीवी फुटेज खंगाले। इसमें दो स्कूटी पार चार संदिग्ध कैद हुए। सीसीटीवी फुटेज को लगातार फॉलो करते हुए टीम इंदर पुरी पहुंची, जहां एक स्कूटी बरामद हुई। स्कूटी की रजिस्टर्ड आनर, आरोपित आकाश की पत्नी पाई गई, जो जे.जे. कालोनी, इंदरपुरी की रहने वाली है। उसके बाद 17 नवंबर को आकाश को गिरफ्तार कर लिया गया।

दिल्ली के 3 स्कूलों को धमाका कर उड़ाने की धमकी मिली

नई दिल्ली। राजधानी में स्कूलों व अदालतों को बम से उड़ाने की धमकी देने का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। ताजा मामले में बृहस्पतिवार सुबह अति सुरक्षित नई दिल्ली जिला के तीन नामी प्राइवेट स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी दी गई। धमकी ईमेल के जरये दी गई। चाणक्यपुरी स्थित संस्कृति पब्लिक स्कूल, ब्रिटिश पब्लिक स्कूल के अलावा बाराखंभा स्थित मॉडर्न पब्लिक स्कूल के प्रिंसिपल को ईमेल कर बताया गया था कि उनके स्कूलों में क्लासरूम में बम रखा हुआ है, जो कभी भी फट सकता है। सूचना मिलते ही तुरंत इसकी सूचना स्थानीय थाना पुलिस,अग्निशमन विभाग, बम स्क्वाड, डॉग स्क्वाड, कैट एम्बुलेंस को दे दी गई। कुछ देर में स्थानीय थाना पुलिस के अलावा सभी विभागों की टीमें स्कूलों में पहुंच गई। स्कूलों को खाली करवा कर चप्पे चप्पे की तलाशी ली गई, लेकिन बम जैसा कुछ नहीं मिला, जिसके बाद फर्जी मेल करार दे दिया गया। डीसीपी का कहना है कि जीमेल के बारे में पता लगाया जा रहा है। इसकी जांच में साइबर सेल थाना पुलिस को भी लगाया गया है। ज्ञात रहे बीते 18 नवंबर को भी राजधानी के चार जिला अदालतों और दो स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी दी गई। साकेत, द्वारका, पटियाला हाउस और रोहिणी कोर्ट के अलावा दो सीआरपीएफ स्कूलों को जैश-ए-मोहम्मद के नाम से मेल भेजकर बम से उड़ाने की धमकी दी गई। बीते मंगलवार सुबह करीब दस बजे ईमेल से अदालतों के आधिकारिक मेल आईडी पर मेल भेजा गया।

कंपनी के कैशियर से लूट के आरोपी दो बदमाश गिरफ्तार

नई दिल्ली। वेलकम थाना इलाके में दिनदहाड़े लूट की कोशिश करने वाले दो बदमाशों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। बदमाशों ने एक कंपनी के कैशियर से 4.47 लाख रुपये लूटे थे। राहगीरों ने बदमाशों से वापस बैग छिन लिया था। बदमाशों की पहचान शिवम और आशुतोष कश्यप के रूप में हुई है। इनके पास से वारदात में इस्तेमाल बाइक भी पुलिस ने बरामद कर ली है। जिला पुलिस उपायुक्त ने बताया कि मंगलवार को पुलिस को सूचना मिली थी कि बाबरपु सौ फुटा रोड पर एक कैंपनी के कैशियर से दो बदमाशों ने 4.47 लाख रुपये लूटे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। मौके पर शिकायतकर्ता हिमांशु मिला। उसने पुलिस को बताया कि वह नकदी बैंक में जमा कराने जा रहा था। इसी दौरान बाइक पर दो बदमाशों ने उससे नकदी से भरा बैग लूट लिया। पीड़ित ने शोर मचाया तो मौके पर राहगीर जमा हो गए। उन्होंने हिम्मत दिखाते हुए बदमाशों से बैग छिन लिया। बदमाश अपनी बाइक को मौके पर ही छोड़कर मौके से भाग गए। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर केस दर्ज किया। बाइक को कब्जे में लिया।

'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' थीम पर सजा रेलवे का पवेलियन, मॉडल्स और थ्री डी बना लोगों के आकर्षण का केंद्र

प्रगति मैदान में चल रहे 44वे अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले में भारतीय रेलवे बना सबसे बड़ा आकर्षण का केंद्र

नई दिल्ली। दिल्ली के प्रगति मैदान में चल रहे 44वे अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले में इस बार भारतीय रेलवे सबसे बड़ा आकर्षण बना हुआ है। हॉल नंबर 4 और 5 में लगे रेलवे के इस पवेलियन में लोग सुबह से शाम तक बड़ी संख्या में पहुंच रहे हैं। पूरे पवेलियन को 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' थीम पर तैयार किया गया है, जहां रेलवे ने अपने नए प्रोजेक्ट, हाई स्पीड ट्रेनों और आने वाले समय की योजनाओं को बहुत ही आसान और दिलचस्प तरीके से दिखाया है।

यहां वंदे भारत, अमृत भारत, नमो भारत को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने त्रिवेणी का नाम दिया है। इसी रुप में हाइड्रोजन ट्रेन और वंदे भारत स्लीपर ट्रेन के मॉडल लोगों को सबसे ज्यादा पसंद आ रहे हैं। युवा इन मॉडलों के साथ तस्वीरें लेते नजर आ रहे हैं। रेलवे की पुरानी पत्रिकाएं भी यहां रखी गई हैं, जो 1960 से छप रही हैं। साथ ही पीआर जोन में एक खास अनुभव केंद्र भी बनाया गया है, जहां लोग थ्री डी टेक्नोलॉजी की मदद से ऐसा महसूस करते हैं जैसे वे कश्मीर में बर्फ के बीच रेल यात्रा कर रहे हों।

इस पवेलियन की सबसे खास बात देश के अलग अलग हिस्सों में बन रहे बड़े रेल प्रोजेक्टों के मॉडल हैं। दुनिया के सबसे ऊंचे चेनाब ब्रिज का मॉडल हर किसी का ध्यान खींच रहा है। 359 मीटर ऊंचा यह पुल एफिल टावर से भी 35 मीटर ज्यादा ऊंचा है, जो भारतीय इंजीनियरिंग की ताकत दिखाता है। इसी तरह पूर्वोत्तर में बन रहे बैराबी साएरंग प्रोजेक्ट और मिजोरम में तैयार हो रहा सबसे ऊंचा पिलर वाला ब्रिज भी लोगों को खूब पसंद आ रहा है। दक्षिण भारत के मशहूर पंबन ब्रिज का मॉडल भी यहां रखा गया है, जो समुद्र के ऊपर चलने वाली ट्रेन की अद्भुत तकनीक को दिखाता है।

मध्य प्रदेश में बन रहे कटनी ग्रेड सेपरेटर का मॉडल भी प्रदर्शनी में रखा गया है। यह 33.40 किलोमीटर लंबी परियोजना है, जिसमें पैसेंजर और मालगाड़ियों को अलग अलग रास्ता दिया जा रहा है ताकि कंजेशन कम हो और ट्रेनें तेजी से चल सकें। इसका कुछ हिस्सा पूरा हो चुका है और बाकी काम चल रहा है। रेलवे के इंजीनियरों ने इसका मॉडल बनाकर दिखाया है कि यह सिस्टम कैसे ट्रेनों को बिना रुकावट आगे बढ़ने में मदद करेगा।

स्टॉल पर मुंबई अहमदाबाद बुलेट ट्रेन की जानकारी भी प्रदर्शित की गई है। यह हाई स्पीड कॉरिडोर 508 किलोमीटर लंबा है, जिसमें ज्यादातर हिस्सा गुजरात और महाराष्ट्र से होकर गुजरेगा। ट्रेन की स्पीड 320 किलोमीटर प्रति घंटा होगी। कम स्टॉप के साथ यात्रा सिर्फ 2 घंटे 7 मिनट में पूरी होगी। पूरे रूट पर 12 स्टेशन, 28 पुल और 21 किलोमीटर लंबी सुरंगें बनाई जा रही हैं, जिनमें 7 किलोमीटर की समुद्र तल के नीचे वाली सुरंग भी शामिल है।

रेलवे के पवेलियन में इंटरएक्टिव क्विज, डिजिटल सेल्फी प्वाइंट और चेनाब ब्रिज का थ्री डी अनुभव भी लोगों को खूब भा रहा है। रेलवे अधिकारियों का कहना है कि इस प्रदर्शनी का मकसद लोगों को यह समझाना है कि भारत की रेल किस तेजी से बदल रही है और आने वाले सालों में यात्रियों को कितनी उन्नत और तेज सेवाएं मिलने वाली हैं।

भारतीय रेलवे का यह पवेलियन मेले में पहुंचने वाले लोगों को तकनीक, विकास और देश की इंजीनियरिंग क्षमता की एक शानदार झलक दिखा रहा है।

'फांसी घर' मामला : विशेषाधिकार समिति की बैठक में फिर नहीं उपस्थित हुए केजरीवाल, सिसोदिया, गोयल और बिरला

नई दिल्ली। 'फांसी घर' मामले में दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष राम निवास गोयल और पूर्व विधायक राखी बिरला विशेषाधिकार समिति के समक्ष अपना पक्ष रखने के लिए गुरुवार की बैठक में फिर उपस्थित नहीं हुए। इससे पहले भी इन्हें समिति द्वारा दो अवसर प्रदान किए गए थे, लेकिन इसके बावजूद भी वह उपस्थित नहीं हुए। दोनों निर्धारित बैठकों में उनकी लगातार अनुपस्थिति को देखते हुए समिति ने अब विचाराधीन मामले में आगे की कार्रवाई तय करने का निर्णय लिया है। यह जानकारी विशेषाधिकार समिति के अध्यक्ष प्रद्युम्न सिंह राजपूत ने गुरुवार को दी।

दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने सदन में 9 अगस्त 2022 को दिल्ली विधान सभा परिसर में उद्घाटित 'फांसी घर' की प्रामाणिकता से संबंधित विषय को उठाया था। इसके उपरांत मामले की विस्तृत जांच के लिए इसे विशेषाधिकार समिति को निर्देशित किया गया था। अपनी चल रही जांच के क्रम में समिति की आज की बैठक विशेष रूप से 'फांसी घर' की प्रामाणिकता से जुड़े तथ्यों और परिस्थितियों पर विचार-विमर्श हेतु निर्धारित की गई थी। विशेषाधिकार समिति की बैठक उद्घाटन से संबंधित परिस्थितियों की व्यापक एवं निष्पक्ष पड़ताल के लिए आवश्यक तथ्यात्मक तथा प्रक्रियात्मक मूल्यांकन को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से आयोजित की गई थी।

विशेषाधिकार समिति में अध्यक्ष प्रद्युम्न सिंह राजपूत, सदस्य सूर्य प्रकाश खत्री, अभय कुमार वर्मा, अजय कुमार महावर, सतीश उपाध्याय, नीरज बसोया, रवि कांत, राम सिंह नेताजी एवं सुरेंद्र कुमार शामिल हैं। समिति ने पारदर्शिता, जवाबदेही और संस्थागत अखंडता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया।

सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली के वकील विक्रम सिंह के खिलाफ दर्ज मामले की जांच पर रोक लगाई

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय के चीफ जस्टिस बीआर गवई की अध्यक्षता वाली पीठ ने दिल्ली के वकील विक्रम सिंह के खिलाफ दर्ज मामले की जांच पर रोक लगा दी है। इसके पहले उच्चतम न्यायालय ने वकील विक्रम सिंह को जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया था। इसके बाद उन्हें 13 नवंबर को रात 8.30 बजे ही रिहा किया गया था। अधिवक्ता विक्रम सिंह जुलाई, 2019 से दिल्ली बार काउंसिल में रजिस्टर्ड हुए थे। उन्हें 31 अक्टूबर को हरियाणा एसटीएफ ने बिना किसी लिखित आधार या स्वतंत्र गवाह के गिरफ्तार किया। उन्हें फरीदाबाद जेल में रखा गया था। कोर्ट में उनके वकील विकास सिंह ने कहा था कि एक वकील को उसके पेशेवर काम करने के लिए फंसाया गया है। उनकी गिरफ्तारी के खिलाफ दिल्ली की निचली अदालतों के बार एसोसिएशंस की कोआर्डिनेशन कमेटी 6 नवंबर को हड़ताल का आह्वान किया था। कमेटी ने भी कहा था कि विक्रम सिंह को एक झूठे मामले में फंसाया गया है। याचिका में कहा गया था कि फरीदाबाद की एक ट्रायल कोर्ट ने 1 नवंबर को उन्हें एक मैकेनिकल और बिना किसी बयान के आदेश से 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया, जिसमें उन्हें कथित अपराधों से जोड़ने वाला कोई तर्क या मटीरियल नहीं था। याचिका में हरियाणा और दिल्ली सरकारों के अलावा बार काउंसिल ऑफ इंडिया को पक्षकार बनाया गया। याचिका में विक्रम सिंह के खिलाफ एसटीएफ की कथित अवैध कार्रवाईयों की न्यायिक जांच की मांग की गई। याचिका में कहा गया था कि बार की स्वतंत्रता का सम्मान करने की बजाय जांच एजेंसी ने याचिकाकर्ता के अपने मुवक्किलों के साथ पेशेवर जुड़ाव को आपराधिक बनाने की कोशिश की गई है। इससे कानून के शासन और वकील और मुवक्किल संबंधों की पवित्रता को ठेस पहुंच रही है।

दिल्ली पुलिस ने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के हमलावर के खिलाफ दाखिल की चार्जशीट

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर हमला करने के आरोपित राजेश खिमजी के खिलाफ दिल्ली पुलिस ने तीस हजारी सेशंस कोर्ट में चार्जशीट दाखिल कर दी है। चार्जशीट में कहा गया है कि राजेश खिमजी ने सपने में देखा कि एक शिवलिंग के बगल में बैठे कुत्ते ने उससे कहा कि दिल्ली के कुत्ते कष्ट में हैं। तीस हजारी कोर्ट का सेशंस कोर्ट इस मामले में 22 नवंबर को आरोप तय करने पर सुनवाई करने वाला है। एडिशनल सेशंस जज एकता गौबा मान सुनवाई करेंगी। दिल्ली पुलिस की चार्जशीट में कहा गया है कि राजेश खिमजी ने फेसबुक पर कई वीडियो देखे, जिसमें कुत्तों की समस्याओं के लिए मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को जिम्मेदार ठहराते हुए लोग प्रदर्शन कर रहे थे। चार्जशीट में इस बात का खुलासा हुआ है कि राजेश खिमजी ने मई में अयोध्या में बंदरों के सवाल पर भूख हड़ताल की थी।

इस मामले में दिल्ली पुलिस ने 18 अक्टूबर को 400 पेज की चार्जशीट दाखिल की थी। दिल्ली पुलिस ने राजेश खिमजी और तहसीन सैयद के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत हत्या की कोशिश, लोकसेवक के काम में बाधा डालने और आपराधिक साजिश रचने का आरोप लगाया गया है। दिल्ली पुलिस की चार्जशीट के मुताबिक राजेश खिमजी आवारा कुत्तों को लेकर उच्चतम न्यायालय के फैसले को लेकर दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के रुख से नाराज था। उच्चतम न्यायालय ने 11 अगस्त को अपने फैसले में कहा था कि आवारा कुत्तों को शेल्टर होम में शिफ्ट किया जाए। इस फैसले का मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने पुरजोर समर्थन किया था। दिल्ली पुलिस के मुताबिक इससे नाराज राजेश खिमजी ने मुख्यमंत्री पर 20 अगस्त को उस समय हमला किया, जब वो जन सुनवाई कर रही थी।

डीयू में हुआ भारतीय ज्ञान प्रणाली पर आधारित 'भारत बौद्धिक्स' पुस्तक श्रृंखला का विमोचन

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय एवं विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान द्वारा भारतीय ज्ञान प्रणाली पर आधारित "भारत बौद्धिक्स" पुस्तक श्रृंखला का विमोचन गुरुवार को डीयू के वाइस रीगल लॉज में हुआ। इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सरकार्यवाह डॉ. कृष्ण गोपाल मुख्य अतिथि रहे और उनके साथ विशिष्ट अतिथि के तौर पर दिल्ली सरकार के शिक्षा मंत्री आशीष सूद उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता डीयू कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने की। इस कार्यक्रम में भारतीय ज्ञान परंपरा पर आधारित 21 पुस्तकों का हिन्दी और अंग्रेजी में विमोचन किया गया। डीयू के कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कहा कि भारत हजारों साल विश्व की आर्थिक राजधानी रहा है। उसे समझने के लिए भारतीय ज्ञान परंपरा पर आधारित ऐसी पुस्तकों का पढ़ा जाना जरूरी है। कुलपति ने कहा कि हजारों साल पुरानी भारतीय सभ्यता का आधार ज्ञान रहा है। एनईपी 2020 का आग्रह है कि भारतीय ज्ञान परंपरा का शिक्षा में समावेश हो। इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ. कृष्ण गोपाल ने अपने संबोधन में कहा कि दुनिया को पहला गणराज्य देने वाले हम थे।

दुनिया को अंक देने वाले हम थे। उन्होंने कहा कि भारतीय सभ्यता 8 हजार वर्ष से भी अधिक पुरानी है। पूरे यूरोप को सिविलाइजेशन ग्रीक से मिला और ग्रीक को भारत से मिला। उन्होंने दिल्ली में लौह स्तंभ का उदाहरण देते हुए कहा कि हजारों डिग्री तापमान पर धातु को पिघलाकर इस स्तम्भ का निर्माण किया गया था। यानि उस समय में कोई तो इतनी बड़ी फर्नेस भारत में रही होगी। उन्होंने कहा कि दुनिया में पहली डेंटल सर्जरी भारत में 7 हजार साल पहले हुई। डॉ. कृष्ण गोपाल ने बताया कि विद्या भारती वर्तमान में 13 हजार से अधिक विद्यालय चला रही है जिनमें 34 लाख बच्चे पढ़ रहे हैं। इन विद्यालयों से पढ़कर 40 लाख बच्चे सामाजिक जीवन में आ गए हैं। दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने कहा कि भारतीय शिक्षा नीति कहती है कि हम केवल ग्लोबल नॉलेज के कंज़्यूमर ना रहें बल्कि प्रोड्यूसर बनें।

शिक्षा मंत्री ने डीयू में हो रहे शोध कार्य के लिए भी डीयू को बधाई दी। इस अवसर पर विशेष अतिथि पूर्व अध्यक्ष जीबी आईकेएस प्रो. अनिल डी. सहस्त्रबुद्धे, विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रो. कैलाश चन्द्र शर्मा, एयूडी के कुलपति प्रो. अनु लाठर, प्रो. शशिकला वंजारी, कुलसचिव डॉ विकास गुप्ता, दिल्ली प्रांत विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान सचिव प्रो. राज किशोर शर्मा सहित अनेकों विश्वविद्यालयों के कुलपति, प्रिंसिपल और अनेकों शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

पीजीडीएवी कॉलेज ने लगातार दूसरी बार जीती दिल्ली विश्वविद्यालय इंटर कॉलेज फुटबॉल चैंपियनशिप

नई दिल्ली। दिल्ली के पीजीडीएवी कॉलेज ने दिल्ली विश्वविद्यालय इंटर कॉलेज फुटबॉल चैंपियनशिप 2025-26 का खिताब अपने नाम कर लिया है। प्रतियोगिता के फाइनल में पीजीडीएवी कॉलेज ने श्री वेंकटेश्वर कॉलेज को 1-0 से हराकर लगातार दूसरी बार ट्रॉफी पर कब्जा जमाया। मैच का विजय गोल टीम के कप्तान विकास वर्मा ने किया। अनमोल, रुद्रांश, निशांत शाह और कार्की टीम के कुछ ऐसे खिलाड़ी रहे, जिन्होंने पीजीडीएवी कॉलेज को चैंपियनशिप का ताज बरकरार रखने में मदद की। कॉलेज के प्राचार्य प्रो. दरविंदर कुमार ने छात्रों और शारीरिक शिक्षा विभाग को इस सफलता के लिए बधाई और अपनी शुभकामनाएं दी। प्रतियोगिता में आईजीआईपीईएसएस टीम को तीसरा और सेंट स्टीफन कॉलेज टीम को चौथा स्थान मिला। लीग मैचों में पीजीडीएवी कॉलेज ने डॉ. भीम राव अंबेडकर कॉलेज को 3-1 से हराया, जिसमें रुद्रांश ने हैट्रिक बनाई। फिर हंसराज कॉलेज को 3-0 से हराया, जिसमें अनमोल, निशांत और विकास ने एक-एक गोल किए। सेमीफाइनल मैच में पीजीडीएवी कॉलेज ने सेंट स्टीफन कॉलेज के खिलाफ 5-0 से जीत हासिल की। इस मैच में अनमोल, निधिश और विकास ने गोल किए।

संपादकीय
आदित्य वशिष्ठ

हिड़मा के बाद नक्सलवाद

माओवादी नक्सली कमांडर माड़वी हिड़मा (44 वर्षीय) मार दिया गया। उस पर 1 करोड़ रुपए का इनाम घोषित था। आंध्रप्रदेश के एलूरी सीताराम राजू जिले में सुरक्षा बलों ने जो घेराबंदी कर मुठभेड़ की, तो नक्सलियों के शवों में हिड़मा, उसकी पत्नी राजक्का उर्फ राजे और चार अंगरक्षकों के शव भी पाए गए। हिड़मा कितना खूंखार और हत्यारा नक्सली था, इसी से स्पष्ट होता है कि वह 263 जवानों की जिंदगी छीनने का गुनहगार था। उसने 150 से अधिक नक्सली हमलों की रणनीति तय की थी, लेकिन 26 बड़े और खौफनाक हमलों का 'मास्टरमाइंड' वही था। 2010 का वह दिन याद आते ही कंपकंपी छूटने लगती है और मन गुस्से, आक्रोश से भर उठता है, जब हिड़मा की रणनीति के आधार पर, बारूदी सुरंग बिछा कर, दंतेवाड़ा में एक साथ सीआरपीएफ के 76 जवानों को 'शहीद' कर दिया गया था। ऐसा हमला फिर दोबारा नहीं किया जा सका, लेकिन 2017 और 2021 में नक्सली सीआरपीएफ पर दो हमले करने में कामयाब जरूर रहे। उन हमलों में क्रमशः 24 और 23 जवान मारे गए थे। उसके बाद सीआरपीएफ ने अपनी रणनीति में आमूल परिवर्तन किया। हिड़मा छत्तीसगढ़ के 32 कांग्रेस नेताओं का भी हत्यारा था। उस हमले में पूर्व केंद्रीय मंत्री विद्याचरण शुक्ला और महेन्द्र करमा सरीखे वरिष्ठ कांग्रेसी भी मारे गए। कांग्रेस का राज्य स्तरीय नेतृत्व ही शून्य हो गया था। बहरहाल ऐसे भी संकेत सामने आए हैं कि हिड़मा उस मुठभेड़ में मारे जाने से पहले आत्मसमर्पण की सोच रहा था। उसने एक स्थानीय पत्रकार से संपर्क किया था और उसे बताया था कि वह जंगलों से बाहर आने पर विचार कर रहा है, लेकिन हथियार डालने से पहले वह सरकार के साथ अपने कुछ मुद्दों और चिंताओं पर बात करना चाहता था, लिहाजा उसने पत्रकार को मध्यस्थ बनाया था, लेकिन वह संवाद संभव न हो सका और अंततः हिड़मा को ढेर होना पड़ा। दरअसल यह बड़ा मुद्दा नहीं है कि हिड़मा सरीखे नक्सली मारे जा रहे हैं और हिड़मा के बाद माओवादी सशस्त्र संघर्ष और विद्रोह बहुत कमजोर हो जाएगा, अंततः वे 31 मार्च, 2026 से पहले ही समाप्त हो सकते हैं। दो बिन्दु गौरतलब हैं। एक, इस साल सुरक्षा बलों के लगातार ऑपरेशन और आक्रामक दबाव के कारण 1225 नक्सलियों को आत्मसमर्पण करना पड़ा है। ऑपरेशन और मुठभेड़ों में 270 से अधिक नक्सली मार दिए गए हैं और 680 से अधिक गिरफ्तार किए जा चुके हैं। दरअसल माओवादी नक्सलियों में नेतृत्व और रणनीति को लेकर विभाजन गहराता जा रहा है। नक्सलवाद के वैचारिक प्रमुख एवं मुख्य प्रवक्ता एम. वेणुगोपाल राव ने नक्सलियों के नाम दो पत्र जारी किए थे। सारांश यह था कि अब सशस्त्र संघर्ष पर विराम लगा देना चाहिए।

क्या भारत को चाहिए व्यापक 'प्रदूषण कर'

भारत में कोयले पर लगाया गया "स्वच्छ ऊर्जा उपकर" इसका एक प्रारंभिक स्वरूप था, परंतु आज देश में वायु, जल, ध्वनि, ठोस कचरा और औद्योगिक उत्सर्जन का ऐसा मिश्रित संकट है कि केवल किसी एक क्षेत्र पर कर लगाना पर्याप्त नहीं। आवश्यकता एक सर्वसमावेशी और वैज्ञानिक पद्धति से तैयार प्रदूषण कर की है, जो प्रदूषण को कम करने और स्वच्छ विकल्पों को बढ़ावा देने में सहायक हो। प्रदूषण कर का सबसे बड़ा लाभ यह है कि यह प्रदूषण को महँगा बनाता है और स्वच्छता को सस्ता। जब किसी उद्योग को प्रति इकाई उत्सर्जन पर कर देना पड़ेगा, तो वह स्वाभाविक रूप से ऐसी तकनीक अपनाने की ओर अग्रसर होगा जो कम प्रदूषण करे। यूरोप जैसे क्षेत्रों में यह प्रवृत्ति स्पष्ट दिखाई देती है जहाँ कार्बन-आधारित दंड के बाद ऊर्जा-संरक्षण और हरित तकनीक का उपयोग अत्यधिक बढ़ा। भारत में भी यह परिवर्तन संभव है, बशर्ते नीति दीर्घकालिक, पारदर्शी और लक्ष्य-उन्मुख हो। दूसरा महत्वपूर्ण पहलू यह है कि भारत को आने वाले वर्षों में पर्यावरण-रक्षा और स्वच्छ ऊर्जा पर बड़े पैमाने पर निवेश की आवश्यकता होगी।

- डॉ. सत्यवान सौरभ

भारत आज उस मोड़ पर खड़ा है जहाँ तेज आर्थिक विकास और बिगड़ते पर्यावरण के संकट के बीच संतुलन बनाना अत्यंत कठिन चुनौती बन गया है। शहरों की हवा दिन-प्रतिदिन जहरीली होती जा रही है, नदियाँ औद्योगिक कचरे से भर रही हैं, भूमिगत जल स्तर घट रहा है, ठोस कचरे के पहाड़ महानगरों की पहचान बनते जा रहे हैं, वहीं जलवायु परिवर्तन का प्रभाव कृषि, स्वास्थ्य और अर्थव्यवस्था पर प्रत्यक्ष दिखाई दे रहा है। ऐसी स्थिति में यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि क्या अब भारत को प्रदूषण फैलाने वालों पर प्रत्यक्ष आर्थिक दंड लगाने अर्थात विस्तृत "प्रदूषण कर" लागू करने की आवश्यकता है?

प्रदूषण कर का विचार नया नहीं परन्तु इसकी आवश्यकता आज पहले से कहीं अधिक है। अर्थशास्त्र में यह माना जाता है कि जब कोई उद्योग, वाहन या गतिविधि प्रदूषण फैलाती है तो उसका दुष्परिणाम पूरे समाज को भुगतना पड़ता है, न कि केवल उसे जो प्रदूषण फैला रहा है। यह बाज़ार व्यवस्था की वह गंभीर विफलता है जिसे "बाह्य लागत" कहा जाता है- अर्थात नुकसान तो समाज को होता है, पर उसका मूल्य न तो वस्तु की कीमत में जुड़ता है, न ही प्रदूषण फैलाने वाला उसे भरता है। ऐसे में "प्रदूषण कर" इसी असंतुलन को सुधारने का प्रयास करता है, जहाँ जो जितना अधिक प्रदूषण फैलाए, वह उतनी अधिक आर्थिक कीमत चुकाए।

भारत में कोयले पर लगाया गया "स्वच्छ ऊर्जा उपकर" इसका एक प्रारंभिक स्वरूप था, परंतु आज देश में वायु, जल, ध्वनि, ठोस कचरा और औद्योगिक उत्सर्जन का ऐसा मिश्रित संकट है कि केवल किसी एक क्षेत्र पर कर लगाना पर्याप्त नहीं। आवश्यकता एक सर्वसमावेशी और वैज्ञानिक पद्धति से तैयार प्रदूषण कर की है, जो प्रदूषण को कम करने

और स्वच्छ विकल्पों को बढ़ावा देने में सहायक हो। प्रदूषण कर का सबसे बड़ा लाभ यह है कि यह प्रदूषण को महँगा बनाता है और स्वच्छता को सस्ता। जब किसी उद्योग को प्रति इकाई उत्सर्जन पर कर देना पड़ेगा, तो वह स्वाभाविक रूप से ऐसी तकनीक अपनाने की ओर अग्रसर होगा जो कम प्रदूषण करे। यूरोप जैसे क्षेत्रों में यह प्रवृत्ति स्पष्ट दिखाई देती है जहाँ कार्बन-आधारित दंड के बाद ऊर्जा-संरक्षण और हरित तकनीक का उपयोग अत्यधिक बढ़ा। भारत में भी यह परिवर्तन संभव है, बशर्ते नीति दीर्घकालिक, पारदर्शी और लक्ष्य-उन्मुख हो।

दूसरा महत्वपूर्ण पहलू यह है कि भारत को आने वाले वर्षों में पर्यावरण-रक्षा और स्वच्छ ऊर्जा पर बड़े पैमाने पर निवेश की आवश्यकता होगी। नदियों की सफाई, स्वच्छ परिवहन व्यवस्था, नवीकरणीय ऊर्जा, प्रदूषण नियंत्रण उपकरण, ठोस कचरे के वैज्ञानिक प्रबंधन तथा हरित भवनों के विकास पर अत्यधिक वित्तीय संसाधनों की आवश्यकता होगी। ऐसे में प्रदूषण कर एक स्थायी और अनुमानित राजस्व स्रोत बन सकता है, जिसे एक स्वतंत्र "हरित निधि" के माध्यम से केवल पर्यावरण संरक्षण पर व्यय किया जा सकता है।

वैश्विक स्तर पर भी प्रदूषण कर का महत्व बढ़ रहा है। कई विकसित देश अब उन आयातित वस्तुओं पर अतिरिक्त शुल्क लगा रहे हैं जो अधिक प्रदूषणकारी स्रोतों से बनती हैं। यदि भारत घरेलू स्तर पर प्रदूषण पर उचित कर लागू करता है, तो भारतीय निर्यातकों को विदेशी बाजारों में अतिरिक्त शुल्क से राहत मिल सकती है। इस प्रकार प्रदूषण कर केवल पर्यावरण-हित में नहीं, बल्कि भारत की निर्यात प्रतिस्पर्धा की रक्षा में भी सहायक सिद्ध हो सकता है।

इन सबके बीच सबसे बड़ा प्रश्न यह उठता है कि क्या प्रदूषण कर गरीबों पर भारी पड़ सकता है? यह चिंता बिल्कुल वास्तविक है। यदि ईंधन और बिजली की लागत बढ़ेगी, तो उसके साथ ही परिवहन, खाद्य पदार्थ और आवश्यक वस्तुओं की कीमतें भी बढ़ सकती हैं। इसका सीधा प्रभाव निम्न-आय वर्ग पर पड़ता है, जिनके पास विकल्प सीमित होते हैं। इसलिए प्रदूषण कर को न्यायपूर्ण बनाने के लिए यह अनिवार्य होगा कि निम्न-आय वाले परिवारों को प्रत्यक्ष नकद सहायता, ऊर्जा सब्सिडी और रसोई गैस जैसी आवश्यकताओं पर राहत दी जाए।

उद्योग जगत की चिंताएँ भी कम नहीं। विशेषकर सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग ऊर्जा-प्रधान होते हैं और किसी भी अतिरिक्त कर का प्रभाव उनकी लागत पर पड़ता है। अतः प्रदूषण कर को चरणबद्ध ढंग से लागू करना होगा- पहले बड़े उद्योगों पर, फिर धीरे-धीरे छोटे उद्योगों को तकनीकी और वित्तीय सहायता के साथ इस दायरे में लाना होगा। हरित मशीनरी पर अनुदान, ब्याज रहित ऋण, और तकनीकी उन्नयन के लिए मार्गदर्शन इस परिवर्तन को सुगम बना सकते हैं।

भारत की प्रशासनिक क्षमता भी महत्वपूर्ण कारक है। प्रदूषण का सटीक मापन, डेटा की विश्वसनीयता और निगरानी तंत्र की पारदर्शिता अत्यंत आवश्यक होगी। छोटे उद्योगों और गैर-प्रमाणित स्रोतों की निगरानी आज भी चुनौतीपूर्ण है। यदि उत्सर्जन मापन ही विश्वसनीय न हो तो कर प्रणाली पर विश्वास नहीं किया जा सकता। इसलिए भारत को आधुनिक सेंसर-तकनीक, कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित निगरानी, डिजिटल उत्सर्जन-पंजीकरण तथा रियल-टाइम निगरानी प्रणाली को मजबूत करना होगा।

इसके अतिरिक्त, प्रदूषण कर की सफलता इस बात पर भी निर्भर करेगी कि सरकार इसके राजस्व का उपयोग कहाँ करती है। यदि यह धन सामान्य बजट में विलीन हो गया, तो जनता में अविश्वास बढ़ेगा और नीति का उद्देश्य कमजोर पड़ेगा। इसके लिए एक स्वतंत्र "हरित कोष" का गठन आवश्यक है, जो केवल प्रदूषण नियंत्रण, स्वच्छ ऊर्जा, हरित परिवहन और पर्यावरण संरक्षण के कार्यों पर व्यय हो तथा जिसकी वार्षिक लेखा-परीक्षा सार्वजनिक रूप से उपलब्ध हो।

राजनीतिक दृष्टि से यह साहसिक कदम होगा। किसी भी प्रकार की मूल्य-वृद्धि जनता के बीच असंतोष उत्पन्न कर सकती है। परंतु यह भी सत्य है कि पर्यावरणीय संकट अब इतना गंभीर हो चुका है कि उससे निपटने के लिए कठोर, दीर्घकालिक और दूरदर्शी आर्थिक सुधार आवश्यक हैं। भारत की युवा पीढ़ी सुरक्षित जल, स्वच्छ वायु और स्वस्थ जीवन की मांग कर रही है। इस मांग को नज़रअंदाज करना अब संभव नहीं।

अंततः यह कहा जा सकता है कि प्रदूषण कर भारत के लिए केवल राजस्व-संग्रह का साधन नहीं बल्कि एक व्यापक हरित परिवर्तन की दिशा में आवश्यक कदम है। इसे न्यायपूर्ण, पारदर्शी, चरणबद्ध और वैज्ञानिक आधार पर लागू करने से भारत न केवल प्रदूषण कम कर पाएगा, बल्कि अपने विकास मॉडल को भी टिकाऊ, स्वस्थ और पर्यावरण-सम्मत बना सकेगा। यदि इसे सही नीतिगत ढंग से लागू किया गया, तो यह भारत के इतिहास में वह मोड़ साबित हो सकता है जहाँ देश ने आर्थिक विकास और पर्यावरणीय संरक्षण को एक-दूसरे का विरोधी नहीं बल्कि सहयोगी सिद्ध होगा।

आतंक की खतरनाक साजिश से निबटने के लिए सतर्कता जरूरी

-मनोज कुमार अग्रवाल-

देश को एक बार फिर देश में ही छिपे गद्दारों के जरिए विदेशी मदद से आतंकवाद की आग में झोंकने की बड़ी साजिश की जा रही है। अमेरिका के राष्ट्रपति पद पर पदस्थ होते ही डोनाल्ड ट्रम्प ने जिस तरह भारत के खिलाफ ट्रेड टेरिफ का हथियार इस्तेमाल किया लेकिन भारत नहीं झुका इसके बाद ट्रंप की सनक बढ़ गई और उन्होंने पाकिस्तान के सेना प्रमुख के साथ रिश्ते बढाकर दबे पांव भारत में अस्थिरता के बीज बोने की नाकाम कोशिश शुरू कर दी। आपको पता है कि 22 अप्रैल, 2025 को पहलगाम में 26 हिन्दू पर्यटकों की हत्या और 10 नवम्बर, 2025 को दिल्ली में लाल किले के निकट आत्मघाती कार बम विस्फोट द्वारा 15 निर्दोष लोगों की हत्या का कनैक्शन जैश-ए-मोहम्मद के साथ निकला है। इस बीच 15 नवम्बर को श्रीनगर के नौगाम पुलिस थाने में एक विस्फोट में 10 लोगों की मौत व 32 अन्य घायल हो गए। इनमें 27 पुलिस कर्मी हैं।

भारत में सफेद कोट माड्यूल बना कर जिस तरह एक समुदाय विशेष के दर्जनों उच्च शिक्षित डॉक्टरों के जरिए आतंक फैलाने की बड़ी साजिश की गई जिस का समय रहते भंडाफोड़ हो गया। इसके पीछे भी विदेशी मदद का हाथ है। हाल ही में अमेरिका के प्रयास से पाकिस्तान और अफगानिस्तान के तालिबान के बीच समझोता करा कर भारत में ने सिरे से कश्मीर को मुद्दा बना कर वहां के शिक्षित लोगों की भावनाओं को भड़का कर भारत में आतंकी वारदातों को अंजाम देने की साजिश रची जा रहीं हैं। तमाम आतंकी घटनाओं के बाद भारतीय सुरक्षा बलों द्वारा आतंकवादियों के विरुद्ध कार्रवाई तेज कर दी गई है जिसके तहत पिछले दिनों में की गई गिरफ्तारियों तथा बरामदगियों से मामले की गंभीरता को समझा जा सकता है।

आपको बता दें 13 नवम्बर को कश्मीर के सोपोर से 2 हाईब्रिड आतंकवादियों शब्बीर अहमद नाजर तथा शब्बीर अहमद मीर को गिरफ्तार करके उनसे एक पिस्तौल, एक मैगजीन, 20 जिंदा राऊंड तथा 2 हथगोले बरामद किए गए। 13 नवम्बर को ही उत्तर प्रदेश के हापुड़ और फिरोजाबाद जिलों में 3 आरोपियों को गिरफ्तार करके उनसे 46 किलो हाईड्रोक्लोरिक एसिड और 2.5 किलोग्राम विस्फोटक बरामद किए गए।

13 नवम्बर को ही पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार करके उससे जिलेटिन की 20, 000 छड़ें बरामद की गईं। अतः क्या आतंकवादी दिल्ली की तरह बंगाल को दहलाने की कोशिश कर रहे थे? 14 नवम्बर को लाल किला विस्फोट में प्रयुक्त कार के आत्मघाती ड्राइवर डा. उमर नबी के पुलवामा जिले में स्थित मकान को सुरक्षा बलों ने आई.ई.डी. से विस्फोट करके उड़ा दिया। 14 नवम्बर को ही अधिकारियों ने नूह से 2 और मैडीकल छात्रों मुस्तकीम तथा मोहम्मद को हिरासत में लिया। 15 नवम्बर को ही दिल्ली बम विस्फोट के सिलसिले में पठानकोट और नूह से 2 डाक्टरों रईस अहमद भट्ट तथा रेहान को हिरासत में लिया गया। 15 नवम्बर को ही अहमदाबाद (गुजरात) में गुजरात आतंकवाद निरोधक दस्ते ने एक आतंकवादी गिरोह के लिए हथियारों की तस्करी करने में शामिल गुरप्रीत सिंह उर्फ गोपी बिल्ला को गिरफ्तार किया 15 नवम्बर को ही फिरोजपुर में भारत-पाक सीमा पर बी.एस.एफ. ने खेतों में 2 ड्रोन व पाकिस्तान से भेजी गई 549 ग्राम हैरोइन का पैकट बरामद किया। 16 नवम्बर को अमृतसर कमिश्नरेट पुलिस ने पाक आधारित हथियार और नार्को नैटवर्क का पर्दाफाश करके 1.01 किलो हैरोइन और 6 आधुनिक पिस्तौलों सहित 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया।

16 नवम्बर को ही सी. आई.ए. ने सफेदपोश आतंकवादी माड्यूल मामले में जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले में एक महिला डाक्टर के घर पर छापेमारी की और वहां से एक मोबाइल जब्त कर अपने साथ ले गई16 नवम्बर को ही राष्ट्रीय जांच ब्यूरो ने लाल किला कार बम विस्फोट के हमलावर डा. उमर उन नबी के साथी आमिर राशिद अली तथा अगले दिन 17 नवम्बर को एक अन्य साजिशकर्त्ता जसीर बिलाल वानी को गिरफ्तार किया। और अब 17 नवम्बर को सुरक्षा एजेंसियों को घटनास्थल पर एक जूता मिला है जिसमें अमोनियम नाईट्रेट तथा जरा सी गर्मी से फटने वाले अत्यंत खतरनाक विस्फोटक टी.ए.टी.पी. के अंश मिले हैं। इसे देखते हुए इस धमाके में जूता बम के इस्तेमाल का भी शक व्यक्त किया जा रहा है। इसे पाकिस्तान का दुर्भाग्य ही कहा जाएगा कि अपने देश की जनता की बदहाली दूर करने के लिए प्रयास करने की बजाय इसके शासक और सेना आतंकवादियों को पाल रही है और उनकी सहायता से भारत में तबाही मचा रही है। हालत यह है कि गरीबी के कारण पाकिस्तान में 2.5 करोड़ बच्चे स्कूलों से बाहर हो गए हैं जबकि 2 लाख बच्चे तो कभी स्कूल गए ही नहीं। इतना ही नहीं, पाकिस्तान की शहबाज शरीफ सरकार द्वारा फील्ड मार्शल असीम मुनीर के दबाव में सुप्रीमकोर्ट की शक्तियों को कम करने वाले विवादास्पद 27वें संविधान संशोधन के विरुद्ध 16 नवम्बर को वकीलों ने हड़ताल की।

हम मानते हैं आतंकवादियों द्वारा पहलगाम व दिल्ली आदि में मारे गए निर्दोषों की जान कभी वापस नहीं आ सकती है लेकिन इन वारदातों के बाद सरकार तथा सुरक्षा बलों ने पूरी ताकत से आतंकवादियों के विरुद्ध कार्रवाई करके अनेक लोगों का जीवन बचा लिया है। ये साजिश खत्म होने वाली नही है अभी भी खतरा टला नहीं है, देव असुर संग्राम थमने वाला नहीं है अतः आतंकवादियों तथा उनके मददगारों के विरुद्ध सफाई के अभियान को तब तक और तेजी से जारी रखा जाना चाहिए जब तक कि आतंकवादियों का समूल सफाया नहीं हो जाता वहीं देश के भीतर छिपे गद्दारों रेडिकलाइज चरम पंथी लोगों पर भी नजर रखनी होगी खासकर उन कट्टरपंथी मजहबी व्यक्तियों और संस्थानों पर जो अलफलाह यूनिवर्सिटी की तरह चरमपंथी षडयंत्र का अड्डा बन सकते हैं। भारत की खुफिया व सुरक्षा एजेंसियों को और अधिक तेज तर्रार तकनीकी युक्त प्रशिक्षण और अत्याधुनिक सुविधाओं व साधनों से समृद्ध करने की जरूरत है ताकि आतंक के बदलते चेहरे की पहचान और समय रहते खात्मा किया जाए।

आपको कंगाल बना सकती हैं आपकी ही ये गलतियां

वास्तु जहां घर में खुशहाली, धन और वैभव बढ़ाता है वहीं इससे जुड़ी कुछ गलतियां कंगाली, दुख व दरिद्रता का कारण भी बन सकती हैं। जी हां, आपके द्वारा की गई कुछ गलतियां ही घर में वास्तु दोष का कारण बनते हैं, जिससे आपको कई तरह की समस्याओं को सामना करना पड़ता है और आज हम आपको उन्हीं के बारे में बताएंगे।

ना रखें खंडित मूर्तिः घर में भगवान की कोई ऐसी प्रतिमा ना रखें, जो खंडित हो या जिसका कोई अंग भंग हो चुका है। इसे नदी में विसर्जित कर दें। नहीं तो इससे धन संबंधित परेशानियां बढ़ जाएंगी।

धर्म कर्म

तवा और कढ़ाईः इस्तेमाल करने के बाद तवा और कढ़ाई को सीधा ना रखें इससे राहुदोष बढ़ता है, जिससे न सिर्फ पैसों की किलल्त आती है बल्कि घर में भी कलह-कलेश का माहौल बना रहता है। हमेशा यूज के बाद इसे उलटा करके रखें।

शाम को झाड़ू लगाना गलतः सूरज डूबने के बाद झाड़ू ना लगाएं। इससे मां लक्ष्मी नाराज हो जाती है और घर की बरकत गायब हो जाती है। इसके अलावा झाड़ू को हमेशा ऐसी जगह रखें, जहां से वो किसी को नजर ना आए।

खराब नल भी है कारणः घर में कोई पानी नल या पाइप खराब से तो उसे ठीक करवाएं क्योंकि इससे धन संपति की हानि होती है। वहीं नहाने के बाद बाथरूम साफ जरूर करें। इससे राहू सही रहता है।

गलत दिशा में रखी अलमारीः घर के उत्तर-पूर्व कोने में अलमारी या तिजोरी रखने से भी धन हानि होने लगती है। अलमारी को हमेशा दक्षिण दिशा की दीवार से लगाकर रखें। इससे उसका मुंह उत्तर की ओर खुलेगा, जिससे धन में बढ़ौतरी होगी।

जूठे बर्तन ना रखेंः बेडरूम में जूठे बर्तन ना रखें। इससे कंगाली के साथ परिवार की सेहत खराब होती है। बेड के नीचे जूते भी ना रखें। वहीं रात के समय भी शैंक में झूठे बर्तन नहीं रखने चाहिए क्योंकि इससे मां लक्ष्मी नाराज हो जाती है।

आज का इतिहास

1877 - प्रसिद्ध वैज्ञानिक थॉमस अल्वा एडिसन ने विश्व के सामने पहला फोनोग्राफ पेश किया।
1906 - चीन ने अफीम के व्यापार पर रोक लगाई।
1921 - प्रिंस ऑफ वेल्स (सम्राट एडवर्ड अष्टम) बाँबे (अब मुंबई) पहुंचे और कांग्रेस ने देशव्यापी हड़ताल का ऐलान किया।
1947 - आजादी के बाद देश में पहली बार डाक टिकट जारी किया गया।
1956 - एक प्रस्ताव लाकर शिक्षक दिवस को स्वीकृति दी गई थी।
1962 - भारत-चीन सीमा विवाद के दौरान चीन ने संघर्षविराम का ऐलान किया।
1963 - केरल के थुंबा क्षेत्र से रॉकेट छोड़े जाने के साथ ही भारत का अंतरिक्ष कार्यक्रम शुरु हुआ।
1979 - मक्का में काबा मस्जिद पर मुस्लिम उग्रवादियों का अधिकार।
1986 - मध्य अफ्रीकी गणराज्य ने संविधान अंगीकार किया।
1999 - चीन द्वारा अपने प्रथम मानव रहित अंतरिक्ष यान 'शेनझू' का प्रक्षेपण किया गया।
2001 - संयुक्त राष्ट्र ने अफ़ग़ानिस्तान में अंतरिम प्रशासन के गठन का प्रस्ताव रखा।
2002 - मुस्लिम लीग (कायदे आजम) के नेता जफ़रउल्ला ख़ान जमाली पाकिस्तान के प्रधानमंत्री निर्वाचित।
2002 - बुल्गारिया. इस्तोनिया, लातविया, लिथुआनिया ,रोमानिया, स्लोवाकिया और स्लेवानिया को नाटो ने संगठन का सदस्य बनने का निमंत्रण दिया।
2005 - श्रीलंका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति महिंदा राजपक्ष ने पूर्व प्रधानमंत्री रत्नसिरी विक्रमनायके को देश का नया प्रधानमंत्री नियुक्त किया।
2006 - भारत और चीन ने नागरिक परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में साझा सहयोग बढ़ाने का फैसला किया।
2007 - पैप्सिको चैयरमैन इंदिरा नूई को अमेरिकी इंडियन बिजनेस काउंसिल के निदेशक मंडल में शामिल किया गया।
2008 - प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने वैश्विक मंदी के बावजूद भारत की आर्थिक विकास दर 8% रहने की सम्भावना व्यक्त की। राष्ट्रपति प्रतिभा पाटिल ने पंजाब और हरियाणा में दो नये जजों जस्टिस राकेश कुमार गर्ग व राकेश कुमार जैन को नियुक्त किया।

मनोरंजन से मानसिक क्रांति तक, टीवी का बदलता चेहरा

-योगेश कुमार गोयल-

विश्व टेलीविजन दिवस पर विशेष :

'ब्लैक एंड व्हाइट' बुद्धू बक्सा (टेलीविजन) अपने सहज प्रस्तुतिकरण के दौर से गुजरते हुए कब आधुनिकता के साथ कदमताल करते हुए सूचना क्रांति का सबसे बड़ा हथियार और हर घर की अहम जरूरत बन गया, पता ही नहीं चला। यह दुनिया जहान की खबरें देने और राजनीतिक गतिविधियों की सूचनाएं उपलब्ध कराने के अलावा मनोरंजन, शिक्षा तथा समाज से जुड़ी महत्वपूर्ण सूचनाओं को उपलब्ध कराने, प्रमुख आर्थिक और सामाजिक मुद्दों पर ध्यान केन्द्रित करते हुए समूचे विश्व के ज्ञान में वृद्धि करने में मदद करने वाला एक सशक्त जनसंचार माध्यम है। यह संस्कृतियों और रीति-रिवाजों के आदान-प्रदान के रूप में मनोरंजन का सबसे सस्ता साधन है, जो तमाम महत्वपूर्ण मुद्दों पर ध्यान केन्द्रित करते हुए पूरी दुनिया के ज्ञान में असीम वृद्धि करने में मददगार साबित हो रहा है। मानव जीवन में टीवी की बढ़ती भूमिका तथा इसके सकारात्मक और नकारात्मक पहलुओं पर चर्चा करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 21 नवम्बर को 'विश्व टेलीविजन दिवस' मनाया जाता है।

संचार और वैश्वीकरण में टेलीविजन की बेहद महत्वपूर्ण भूमिका को देखते हुए इसके महत्वों को रेखांकित करने के लिए संयुक्त राष्ट्र द्वारा 'विश्व टेलीविजन दिवस' मनाने की जरूरत महसूस की गई और आम जिंदगी में टीवी के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए आखिरकार टीवी के आविष्कार के करीब सात दशक बाद वर्ष 1996 में 'विश्व टेलीविजन दिवस' मनाने की घोषणा कर दी गई। दरअसल टीवी के आविष्कार को सूचना के क्षेत्र में एक ऐसी क्रांति का आविष्कार माना गया है, जिसके जरिये समस्त दुनिया हमारे करीब रह सकती है और हम अब घर बैठे ही दुनिया के किसी भी कोने में होने वाली घटनाओं को लाइव देख सकते हैं। संयुक्त राष्ट्र द्वारा पहली बार 21 तथा 22 नवम्बर 1996 को विश्व टेलीविजन मंच का आयोजन करते हुए टीवी के महत्व पर चर्चा करने के लिए मीडिया को प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराया गया था। उस दौरान विश्व को परिवर्तित करने में टीवी के योगदान और टीवी के विश्व पर पड़ने वाले प्रभावों के संदर्भ में व्यापक चर्चा की गई थी। उसी के बाद संयुक्त राष्ट्र महासभा में 17 दिसम्बर 1996 को एक प्रस्ताव पारित करते हुए प्रतिवर्ष 21 नवम्बर को विश्व टेलीविजन दिवस मनाने का निर्णय लिया गया और तभी से प्रतिवर्ष 21 नवम्बर को ही यह दिवस मनाया जाता रहा है।

इलैक्ट्रॉनिक टेलीविजन का आविष्कार 1927 में हुआ माना जाता है और उसके करीब 32 साल बाद इलैक्ट्रॉनिक टेलीविजन ने भारत में पहला कदम रखा। भारत में टीवी का पहला प्रसारण प्रायोगिक तौर पर दिल्ली में दूरदर्शन केन्द्र की स्थापना के साथ 15 सितम्बर 1959 को शुरू किया गया। उस समय टीवी पर सप्ताह में केवल तीन दिन ही मात्र तीस-तीस मिनट के कार्यक्रम आते थे लेकिन इतने कम समय के बेहद सीमित कार्यक्रमों के बावजूद भी टीवी के प्रति लोगों का लगाव बढ़ता गया और यह बहुत जल्द लोगों की आदत का अहम हिस्सा बन गया। दूरदर्शन का व्यापक प्रसार हुआ वर्ष 1982 में दिल्ली में हुए एशियाई खेलों के आयोजन के प्रसारण के बाद। दूरदर्शन द्वारा अपना दूसरा चैनल 26 जनवरी 1993 को शुरू किया गया और उसी के बाद दूरदर्शन का पहला चैनल डीडी-1 और दूसरा नया चैनल डीडी-2 के नाम से लोकप्रिय हो गया, जिसे बाद में 'डीडी मैट्रो' नाम दिया गया। भले ही टीवी के आविष्कार के इन दशकों में इसका स्वरूप और तकनीक पूरी तरह बदल चुकी है लेकिन इसके कार्य करने का मूलभूत सिद्धांत अभी भी पहले जैसा ही है।

हालांकि किसी भी वस्तु के अच्छे और बुरे दो अलग-अलग पहलू भी हो सकते हैं। कुछ ऐसा ही सूचना एवं संचार क्रांति के अहम माध्यम टीवी के मामले में भी है। एक ओर जहां यह मनोरंजन और ज्ञान का सबसे बड़ा स्त्रोत बन चुका है और नवीनतम सूचनाएं प्रदान करते हुए समाज पर सकारात्मक प्रभाव डालता है, वहीं इसके नकारात्मक प्रभाव भी सामने आते रहे हैं। टेलीविजन की ही वजह से ज्ञान, विज्ञान, मनोरंजन, शिक्षा, चिकित्सा इत्यादि तमाम क्षेत्रों में बच्चों से लेकर बड़ों तक की सभी जिज्ञासाएं शांत होती हैं। अगर नकारात्मक पहलुओं की बात करें तो टीवी के बढ़ते प्रचलन के साथ-साथ इस पर प्रदर्शित होते अश्लील, हिंसात्मक, अंधविश्वासों का बीजारोपण करने तथा भय पैदा करने वाले कार्यक्रमों के कारण हमारी संस्कृति, आस्था और नैतिक मूल्य बुरी तरह प्रभावित हो रहे हैं। टीवी पर विभिन्न कार्यक्रमों में लगातार हत्या और बलात्कार जैसे दृश्य दिखाने से बच्चों का मानसिक विकास प्रभावित होता है। मौजूदा समय में टीवी मीडिया की सबसे प्रमुख ताकत के रूप में उभर रहा है और मीडिया का हमारे जीवन में इस कदर हस्तक्षेप बढ़ गया है कि टीवी के वास्तविक महत्व के बारे में अब लोगों को पर्याप्त जानकारी ही नहीं मिल पाती।

देश में जहां दूरदर्शन की शुरूआत के बाद दशकों तक दूरदर्शन के ही चैनल प्रसारित होते रहे, वहीं 1990 के दशक में निजी चैनल शुरू होने की इजाजत मिलने के साथ एक नई सूचना क्रांति का आगाज हुआ। इन तीन दशकों में निजी चैनलों को लगातार मिलते लाइसेंस के चलते अब देशभर में टीवी पर करीब एक हजार चैनल प्रसारित होते हैं। इससे दूरदर्शन जैसे माध्यम कमजोर हो गए हैं और अब हम एक ऐसे दौर में जी रहे हैं, जहां सूचना व संचार माध्यमों ने हमें इस कदर अपना गुलाम बना लिया है कि इनके अभाव में जीवन की कल्पना ही नहीं कर सकते। हालांकि ढ़ेर सारे टीवी चैनलों की बदौलत जहां ज्ञान, विज्ञान, शिक्षा, सूचना आदि के स्त्रोत बढ़े हैं, वहीं चिंताजनक स्थिति यह है कि टीआरपी की बढ़ती होड़ में बहुत से निजी टीवी चैनल जिस प्रकार गलाकाट प्रतिद्वंद्विता के चलते समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों की अनदेखी करते हुए दर्शकों के समक्ष कुछ भी परोसने को तैयार रहते हैं, उससे युवा पीढ़ी दिशाहीन हो रही है और जनमानस में गलत संदेशों का बीजारोपण होता है। इसीलिए मांग उठने लगी है कि दिशाहीन टीवी कार्यक्रमों के नकारात्मक प्रभावों पर अंकुश लगाने और अपसंस्कृति के प्रसार को रोकने के लिए इन पर कुछ कड़े कानूनी प्रतिबंधों का प्रावधान होना चाहिए।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आदित्य वशिष्ठ द्वारा सांई प्रिंटिंग प्रेस, बी-42 सेक्टर -7 नोएडा (गौतमबुद्ध नगर) उत्तर प्रदेश-201301 से मुद्रित व बी-142/2, ईस्ट ऑफ कैलाश, नई दिल्ली-110065 से प्रकाशित।
संपादकीय एवं संपर्क कार्यालय ए-152 सेक्टर-63, नोएडा-201301 संपादक - आदित्य वशिष्ठ कानूनी सलाहकार-पवित्र मोहन शर्मा आर.एन.आई. DELHIN/2012/42452
इस अंक में प्रकाशित सभी समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी होंगे। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन होंगे। e-mail: Jbttimes2021@ gmail. Com

75 साल, 25 मुख्यमंत्री : किसका दौर रहा, किसका डांवाडोल ?

नीतीश कुमार ने बिहार के पहले मुख्यमंत्री श्रीकृष्ण सिंह का तोड़ा रिकॉर्ड

पटना। बिहार की राजनीति आज जिस मुकाम पर खड़ी है, उसकी पूरी कहानी 75 साल के मुख्यमंत्री इतिहास में दर्ज है। स्वतंत्र भारत के शुरुआती दिनों में कांग्रेस का दबदबा, फिर सामाजिक न्याय की लहर और अब सुशासन मॉडल। इन सबके केंद्र में वे चेहरे रहे, जिन्होंने राज्य की दिशा तय की। बिहार के मुख्यमंत्री पद पर बैठने वाले नेताओं की सूची सिर्फ सत्ता परिवर्तन का ब्यौरा नहीं, बल्कि राजनीति, समाज और जातीय समीकरणों के उतार-चढ़ाव की जीवंत दास्तान है।

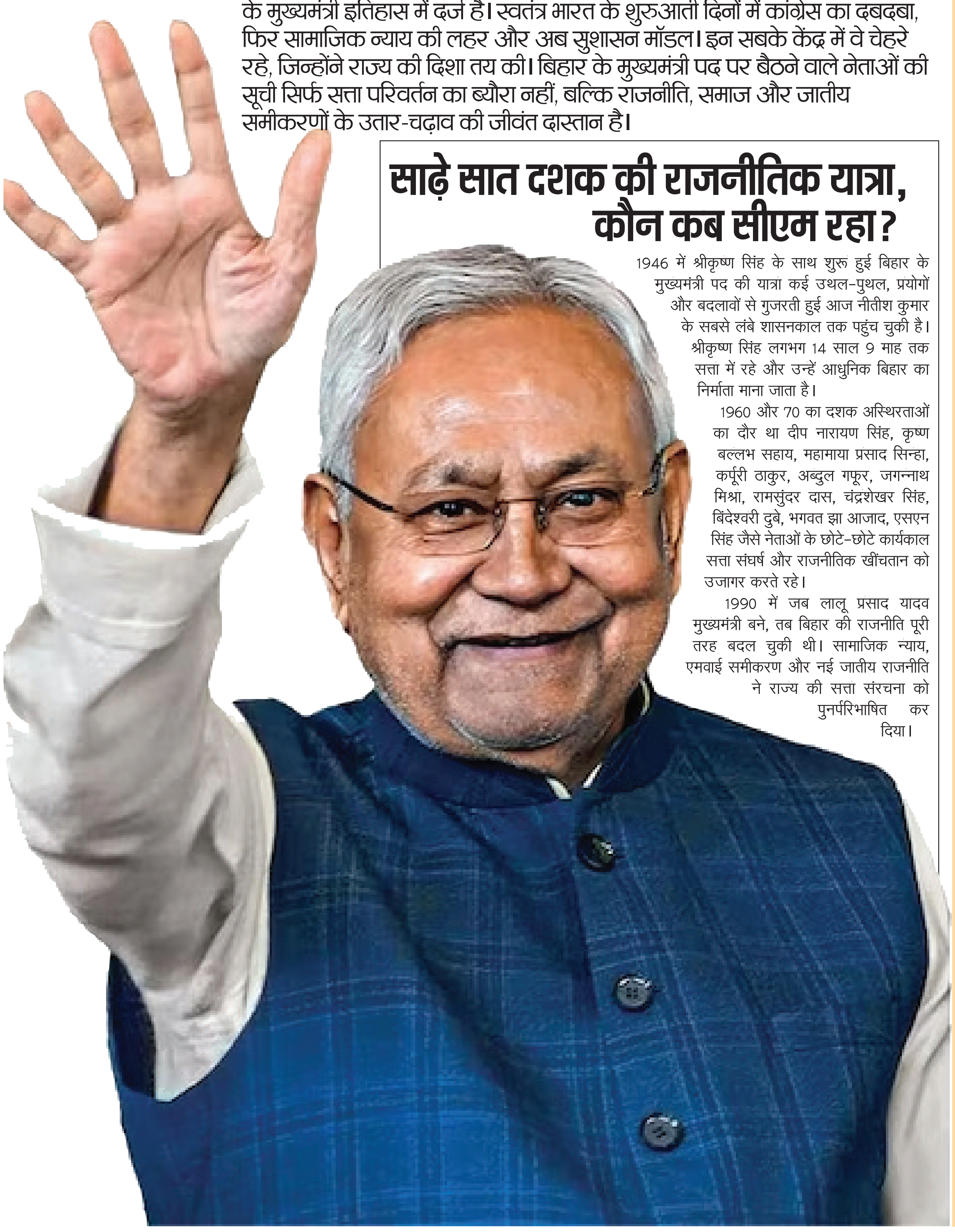

साढ़े सात दशक की राजनीतिक यात्रा, कौन कब सीएम रहा?

1946 में श्रीकृष्ण सिंह के साथ शुरू हुई बिहार के मुख्यमंत्री पद की यात्रा कई उथल-पुथल, प्रयोगों और बदलावों से गुजरती हुई आज नीतीश कुमार के सबसे लंबे शासनकाल तक पहुंच चुकी है। श्रीकृष्ण सिंह लगभग 14 साल 9 माह तक सत्ता में रहे और उन्हें आधुनिक बिहार का निर्माता माना जाता है।

1960 और 70 का दशक अस्थिरताओं का दौर था दीप नारायण सिंह, कृष्ण बल्लभ सहाय, महामाया प्रसाद सिन्हा, कर्पूरी ठाकुर, अब्दुल गफूर, जगन्नाथ मिश्रा, रामसुंदर दास, चंद्रशेखर सिंह, बिंदेश्वरी दुबे, भगवत झा आजाद, एसएन सिंह जैसे नेताओं के छोटे-छोटे कार्यकाल सत्ता संघर्ष और राजनीतिक खींचतान को उजागर करते रहे।

1990 में जब लालू प्रसाद यादव मुख्यमंत्री बने, तब बिहार की राजनीति पूरी तरह बदल चुकी थी। सामाजिक न्याय, एमवाई समीकरण और नई जातीय राजनीति ने राज्य की सत्ता संरचना को पुनर्परिभाषित कर दिया।

बिहार की राजनीति के तीन मुख्य स्तंभ माने जाते हैं

श्रीकृष्ण सिंह- स्थापना का दौर

- लंबे समय तक निर्बाध सत्ता
- उद्योग, शिक्षा, प्रशासन की नींव
- राजनीतिक स्थिरता का स्वर्णकाल

लालू प्रसाद यादव- सामाजिक न्याय का दौर

- 90 के दशक में अजेय राजनीतिक शक्ति
- एमवाई समीकरण का उभार
- संगठनात्मक पकड़ और करिश्मा

नीतीश कुमार- सुशासन और विकास का दौर

- सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री
- गठबंधन राजनीति के सबसे दक्ष खिलाड़ी
- शासन में स्थिरता, कानून-व्यवस्था सुधार और बुनियादी ढांचा

तीनों ने अपने-अपने समय में लगभग सर्वशक्तिमान दौर देखे, लेकिन स्थायित्व, नीति और समय-सीमा के पैमाने पर नीतीश कुमार सबसे आगे निकल गए।

सबसे बड़ा रिकॉर्ड : नीतीश कुमार का 'विकास युग'

2005 के बाद से नीतीश कुमार ने बिहार की राजनीति को अपनी शर्तों पर चलाया। कभी भाजपा के साथ, कभी विपक्ष के साथ तो कभी महागठबंधन की कमान संभालकर। उनकी खासियत यह रही कि वे हर राजनीतिक परिस्थिति में खुद को सत्ताधारी समीकरण के केंद्र में बनाए रखने में सफल रहे। 2015–17 का महागठबंधन, 2017 का भाजपा संग वापसी, 2022 का पलटवार और 2024 का फिर एनडीए। हर बार नीतीश सत्ता समीकरण की धुरी रहे।

छोटे कार्यकाल और अस्थिरता के दौर

1960, 70 और 80 के दशक में बिहार में सत्ता अक्सर बदलती रही। कई मुख्यमंत्री कुछ माह से लेकर एक-दो साल तक ही टिक सके। दीप नारायण सिंह 18 दिन, नीतीश कुमार का पहला कार्यकाल सिर्फ 7 दिन, बीपी मंडल (बोगेंद्र नारायण मंडल) 4 माह, कर्पूरी ठाकुर दो बार लेकिन छोटे कार्यकाल। इस दौर में जातीय राजनीति, राजनीतिक अस्थिरता और केंद्र-राज्य संबंधों की खींचतान साफ दिखती है।

फिर नीतीश के साथ बिहार

2025 में एनडीए संग एक बार फिर सत्ता में लौटकर नीतीश ने स्पष्ट कर दिया कि बिहार की राजनीति में उनकी प्रासंगिकता अभी खत्म नहीं हुई है। आज भी राज्य में विकास, शासन और राजनीतिक संतुलन की हर चर्चा की धुरी वे ही हैं।

नीतीश ने सबसे लंबे और स्थिर शासन का मॉडल बनाया

बिहार का मुख्यमंत्री इतिहास सिर्फ नामों की सूची नहीं। यह बिहार के सामाजिक, राजनीतिक और जातीय परिवर्तनों का दर्पण है। श्रीकृष्ण सिंह ने बुनियाद रखी, लालू प्रसाद यादव ने सामाजिक समीकरण बदले और नीतीश कुमार ने सबसे लंबे और स्थिर शासन का मॉडल बनाया। तीनों युग मिलकर बिहार की राजनीति का संपूर्ण इतिहास रचते हैं।

बिहार की राजनीति में फिर उठी दीर्घकालिक नेतृत्व की गूंज

नीतीश कुमार भले बीच-बीच में इस्तीफों, गठबंधन-परिवर्तनों और राजनीतिक समीकरणों के कारण अलग-अलग कार्यकालों में रहे हों, लेकिन 2005 से 2024 तक वे लगभग पूरे समय बिहार की सत्ता और सत्ता की धुरी बने रहे। सुशासन बाबू की छवि, सामाजिक न्याय की नई व्याख्या और विकास की राजनीति ने उन्हें पिछले दो दशकों में बिहार का सबसे निर्णायक चेहरा बना दिया। राजनीतिक विश्लेषक लव कुमार मिश्र की मानें तो नीतीश का प्रभाव श्रीकृष्ण सिंह के बाद सबसे स्थिर और सबसे व्यापक माना जाता है। भले ही समयखंड अलग-अलग टुकड़ों में रहा हो, लेकिन जनता पर पकड़ लगातार मजबूत रही।

स्थिरता की तलाश में बिहार, क्या इतिहास दोहराएगा खुद को?

बिहार की राजनीति में पिछले 60 वर्षों में ऐसा कोई नेता नहीं आया जिसने श्रीकृष्ण सिंह जैसा निरंतर और ठोस नेतृत्व दिया हो। लालू प्रसाद यादव का 15 वर्षों का दौर सामाजिक बदलाव का प्रतीक रहा, लेकिन राजनीतिक-प्रशासनिक अस्थिरता की आलोचनाएं भी उससे जुड़ी रहीं। वहीं, नीतीश कुमार ने विकास, कानून-व्यवस्था और प्रशासनिक सुधार को केंद्र में रखकर लंबी रेस में खुद को स्थापित किया। आज जब बिहार में फिर से स्थिरता, सुशासन और दीर्घकालिक नेतृत्व की बहस गर्म है, तब राजनीतिक हलकों में यह तुलना स्वाभाविक रूप से सामने आती है। क्या नीतीश अब श्रीकृष्ण सिंह की तरह एक बार फिर बिहार को स्थिर नेतृत्व का नया अध्याय दे सकते हैं?

जनता की उम्मीदें और राजनीतिक संकेत

लोकसभा चुनाव 2024 के बाद बिहार की राजनीति में जो नए समीकरण बने हैं, उन्होंने नीतीश को फिर केंद्र में ला खड़ा किया है। उनकी स्वीकार्यता, नेतृत्व कौशल और प्रशासन पर पकड़ को देखते हुए कुछ राजनीतिक विश्लेषक मानते हैं कि बिहार एक बार फिर दीर्घकालिक शासन मॉडल की ओर बढ़ सकता है। हालांकि विपक्ष तर्क देता है कि आज का समय 1950-60 के दशक जैसा नहीं है, इसलिए किसी भी नेता के लिए श्रीकृष्ण सिंह जैसी स्थिरता पाना आसान नहीं। लेकिन-समर्थकों का दावा है कि बिहार में जनता अब छलांग वाले विकास, स्थिर माहौल और स्पष्ट नेतृत्व चाहती है और नीतीश उस उम्मीद के सबसे सशक्त केंद्र बने हुए हैं।

बिहार फिर स्थिर नेतृत्व की राह पर, नीतीश लिखेंगे श्रीकृष्ण सिंह युग का अगला अध्याय

बिहार की राजनीति में स्थिरता की तलाश नई नहीं, लेकिन आज इसकी जरूरत पहले से कहीं ज्यादा महसूस हो रही है। इतिहास गवाह है कि श्रीकृष्ण सिंह ने बिहार को जिस मजबूती पर खड़ा किया था, वैसी स्थिरता लौटाने का अवसर फिर सामने है। अब यह समय ही बताएगा कि क्या नीतीश कुमार उस विरासत को अगला अध्याय दे पाएंगे या बिहार को किसी नए चेहरे की प्रतीक्षा करनी होगी। बहरहाल, राजनीति की इस उठापटक भरी जमीन पर सवाल वही है कि क्या नीतीश फिर से दोहराएंगे श्रीकृष्ण सिंह वाला स्थिरता का स्वर्णिम दौर?

संक्षिप्त खबरें

महाराष्ट्र के रायगढ़ में ताम्हिनी घाट पर जीप 500 फीट गहरी खाई में गिरी, चार की मौत

मुंबई। महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले में पुणे मानगांव हाइवे पर ताम्हिनी घाट पर से एक जीप अनियंत्रित होकर 500 फीट गहरी खाई में गिर गई। इस घटना में चार लोगों की मौत हो गई और दो लोग अभी भी लापता हैं। मानगांव पुलिस स्टेशन की टीम स्थानीय नागरिकों की मदद से राहत और बचाव कार्य कर रही है। मानगांव पुलिस स्टेशन के पुलिस इंस्पेक्टर निवृत्ति बोराडे ने गुरुवार को बताया कि रहादसे की सही वजह अभी साफ नहीं है। हालांकि, पहली नजर में यह माना जा रहा है कि ड्राइवर का गाड़ी से कंट्रोल खो गया होगा और कार खाई में गिर गई होगी। ड्रोन से इलाके की जांच की जा रही है और चार लाशें मिली हैं। उन्हें ऊपर लाने का काम चल रहा है। रेस्क्यू टीम रस्सियों, क्रेन और दूसरे इक्विपमेंट की मदद से यह रेस्क्यू ऑपरेशन कर रही है। यह भी पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि गाड़ी में और लोग थे या नहीं। स्थानीय सूत्रों ने बताया कि मंगलवार को कोंकण घूमने गए कुछ पर्यटकों का बुधवार तक कोई संपर्क नहीं हो रहा था। इसलिए इन लोगों ने बुधवार को मानगांव पुलिस स्टेशन में जाकर इसकी जानकारी दी। इसके बाद पुलिस ने बुधवार को ही ताम्हिनी घाट पर छानबीन शुरु किया था, लेकिन रात में अंधेरा हो जाने के बाद छानबीन रोक दी गई थी। गुरुवार को सुबह से की जा रही छानबीन में पुलिस टीम को कुचली हुई जीप और चार लोगों की लाशें मिलीं। इन चारों का शव और टूटी-फूटी गाड़ी के बचे हुए हिस्से को खाई से निकालने का प्रयास जारी है। साथ ही ड्रोन की मदद से लापता लोगों की तलाश की जा रही है। अभी तक इस घटना में मृतकों की पहचान नहीं हो सकी है।

शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी का अधिकारिक यू-ट्यूब चैनल बंद

चंडीगढ़। यू-ट्यूब के नियमों का उलंघन करने पर शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के आधिकारिक यू-ट्यूब चैनल एसजीपीसी, श्री अमृतसर को एक सप्ताह के लिए निलंबित कर दिया है। जब 19 नवंबर की शाम को श्री हरिमंदिर साहिब से प्रतिदिन होने वाले साहिब के पाठ का सीधा प्रसारण जारी था, उसी दौरान यह कार्रवाई लागू हुई। यू-ट्यूब के अनुसार 31 अक्टूबर को अपलोड किये गए एक वीडियो पर उनकी नीति के अंतर्गत आपत्ति जताई गई है। वीडियो में एक सिख प्रचारक द्वारा सिख इतिहास से जुड़े तथ्यों और 1984 की घटनाओं से संबंधित संदर्भ प्रस्तुत किए गए थे। वीडियो में सिख योद्धाओं के बारे में ऐतिहासिक विचार साझा किए गए थे, जिन्हें यू-ट्यूब ने अपनी कंटेंट गाइडलाइन का उल्लंघन माना। इसके चलते चैनल की गतिविधियों को अस्थायी रूप से रोक दिया गया है।

उभरती समुद्री चुनौतियों के मद्देनजर नौसेना प्रमुख ने अमेरिकी दौरे में कई अहम वार्ताएं कीं

अमेरिकी नौसेना के वरिष्ठ अधिकारियों से समुद्री सहयोग मजबूत करने के मुद्दे पर हुई चर्चा

नई दिल्ली। अमेरिका की आधिकारिक यात्रा पर गए नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठी ने समुद्री सहयोग को मजबूत करने के मुद्दे पर अमेरिकी नौसेना के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ चर्चा की है। इन वार्ताओं से उभरती समुद्री चुनौतियों के मद्देनजर खुफिया जानकारी और संयुक्त नवाचार, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, प्रशिक्षण और अंतर-संचालन के लिए अमेरिका के साथ रास्ते खुले हैं।

अमेरिका के 12 से 17 नवंबर तक दौरे में एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी ने फोर्ट लेस्ली जे मैकनियर में नेशनल डिफेंस यूनिवर्सिटी का दौरा किया और एनडीयू के प्रेसिडेंट वाइस एडमिरल पीटर ए गार्विन से बातचीत की। यह वार्ता प्रोफेशनल मिलिट्री एजुकेशन, दोनों डिफेंस फोर्स के बीच हायर लर्निंग इंस्टीट्यूट के साथ लिंक मजबूत करने, इंटरनेशनल फेलो और मिलिट्री प्रोफेसर के ट्रेनिंग एक्सचेंज और भारत-यूएस डिफेंस संबंधों को और मजबूत करने के लिए शेयर्ड

मैरीटाइम इंटरेस्ट के मुद्दों पर फोकस रही। इस दौरान नौसेना प्रमुख ने आइजनहावर स्कूल, नेशनल वॉर कॉलेज और कॉलेज ऑफ इंफॉर्मेशन एंड साइबरस्पेस में एजुकेशन के लिए तैनात भारतीय ऑफिसर से भी बातचीत की।

यात्रा के दौरान एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी ने नौसेना सचिव जॉन सी फेलन और युद्ध नीति के अवर सचिव एल्ब्रिज कोल्बी से मुलाकात की। एडमिरल त्रिपाठी ने वाइस एडमिरल यवेटे डेविड्स, नौसेना संचालन, योजना और रणनीति के उप प्रमुख स्टीव पैरोडे, नौसेना खुफिया के उप निदेशक और रियर एडमिरल रेमंड पी ओवेन्स, नौसेना अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम कार्यालय के निदेशक के साथ भी बातचीत की। समुद्री सहयोग को मजबूत करने, रक्षा उद्योग सहयोग को बढ़ाने, उभरती चुनौतियों की समझ, सूचना साझाकरण, समुद्री डोमेन जागरुकता, खुफिया जानकारी और भारतीय नौसेना और अमेरिकी नौसेना के बीच संयुक्त नवाचार, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, प्रशिक्षण और अंतर-संचालन के लिए रास्ते का विस्तार करने की दिशा में अवसरों पर चर्चा आगे बढ़ी।

इसके अलावा क्षेत्रीय सुरक्षा गतिशीलता, विकसित हो रहे इंडो पैसिफिक क्षेत्र वास्तुकला समुद्री साझेदारी, आपसी समझ को मजबूत करने और सुरक्षित, स्थिर और नियम-आधारित इंडो-पैसिफिक को बनाए रखने के मुद्दे पर भी चर्चा हुई। एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी ने डिजास्टर मैनेजमेंट और ह्यूमैनिटेरियन असिस्टेंस में सेंटर फॉर एक्सीलेंस का दौरा किया। नौसेना प्रमुख को सेंटर के विजन, लाइन्स ऑफ़ एफर्ट्स, कैपेसिटी बिल्डिंग और रीजनल कोऑपरेशन में इनिशिएटिव्स के बारे में जानकारी दी गई। उन्होंने यूएस नेवी के स्टेट-ऑफ़-द-आर्ट आर्ले बर्क क्लास गाइडेड मिसाइल डिस्ट्रॉयर एनीलइनौये का दौरा किया। उन्हें डिस्ट्रॉयर के लेटेस्ट मॉडिफिकेशन, मल्टी-मिशन वर्सेटिलिटी और एडवांस्ड मैरीटाइम सर्विलांस सिस्टम के बारे में जानकारी दी गई।

आदिवासी संस्कृति बेहद समृद्ध और सुंदर, इसे और अधिक प्रोत्साहन देने की आवश्यकता : राष्ट्रपति मुर्मू

अंबिकापुर। छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिला मुख्यालय अंबिकापुर में गुरुवार को जनजातीय गौरव दिवस समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा कि आदिवासी संस्कृति बेहद समृद्ध और सुंदर है, इसे और अधिक प्रोत्साहन देने की आवश्यकता है। राष्ट्रपति मुर्मु ने कहा कि छत्तीसगढ़ अपनी स्थापना के 25 वर्ष पूरे कर चुका है और राज्य के विकास में जनजाति समाज की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। उन्होंने भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और कहा कि इस ऐतिहासिक कार्यक्रम में शामिल होना उनके लिए सम्मान की बात है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़, उड़ीसा और झारखंड के बीच सांस्कृतिक और पारिवारिक रिश्ते सदियों से जुड़ रहे हैं। रोटी और बेटी के इस संबंध ने इन राज्यों की जनजातीय परंपराओं को और मजबूत किया है। उन्होंने बताया कि इन क्षेत्रों के जनजातीय समाज ने अपनी विरासत को संजोकर रखा है, जिसके लिए वह विशेष रूप से आभार व्यक्त करती हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि वह स्वयं जनजातीय समुदाय से आती हैं और अपनी संस्कृति को पहले भी जीती थीं और आज भी उसी गर्व के साथ जी रही हैं। उन्होंने कहा कि आदिवासी संस्कृति बेहद समृद्ध और सुंदर है, जिसे और अधिक प्रोत्साहन देने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों में शामिल होकर उन्हें जनजातीय परिवारों और विशेषकर महिलाओं से मिलकर आत्मीयता महसूस होती है। उन्होंने जोर दिया कि शिक्षा, स्वास्थ्य, जल, जंगल और जमीन के साथ-साथ सांस्कृतिक संरक्षण को भी समान प्राथमिकता दी जानी चाहिए, ताकि जनजातीय समाज मजबूती के साथ आगे बढ़ सके।

विश्व शौचालय दिवस पर पूरे देश में जल शक्ति मंत्रालय का अभियान शुरू

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने विश्व शौचालय दिवस पर देशभर में 'हमारा शौचालय, हमारा भविष्य' अभियान शुरू किया है। इस अभियान के तहत 10 दिसंबर तक ग्रामीण क्षेत्रों में समुदायिक और घरेलू शौचालयों की कार्यक्षमता जांच, मरम्मत, सौंदर्य सुधार, संचालन व्यवस्था मजबूत करने और व्यापक जन जागरूकता कार्यक्रम चलाए जाएंगे। यह अभियान स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के तहत बने शौचालयों की स्थिरता और ग्रामीण स्वच्छता प्रणाली को मजबूत करने पर केंद्रित है। केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय के अनुसार, अभियान का मुख्य फोकस समुदायिक शौचालय परिसरों और घरों में बने शौचालयों की स्थिति का मूल्यांकन, आवश्यक सुधार कार्य और स्वच्छता व्यवहार को बढ़ावा देना है। विद्यालयों और ग्रामीण समुदायों में स्वच्छता, मल प्रबंधन, जलवायु अनुकूल स्वच्छता प्रणाली और सेवा प्रोटोकॉल के बारे में जागरूकता गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। जन भागीदारी के माध्यम से सम्पूर्ण स्वच्छता बनाए रखने का लक्ष्य तय किया गया है। अभियान के लिए ग्राम पंचायत से लेकर जिला स्तर तक जिम्मेदारियां तय की गई हैं और सभी सम्बंधित विभागों को सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है। जागरूकता गतिविधियों के लिए राज्यों से

करोड़ों की धोखाधड़ी मामले में गुजरात के एसडीसीए अध्यक्ष कनैया ठेकेदार गिरफ्तार

सूरत। गुजरात के सूरत जिला क्रिकेट एसोसिएशन (एसडीसीए) के अध्यक्ष 82 वर्षीय कनैया ठेकेदार को करोड़ों रुपये की धोखाधड़ी और विश्वासघात के मामले में सूरत की आर्थिक अपराध शाखा (ईसीओसेल) ने गिरफ्तार किया है। उन पर परिजनों के नाम पर बनवाए गए फर्जी दस्तावेज और पावर ऑफ अटॉर्नी के आधार पर लोन लेने के आरोप में यह कार्रवाई की गई है। मामले के अनुसार कनैया ठेकेदार ने अपने दिवंगत भाई हेमंतभाई और भाभी नयनाबेन ठेकेदार की पारिवारिक संपत्ति के नाम पर बोगस पावर ऑफ अटॉर्नी तैयार कराई थी। इन नकली दस्तावेजों पर फर्जी हस्ताक्षर कर उन्होंने बाजाज फाइनेंस से 2.92 करोड़ रुपये की लोन प्राप्त किया और बाद में किश्तें चुकाना भी बंद कर दिया। लोन नहीं चुकाने और फर्जी दस्तावेजों के उपयोग से पीड़ित परिवार मुश्किल में फंस गया। इसके बाद मूल शिकायतकारियों ने सूरत आर्थिक अपराध शाखा सेल में धोखाधड़ी और विश्वासघात की शिकायत दर्ज कराई। गिरफ्तारी से बचने के लिए कनैया ठेकेदार ने सूरत सत्र न्यायालय, गुजरात उच्च न्यायालय, उच्चतम न्यायालय तक अग्रिम जमानत की अर्जी लगाई, लेकिन तीनों अदालतों ने उनकी जमानत याचिकाएँ खारिज कर दीं। उच्चतम न्यायालय ने उन्हें 6 सप्ताह का समय देकर दो आदेश दिए कि फर्जी दस्तावेजों से ली गई पूरी लोन राशि जमा करो। सभी बोगस दस्तावेज मूल शिकायतकर्ता को वापस करो। कनैया ठेकेदार ने लोन राशि तो जमा की, लेकिन जाली दस्तावेज वापस नहीं किए। पीड़ित ने उच्चतम न्यायालय में फिर अर्जी दायर कर बताया कि आरोपित जानबूझकर दस्तावेज वापस नहीं कर रहे। इसके बाद उच्चतम न्यायालय ने दी गई सभी अंतरिम राहत रद्द कर दी और कानूनी संरक्षण वापस ले लिया। साथ ही किसी भी अदालत में की गई अन्य अर्जियाँ भी खारिज करने के निर्देश दिए।

कमरे में कोयला जला कर सो रहे चार श्रमिकों की दम घुटने से मौत

कानपुर। पनकी थाना क्षेत्र के अंतर्गत गुरुवार सुबह एक कमरे में चार श्रमिक दोस्तों के शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। कमरे में एक तसले में कोयला की राख पड़ी मिली है। अनुमान है कि कोयल के जहरीले धुएं से चार की दम घुटने से मौत हुई है। पुलिस और फोरेंसिक टीम ने जांच पड़ताल के बाद शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। साथी मजदूरों ने बताया कि आज सुबह जब उनके कमरे में से कोई हलचल नहीं हुई तो उन्होंने जाकर दरवाजा खटखटाया लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। अनहोनी की आशंका के चलते उन्होंने पुलिस को सूचना दी।

मौके पर पहुंची पुलिस ने दरवाजा तोड़कर कमरे में देखा तो चारों के शव जमीन पर ही पड़े हुए थे। इसके अलावा कमरे के अंदर एक तसले में कोयले की राख पड़ी हुई थी। प्राथमिक जांच में ऐसा प्रतीत हो रहा है कि सर्दी के चलते उन्होंने तसले में कोयला जलाया और फिर कमरे को अंदर से बंदकर सो गए। अनुमान है कि कमरे में वेंटीलेशन ना होने की वजह से चारों की दम घुटने से चारों की मौत हुई है। पुलिस ने बताया कि पनकी थाना क्षेत्र अंतर्गत इंडस्ट्रियल एरिया स्थित ऑयल सीड्स कंपनी में काम करने वाले चार मजदूर कंपनी परिसर में बने किराए के कमरे में रहते थे। अनुसार चारों मृतकों की पहचान संजू सिंह (22), राहुल सिंह (23), अमित वर्मा (32) और दौड़ अंसारी (28) के रूप में हुई है और वह सभी देवरिया जनपद के टोकलपुर गांव के रहने वाले थे। पुलिस आयुक्त रघुबीर लाल ने बताया कि कोयला जलने से कार्बन मोनोऑक्साइड गैस पैदा होती है। जो कमरे में मौजूद ऑक्सीजन को खत्म कर देती है। यहां पर भी यही कारण प्रतीत हो रहा है। वेंटिलेशन ना होने की वजह से ऑक्सीजन की कमी और जानलेवा गैस की अधिकता होने की वजह से चारों की मौत होना लगता है। मृतकों के परिजनों को सूचना दे दी गई है। मौत की असली वजह पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही पता लग सकेगी।

रोडवेज की बस से टक्कर, तीन की मौत, 7 घायल

मऊ। दक्षिण टोला थाना क्षेत्र के दशई पोखरा के सामने गुरुवार सुबह एक सरकारी बस की टक्कर से ई-रिक्शा सवार तीन महिलाओं की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि बच्चों सहित सात लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। ई-रिक्शा में देवरिया निवासी एक ही परिवार के 10 लोग सवार थे और एक शादी समारोह में शामिल होने जा रहे थे। पुलिस अधीक्षक इला मारन ने बताया कि ये लोग एक शादी समारोह में शामिल होने ई-रिक्शा से जा रहे थे तभी अनियंत्रित रोडवेज बस ने टक्कर मार दी जिससे सभी 10 लोग घायल हो गए। उन्होंने कहा कि सभी को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां इलाज के दौरान तीन महिलाओं को मृत घोषित कर दिया गया। मारन ने बताया कि हादसे में बच्चों सहित सात लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं और इनमें कुछ की हालत नाजुक बताई जा रही है। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को जिला अस्पताल भिजवाया तथा सरकारी बस को कब्जे में लेकर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक मृतक महिलाओं की पहचान शाहीन (33), नूरी (30) और महजबी (65) के रूप में की गई है।

कार की टक्कर लगने से स्कूटी सवार 3 लोगों की मौत

बुलंदशहर। जिले में एक कार की टक्कर लगने से स्कूटी सवार दंपति और उनकी छह साल की बेटी की मौत हो गई। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि अगौता थाना क्षेत्र के नगला शेख गांव के रहने वाले अंसार (34) अपनी पत्नी मुसाईदा (30) और बेटी अरीशा (छह) के साथ स्कूटी से बुधवार रात अपने गांव लौट रहे थे। पुलिस के मुताबिक, रास्ते में अगौता-सैदपुर मार्ग पर अज्ञात वाहन को बचाने के प्रयास में उनकी स्कूटी की अगौता की तरफ से आ रही एक कार से जोरदार टक्कर हो गई। पुलिस ने बताया कि इस हादसे में स्कूटी सवार पति-पत्नी और बेटी गंभीर रूप से घायल हो गए। एक अधिकारी ने बताया कि हादसे की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां से उनको जिला अस्पताल स्थानांतरित कर दिया गया। उन्होंने बताया कि जिला अस्पताल ले जाने पर चिकित्सकों ने तीनों को मृत घोषित कर दिया। थाना प्रभारी अतुल कुमार ने बताया कि शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया।

स्कूल में गैस रिसाव होने से 16 छात्र बेहोश, जांच के आदेश

हरदोई। उत्तर प्रदेश के हरदोई जिले के संडीला कस्बे के एक निजी स्कूल में बृहस्पतिवार को संदिग्ध रूप से गैस रिसाव की चपेट में आने से कम से कम 16 छात्र बेहोश हो गए। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सभी प्रभावित बच्चों को दो निजी अस्पतालों में ले जाया गया, जहां से एक बच्चे को बेहतर उपचार के लिए लखनऊ भेज दिया गया।

जिलाधिकारी अनुनय झा ने बताया कि जांच के आदेश दे दिए गए हैं और रिसाव के कारण की पुष्टि होने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। अधिकारियों के मुताबिक, स्कूल परिसर में गैस की तेज गंध फैल गई, जिससे कई बच्चे घबरा गए और अपनी कक्षाओं से बाहर भाग निकले। शिक्षकों ने तुरंत सभी विद्यार्थियों को बाहर निकाला और अभिभावकों व प्रशासन को सूचित किया। जिलाधिकारी झा और पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा अन्य अधिकारियों के साथ मौके पर पहुंचे और इलाज करा रहे बच्चों से भी मिले। झा ने बताया कि इस घटना में करीब 16 विद्यार्थी प्रभावित हुए हैं लेकिन सभी की हालत अब स्थिर है। उन्होंने बताया, "एक बच्चे को लखनऊ स्थित किंग जॉर्ज मेडिकल विश्वविद्यालय एवं अस्पताल स्थानांतरित किया गया है। गैस रिसाव का स्त्रोत अभी पता नहीं चला है। जांच के बाद जरूरी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।"

अधिकारियों ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने घटना का संज्ञान लिया और अधिकारियों से बच्चों का सही इलाज सुनिश्चित करने व मामले की जांच करने का निर्देश दिया है।

रेलवे श्री गुरु तेग बहादुर के 350वें शहीदी दिवस पर चलाएगा तीन स्पेशल ट्रेनें

मुरादाबाद। श्री गुरु तेग बहादुर के 350वें शहीदी दिवस पर आनंदपुर साहेब जाने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए बिहार व पंजाब के बीच रेलवे तीन स्पेशल ट्रेनें चलाने जा रहा है। यह तीनों ट्रेनें मुरादाबाद रेल मंडल से होकर गुजरेंगी। इन ट्रेनों में अनारक्षित टिकटों पर यात्री सफर नहीं कर पाएंगे। उत्तर रेलवे के मुरादाबाद मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक आदित्य गुप्ता ने बताया कि इन दिनों बिहार से पंजाब के बीच ट्रैफिक ज्यादा होने के कारण रेलवे ने यह निर्णय लिया है। मंडल में मुरादाबाद, बरेली, शाहजहांपुर, हरदोई स्टेशनों पर इनका ठहराव होगा। ट्रेनों में बुकिंग की प्रक्रिया भी शुरू हो गई है। सीनियर डीसीएम आदित्य गुप्ता ने आगे बताया कि ट्रेन संख्या 04668-67 अमृतसर-सहरसा-अमृतसर 21 नवम्बर व व 23 नवम्बर को, 04670-69 अमृतसर-पटना-अमृतसर 20 नवम्बर व 22 नवम्बर को और 03231-32 पूर्णिया कोर्ट-आनंदपुर साहेब-पूर्णिया कोर्ट 23 व 25 नवंबर को चलेगी।

संक्षिप्त खबरें

तेज रफ्तार कार ने बाइक को मारी टक्कर, दो लोगों की मौत

सहारनपुर। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर में बुधवार देर रात देहरादून राजमार्ग पर फतेहपुर थानाक्षेत्र में तेज रफ्तार एक कार ने एक मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी, जिससे दो लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) सागर जैन ने बृहस्पतिवार को 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि बाइक सवार दानिश (23) और वसीम (35) देहरादून की ओर जा रहे थे कि तभी एक फ्लाईओवर के पास तेज रफ्तार एसयूवी कार ने उनकी मोटरसाइकिल को पीछे से टक्कर मार दी। उन्होंने बताया कि टक्कर लगने से बाइक सवार दोनों लोग कई मीटर दूर जा गिरे। पुलिस ने बताया कि सिर में गंभीर चोट लगने से दानिश की मौके पर ही मौत हो गई और वसीम ने अस्पताल ले जाते समय दम तोड़ दिया। पुलिस के मुताबिक, कार चालक और उसके साथी को हिरासत में ले लिया गया और मृतकों के परिवारों ने चालक के खिलाफ स्थानीय थाने में शिकायत दर्ज कराई है।

अलीगढ़ में मदरसा शिक्षकों के लिए बायोमेट्रिक उपस्थिति अनिवार्य

अलीगढ़। जिला प्रशासन ने सभी मदरसा शिक्षकों के लिए बायोमेट्रिक प्रणाली के माध्यम से उपस्थिति दर्ज कराना अनिवार्य कर दिया। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। जिलाधिकारी संजीव रंजन ने बताया कि यह कदम उत्तर प्रदेश सरकार के निर्देशों के अनुसार उठाया गया है। उन्होंने संवाददाताओं से कहा क्¬ अब से मदरसा शिक्षकों का वेतन उनके बायोमेट्रिक उपस्थिति रिकॉर्ड के आधार पर दिया जाएगा।" रंजन ने एक सवाल के जवाब में कहा कि जिले में "गैर-कानूनी मदरसों" की पहचान करने के प्रयास जारी है। जिला अल्पसंख्यक कार्यालय के मुताबिक, अलीगढ़ में 120 पंजीकृत मदरसे हैं, जिनमें से चार सरकारी मदद वाले और 116 बिना मदद वाले हैं। सरकारी मदद वाले संस्थान में कुल मिलाकर 55 शिक्षक हैं और इनमें करीब 14,000 विद्यार्थी पढ़ते हैं जबकि बिना मदद वाले मदरसों में 200 शिक्षक और करीब 60,000 बच्चे तालीम लेते हैं। अल्पसंख्यक कार्यालय के एक अधिकारी ने बताया कि शैक्षणिक संस्थानों में सुरक्षा से जुड़े हालिया मामलों को देखते हुए यह मौजूदा कदम उठाया गया है।

एक व्यक्ति ने पत्नी को तीन तलाक देकर दूसरी शादी की, प्राथमिकी दर्ज

सोनभद्र। जिले में एक व्यक्ति द्वारा अपनी पत्नी को तीन तलाक देने तथा मारपीट कर उसे घर से निकालने के आरोप में पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। जिले के महिला पुलिस थाने में बुधवार देर शाम को आठ लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा ने बृहस्पतिवार को बताया कि अनपरा की एनपीसीसी कॉलोनी की रहने वाली आयशा परवीन ने 12 नवंबर को उन्हें शिकायत दी थी कि उसकी शादी 14 जुलाई 2022 को अनपरा के रहने वाले फैसल अहमद से हुई थी। परवीन ने पुलिस को बताया कि शादी के समय उसकी मां ने उसे 3.5 लाख रुपये नकद और गहने दिए थे लेकिन इसके बावजूद उसके पति फैसल, सास सलमा बेगम और परिवार के अन्य सदस्य उसे दहेज के लिए परेशान करते रहे। पीड़िता ने अपने देवर साकिब पर उस पर बुरी नज़र रखने का भी आरोप लगाया। आयशा ने बताया कि उसके पति और परिवार के दूसरे लोगों ने उसके साथ मारपीट की तथा उसे तीन तलाक देकर घर से निकाल दिया। तब से वह अपनी मां के पास बलिया में रह रही है। इसी बीच, 30 अक्टूबर को पता चला कि उसके पति ने दूसरी शादी कर ली है। उसने दुद्धी (सोनभद्र जिले में) के एक व्यक्ति पर उसके पति की दूसरी शादी करवाने का आरोप लगाया। एसपी ने बताया कि पुलिस ने आयशा के पति, सास, देवर, ननद समेत आठ लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सौ वर्ष पूरे होने पर चलाया घर-घर अभियान

मुरादाबाद। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सौ वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में संघ के प्रांत के कार्य प्रमुख ओमप्रकाश शास्त्री की अगुवाई में गुरुवार को इलेवन ऑर्चिड सोसायटी में घर-घर अभियान चलाया गया। इसमें सोसायटी के परिवारों से संपर्क कर उन्हें संघ के कार्य और कार्य पद्धति के बारे में जानकारी दी गई। ओमप्रकाश शास्त्री ने बताया कि यह विशेष अभियान एक नवंबर में शुरू किया गया है। इसका मुख्य उद्देश्य संघ के शताब्दी वर्ष में देश के प्रत्येक पर तक संघ के कार्यों की सही जानकारी पहुंचाना और इस संबंध में लोगों के बीच व्याप्त सूचना के अभाव को दूर करना है। उन्होंने सेवकों ने इलेवन ऑचिंड में चलाया अभियान कहा कि सौ साल पूरे होने के बावजूद कई लोग संघ की समाज परिवर्तन की दिशा में की जा रही गतिविधियों और विभिन्न सेवा कार्यों से जानकारी नहीं हैं। उन्होंने बताया कि संघ समाज में शिक्षा, स्वास्थ्य, आत्मनिर्भरता, कुटुंब परिवार पारिवारिक मूल्य, समरसता सामाजिक एकता और पर्यावरण संरक्षण जैसे विषयों पर जागरूकता लाने के लिए काम कर रहा है। उन्होंने समाज के प्रति संघ की सकारात्मक भूमिका पर जोर दिया। इस दौरान अनिल तोमर, सुनील सिंह, अमित सिंह, रविंद्र गोयल, अमित मिश्रा, अतुल गुप्ता, दीपक मौजूद रहे।

डोनाल्ड ट्रंप के पुत्र जॉन ट्रंप ने पत्नी के साथ किया ताजमहल का दीदार

आगरा। अमेरिक के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पुत्र जॉन ट्रंप ने गुरुवार को अपनी पत्नी के साथ ताजमहल का दीदार किया। इस दौरान ताज महल परिसर और आसपास सुरक्षा की चाकचौबंद व्यवस्था रही। गुरुवार को विशेष विमान से जॉन ट्रप दोपहर करीब 12.30 बजे खेरिया एयरपोर्ट आगरा पर उतरे। जॉन के साथ उनकी पत्नी थीं। एयरपोर्ट से जूनियर ट्रंप का काफिला सीधे होटल अमर विलास पहुंचा। यहां जॉन ट्रंप और उनकी पत्नी ने इंडियन कॉन्टिनेंटल लंच किया। होटल में कुछ देर रुकने के बाद बाद गोल्फ कार्ट से वे पूर्वी दरवाजे से प्रवेश कर ताजमहल परिसर पहुंचे। जूनियर ट्रंप ने ताजमहल के सामने अपनी पत्नी संग फोटो भी खिंचवाई।

ताज भ्रमण के दौरान उनके साथ सुरक्षा कर्मी भी थे। इस दौरान जिला प्रशासन ने ताजमहल परिसर और आसपास के इलाके में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की थी। पूरे इलाके में दो सौ पुलिस कर्मियों को तैनात किया गया। अमेरिका के राष्ट्रपति के बेटे के भ्रमण के चलते खुफिया एजेंसियां पहले से ही सतर्क रहीं। उल्लेखनीय है कि इससे पहले वर्ष 2020 में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पत्नी मेलिनिया ट्रंप, पुत्री इवांका ट्रम्प के और दामाद जैरेड कुशनर के साथ ताजमहल का दर्शन किया था, लेकिन तब जूनियर डोनाल्ड यानी जॉन ट्रंप नहीं आए थे। जॉन ट्रंप राजस्थान के उदयपुर शहर में 21 व 22 नवंबर को अपने मित्र की शादी में भाग लेने भारत आए हैं।

प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश बढ़ रहा सामाजिक समरसता की ओर : धर्मपाल

सुलतानपुर। भाजपा प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह ने सरदार पटेल के अद्भुत व्यक्तित्व, उनके संघर्षमय जीवन और राष्ट्र के प्रति उनके अमूल्य योगदान पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डालते हुए कहा कि लौहपुरुष सरदार पटेल इतिहास के महानायक होने के साथ ही वह आज भी राष्ट्र चेतना के केंद्र हैं।

उन्होंने भारत को एक सूत्र में पिरोकर एक भारत – श्रेष्ठ भारत का आधार खड़ा किया। सरदार पटेल की 150 वीं जयंती के उपलक्ष्य में कादीपुर में आयोजित भव्य यूनिटी मार्च में गुरुवार को भाजपा प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह ने मुख्य अतिथि के रूप में सहभागिता की। उमड़ी भीड़ के बीच सभी ने सरदार पटेल को याद कर एकता का संदेश दिया। श्री सिंह ने आगे कहा कि सरदार पटेल ने 562 रियासतों को जोड़कर जिस अखंड भारत का निर्माण किया,वही आज हमारी एकता,शक्ति और राष्ट्रीय गौरव की आधारशिला है।समाज के प्रत्येक वर्ग की सक्रिय भागीदारी से ही सशक्त भारत का निर्माण संभव है। आज का रन फॉर यूनिटी इसी सामूहिक संकल्प और संगठन शक्ति का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि आज देश प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में जिस गति से विकास और सामाजिक समरसता की ओर बढ़ रहा है, उसके मूल में सरदार पटेल की ही प्रेरणा और आदर्श निहित हैं।

क्षेत्रीय अध्यक्ष दिलीप पटेल ने कहा कि भाजपा सरदार पटेल के सपने को पूरा कर रही है।भाजपा जिलाध्यक्ष सुशील त्रिपाठी ने मुख्य अतिथि धर्मपाल सिंह समेत सभी अतिथियों व कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया। विधायक राजेश गौतम ने कहा कि सरदार पटेल राष्ट्रीय एकता के प्रतीक हैं। जनसभा को संबोधित करते हुए मीडिया प्रमुख विजय रघुवंशी ने बताया कि जिला महामंत्री घनश्याम चौहान के संचालन में आयोजित कार्यक्रम में प्रमुख रूप से भाजपा प्रदेश मंत्री शंकर गिरि,पूर्व जिलाध्यक्ष डॉ. आरए वर्मा,योगेंद्र प्रताप सिंह,एकता यात्रा जिला संयोजक धर्मेन्द्र कुमार, कादीपुर सह संयोजक राजित राम,नगर पंचायत अध्यक्ष आनन्द जायसवाल, आनन्द द्विवेदी, सुभाष चन्द्र, राजेश सिंह, मनोज मौर्य, लालमणि सिंह, चन्दन नारायन सिंह, विक्की वर्मा,दुष्यंत सिंह, प्रात्येश सिंह बंटी,सर्वेश मिश्रा, श्रवण मिश्रा समेत बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

रिश्वत लेने के आरोप में स्योहारा थाना प्रभारी निलंबित

बिजनौर। बिजनौर के पुलिस अधीक्षक अभिषेक झा ने थाना स्योहारा प्रभारी निरीक्षक सतेंद्र सिंह को रिश्वत लेने के आरोप में निलंबित कर दिया है। मालूम हो कि 15 नवंबर को गांव महुपुरा निवासी बलकरण सिंह अपने पुत्र से जुड़े विवाद की शिकायत लेकर थाने पहुंचे थे। आरोप है कि शिकायत दर्ज करने के बदले में थाने में तैनात पुलिस कर्मियों ने उनसे अवैध वसूली की। मामला उच्च अधिकारियों तक पहुंचने पर पुलिस क्षेत्राधिकारी धामपुर द्वारा जांच कराई गई और जांच में पुलिस पर पैसे लेने के आरोप सही पाए गए। जांच रिपोर्ट को देखते हुए जिले के एसपी अभिषेक झा ने थाना प्रभारी सत्येंद्र सिंह को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया और हल्दौर थाना प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार को स्योहारा थाने की कमान सौंपी है । वहीं लाइन में तैनात निरीक्षक कृष्ण अवतार सिंह को हल्दौर थाने का नया प्रभारी बनाया गया है ।

देश के संसाधनों पर किसान, गरीब, युवा और महिलाओं का है पहला अधिकार : नितिन अग्रवाल

हरदोई। गुरुवार को लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में, सरदार@150 यूनिटी मार्च का आयोजन हुआ। प्रदेश के आबकारी एवं मद्य निषेध विभाग मंत्री स्वतंत्र प्रभार नितिन अग्रवाल एवं भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन के नेतृत्व में नगर के गांधी मैदान से मार्च का शुभारंभ हुआ।

जनता के अभूतपूर्व समर्थन के साथ यूनिटी मार्च नगर के मुख्य मार्गों से होते हुए बाल विद्या भवन पहुंचा, जहां जनसभा का आयोजन हुआ। जनसभा में आबकारी मंत्री नितिन अग्रवाल ने कहा कि हरदोई की महान जनता राष्ट्रीय एकता के लिए एक साथ पद यात्रा कर रही हैं, जनता ने अपने जनसमर्थन से जता दिया कि सरदार वल्लभभाई पटेल की विरासत के उत्सव के साथ ही राष्ट्र निर्माण में युवा ऊर्जा को विकसित भारत के लक्ष्य की ओर अग्रसित है। कहा कि आजादी के बाद सरदार पटेल ने 562 रियासतों का एकीकरण कर अखंड भारत का निर्माण किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक भारत, श्रेष्ठ भारत के मंत्र को साकार किया है।

उन्होंने कहा कि नए भारत के निर्माण में प्रधानमंत्री मोदी और गृह मंत्री अमित शाह ने अनुच्छेद 370 को निरस्त कर भारत को एकीकृत किया है। कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने स्टैच्यू ऑफ यूनिटी के निर्माण के जरिए सरदार पटेल को अनूठी श्रद्धांजलि दी है। यह प्रतिमा भारत के सामर्थ्य और गौरवशाली इतिहास का प्रतीक है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, और सबका प्रयास के माध्यम से भारत तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक ताकत बनने की दिशा में अग्रसर है।

कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष मधुर मिश्रा, क्षेत्रीय महामंत्री पी के वर्मा, विनोद राठौर, जिला मंत्री अविनाश मिश्र, जिला मीडिया प्रभारी गांगेश पाठक अविनाश मिश्र, पंकज सिंह, परिषा तिवारी, अनुराग श्रीवास्तव, ऋषभ तिवारी सहित विभिन्न विद्यालयों के छात्र एवं छात्राएं सम्मिलित रहे।

हाथरस भगदड़ मामले की अगली सुनवाई 27 नवंबर को

हाथरस। जिले में पिछले साल दो जुलाई को सूरजपाल उर्फ नारायण साकार हरि बाबा उर्फ भोले बाबा के सत्संग के दौरान मची भगदड़ के मामले की अगली सुनवाई 27 नवंबर को होगी। अधिकारियों ने गुरुवार को यह जानकारी दी। सिकंदराराऊ कोतवली क्षेत्र के मुगलगढ़ी व फुलरई गांव के बीच कार्यक्रम स्थल पर मची भगदड़ में 121 लोगों की मौत हो गई थी, जिनमें अधिकतर महिलाएं और बच्चे थे। आरोपी पक्ष के वकील मुन्ना सिंह पुंडीर ने बताया कि आज (बृहस्पतिवार को) अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश अदालत संख्या (एक) महेंद्र श्रीवास्तव की अदालत में उस समय वहां तैनात दरोगा नीलेश यादव के बयान दर्ज हुए हैं। उन्होंने बताया कि अब इस मामले की अगली सुनवाई 27 नवंबर को होगी। पुंडीर ने बताया कि अगली तारीख पर किसी और पुलिसकर्मी के बयान दर्ज होंगे। मामले में विशेष जांच दल (एसआईटी) के आरोपपत्र पर जिला न्यायालय में सुनवाई पूरी हो चुकी है। पुलिस ने इस मामले में बाबा के सेवादार देवप्रकाश मधुकर सहित 11 लोगों आरोपी बनाया है और हादसे के लिए जिम्मेदार माना है। सभी 11 आरोपी जमानत पर हैं। पुलिस ने इस मामले में 11 आरोपियों के खिलाफ 3200 पन्नों का आरोप पत्र अदालत में दाखिल किया था।

▸▸ पुलिस ने इस मामले में बाबा के सेवादार देवप्रकाश मधुकर सहित 11 लोगों आरोपी बनाया है और हादसे के लिए जिम्मेदार माना है। सभी 11 आरोपी जमानत पर हैं।

फेसबुक पर विडियो अपलोड कर आत्महत्या करने जा रहे युवक को पुलिस ने बचाया

सोनभद्र। चोपन थाना क्षेत्र में पत्नी व पारिवारिक विवाद से तंग आकर फेसबुक पर अपना विडियो अपलोड कर आत्महत्या करने जा रहे युवक को पुलिस ने दरवाजा तोड़कर बचाया। थाना चोपन पुलिस की तत्परता और मानवीय संवेदनशीलता से युवक की जान बच गई। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा ने गुरुवार को बताया की डीजीपी मुख्यालय कंट्रोल रूम लखनऊ के माध्यम से सूचना प्राप्त हुई कि चोपन थाना क्षेत्र के चोपन बैरियर रोड निवासी मुकेश साहनी पुत्र पिन्टू साहनी द्वारा फेसबुक पर एक वीडियो अपलोड किया गया है, जिसमें वह पारिवारिक तनाव एवं पत्नी से विवाद के कारण आत्महत्या करने की बात कर रहा है।

सूचना मिलते ही थाना चोपन पुलिस तुरंत हरकत में आ गई। पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुँचकर तत्वरित कार्रवाई करते हुए पीड़ित मुकेश साहनी को उनके घर का दरवाजा तोड़कर आत्महत्या करने से रोका गया और उन्हें बचाया गया व मौके पर मानसिक रूप से सहारा दिया गया। एसपी ने बताया कि पीड़ित द्वारा किए जा रहे आत्महत्या के कृत्य को रोककर थाना चोपन पुलिस युवक की जान बचाने में सफल रही। मुकेश साहनी ने पुलिस की तत्परता और काउंसलिंग के बाद आत्महत्या न करने का आश्वासन दिया। पीड़ित के पिता पिन्टू साहनी को भी स्थिति की जानकारी देते हुए आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया गया। थाना चोपन पुलिस ने इस प्रकरण में मानवीय संवेदनशीलता और तत्परता का परिचय देते हुए समय रहते उचित कदम उठाकर एक जानलेवा परिस्थिति को टालने में सफलता प्राप्त की। थाना चोपन पुलिस ने केवल आत्महत्या रोककर ही नहीं, बल्कि मानसिक रूप से टूटे हुए युवक को भावनात्मक सहारा देकर जीवन के प्रति आश्वस्त किया। काउंसलिंग के उपरांत मुकेश साहनी ने आत्महत्या न करने का वचन दिया और पुलिस की सहायता के लिए आभार व्यक्त किया।

वाराणसी में सफाई व्यवस्था को स्मार्ट सिटी मानकों के अनुरूप बनाये : नगर विकास मंत्री

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए. के. शर्मा ने गुरुवार को सर्किट हाउस सभागार में विभागीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में मंत्री ने शहर में चल रहे सफाई कार्यों, पेयजल आपूर्ति, जलनिकासी व्यवस्था तथा नगर निगम की विभिन्न शहरी परियोजनाओं की प्रगति पर गहन चर्चा की। उन्होंने कहा कि वाराणसी एक वैश्विक धार्मिक और सांस्कृतिक नगरी है इसलिए यहां की व्यवस्था आदर्श और अनुकरणीय होनी चाहिए।

बैठक में सफाई व्यवस्था पर जोर देते हुए नगर विकास मंत्री ने निर्देश दिए कि प्रत्येक वार्ड में स्वच्छता का स्तर उच्चतम मानकों के अनुसार सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि सड़क किनारे कचरा संग्रहण, डोर-टू-डोर कलेक्शन, नालियों की नियमित सफाई, कचरा निस्तारण एवं कूड़ाघरों की स्थिति पर विशेष ध्यान दिया जाए। नागरिकों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए विशेष अभियान चलाने पर भी बल दिया गया। पेयजल आपूर्ति की समीक्षा करते हुए उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि लीकेज सुधार, पाइपलाइन मरम्मत, ओवरहेड टैंकों की सफाई और ट्यूबवेलों की कार्यशीलता की नियमित मॉनिटरिंग की जाए। उन्होंने जोर देकर कहा कि पेयजल आपूर्ति में किसी भी प्रकार की बाधा नहीं आनी चाहिए।

जल निकासी व्यवस्था पर मंत्री ने कहा कि सभी नालों की पूरी सफाई, पंपिंग स्टेशनों की मरम्मत, जाम लाइनों की पहचान और जलभराव वाले इलाकों में स्थायी समाधान की दिशा में कार्य तेजी से किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जलभराव की समस्या किसी भी स्थिति में न उत्पन्न हो और यदि कहीं शिकायत आए तो तुरंत मौके पर पहुंचकर उसका समाधान कराया जाए। उन्होंने जनहित से जुड़े कार्यों को लेकर अधिकारियों को सख्त चेतावनी दी कि जनता की समस्याओं के निस्तारण में किसी भी स्तर की लापरवाही या उदासीनता क्षम्य नहीं होगी।

नगर विकास मंत्री ने कहा कि विभागीय कार्यों में पारदर्शिता, जवाबदेही और समयबद्धता अत्यंत आवश्यक है। सभी अधिकारी फील्ड में सक्रिय रहकर शहरी सेवाओं में सुधार सुनिश्चित करें। बैठक में अपर नगर आयुक्त, सहायक नगर आयुक्त एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

सेमीफाइनल में भारत ए को बांग्लादेश ए के खिलाफ शीर्षक्रम से अच्छे प्रदर्शन की आस

दोहा। भारत ए को बांग्लादेश ए के खिलाफ राइजिंग स्टार्स एशिया कप सेमीफाइनल में अपने शीर्षक्रम के बल्लेबाजों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद होगी ताकि वैभव सूर्यवंशी पर अकेले बोझ नहीं पड़े । इस टी20 टूर्नामेंट में 201 रन बनाकर सबसे ज्यादा रन बनाने वाले दूसरे बल्लेबाज बने सूर्यवंशी एक शतक और 45 रन की पारी खेल चुके हैं । बाकी बल्लेबाज हालांकि अभी तक अपेक्षाओं पर खरे नहीं उतर सके हैं जिनमे कप्तान जितेश शर्मा, नमन धीर, प्रियांश आर्य और नेहाल वढेरा शामिल हैं ।

भारतीय टीम बांग्लादेश को हलके में लेने की गलती नहीं करेगी जिसने अफगानिस्तान ए टीम को 78 रन पर समेट दिया था । इसके अलावा लीग मैच में श्रीलंका ए की मजबूत टीम को आखिरी ओवर तक खेलने पर मजबूर किया । बांग्लादेश के तेज गेंदबाज रिपोन मंडल और हाल ही में सीनियर टी20 टीम में शामिल हुए बायें

हाथ के स्पिनर रकीबुल हसन से भारतीय बल्लेबाजों को सावधान रहना होगा । भारत के गेंदबाजों ने भी टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन किया है और बायें हाथ के तेज गेंदबाज गुरजपनीत सिंह तीन मैचों में पांच विकेट ले चुके हैं । बायें हाथ के स्पिनर हर्ष दुबे और लेग स्पिनर सुयश शर्मा ने तीन तीन विकेट लेकर उनका बखूबी साथ दिया है । दुबे ने ओमान के खिलाफ अर्धशतक भी लगाया था । दुबे ने बीसीसीआई टीवी से कहा कि मैने सलामी बल्लेबाज के तौर पर शुरूआत की थी और मुझे पता था कि मैं अच्छी बल्लेबाजी कर सकता हूं । मैं ओमान के खिलाफ मिले इस मौके को भुनाना चाहता था । हम इसी तरह का प्रदर्शन करना चाहते जो यूएई और ओमान के खिलाफ किया था। बांग्लादेश की बल्लेबाजी का दारोमदार सलामी बल्लेबाज हबीबुर रहमान सोहान और कप्तान अबरार अली पर होगा ।

इन दोनों के विकेट जल्दी लेकर भारत दबाव बनाने की कोशिश करेगा। दूसरे सेमीफाइनल में पाकिस्तान शाहींस का सामना श्रीलंका ए से होगा।

इस प्रकार है दोनों टीम

भारत ए : जितेश शर्मा (कप्तान), प्रियांश आर्य, वैभव सूर्यवंशी, नेहाल वढेरा, नमन धीर, सूर्यांश शेडगे, रमनदीप सिंह, हर्ष दुबे, आशुतोष शर्मा, यश ठाकुर, गुरजपनीत सिंह, विजय कुमार विशाख, युधवीर सिंह चरक, अभिषेक पोरेल, सुयश शर्मा

बांग्लादेश ए : अकबर अली (कप्तान) मोहम्मद हबीबुर रहमान, यासिर अली, जीशान आलम, आरिफुल इस्लाम, रकीबुल हसन, महीदुन एंकोन, तूफेल अहमद, मृत्युंजय चौधरी, मेहराब हसन, रिपोन मंडल, अबु हिदार रोनी, मोहम्मद शादिन इस्लाम, जवाद अबरार, मोहम्मद अब्दुल गफ्फार ।

मैच का समय : दोपहर तीन बजे से ।

समर डेफलिंपिक्स : महित संधू ने 50 मीटर राइफल प्रोन में सिल्वर जीता

टोक्यो/नई दिल्ली।। भारत की स्टार राइफल शूटर महिन संधू ने टोक्यो में चल रहे 25वें समर डेफलिंपिक्स में 50 मीटर राइफल प्रोन स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक अपने नाम किया। यह इस टूर्नामेंट में उनका तीसरा पदक है। महित ने क्वालिफिकेशन में वर्ल्ड डेफ रिकॉर्ड भी तोड़ा और फाइनल में 246.1 अंक के साथ सिल्वर मेडल हासिल किया। चेकिया की एलिस्का स्वोबोदावा ने 247.2 अंकों के साथ स्वर्ण जीता, जबकि हंगरी की मीरा जसजाना बियातोव्स्की ने 225.0 अंकों के साथ कांस्य पदक हासिल किया। भारत की नताशा जोशी फाइनल में शूट-ऑफ के बाद आठवें स्थान पर रहीं।

फाइनल में महित पहले 14 शॉट्स के बाद चौथे स्थान पर थीं। अगले दो शॉट्स की सीरीज में उन्होंने यूक्रेन की वायोलेटा लिकोवा को पीछे छोड़ते हुए तीसरे स्थान पर जगह बनाई और 20 शॉट्स तक इसी पोजिशन पर बनी रहीं। इसके बाद 9.8 और 10.2 के स्कोर के साथ उन्होंने बढ़त बनाई, जबकि हंगरी की शूटर के 9.4 और 9.8 के स्कोर ने

महित को सिल्वर पोजिशन में पहुंचा दिया। अंतिम दो शॉट्स में महित ने 10.0 और 10.7 के अच्छे स्कोर लगाए, लेकिन चेक शूटर स्वोबोदावा के लगातार 10 के स्कोर को पार नहीं कर सकीं। इससे पहले क्वालिफिकेशन में महित ने 619.7 अंकों के साथ नया वर्ल्ड डेफ रिकॉर्ड बनाया था। भारत की नताशा जोशी ने भी बेहतरीन प्रदर्शन किया और 611.6 के स्कोर के साथ सातवें स्थान पर रहते हुए फाइनल में जगह बनाई।

टोक्यो डेफलिंपिक्स में भारत की शूटिंग टीम का कुल पदक संख्या अब 12 पर पहुंच गई है, जिसमें से तीन पदक अकेले महित संधू ने जीतकर देश का गौरव बढ़ाया है।

आस्ट्रेलियाई ओपन बैडमिंटन : शेट्टी क्वार्टर फाइनल में, प्रणय बाहर

सिडनी। भारत के युवा बैडमिंटन खिलाड़ी आयुष शेट्टी आस्ट्रेलियाई ओपन के फाइनल में पहुंच गए जबकि सीनियर खिलाड़ी एच एस प्रणय बृहस्पतिवार को हारकर बाहर हो गए। शीर्ष वरीयता प्राप्त सात्विक साइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी भी चीनी ताइपै के सू चिंग हेंग और वु गुआन शुन को 21 . 18, 21 . 11 से हराकर अंतिम आठ में पहुंच गए। योनेक्स अमेरिकी ओपन सुपर 300 टूर्नामेंट के विजेता शेट्टी ने चौथी वरीयता प्राप्त जापान के कोडाइ नराओका को 21 . 17, 21 . 16 से हराया। अब क्वार्टर फाइनल में उनका सामना हमवतन लक्ष्य सेन से होगा । वहीं इस साल प्री क्वार्टर फाइनल से आगे नहीं जा सके प्रणय को आठवीं वरीयता प्राप्त पूर्व जूनियर विश्व चैम्पियन इंडोनेशिया फरहान अलवी ने 21 . 19, 21 . 10 से हराया। सात्विक और विराग की जोड़ी का सामना अब पांचवीं वरीयता प्राप्त इंडोनेशिया के फजर अल्फियान और मुहम्मद शोहिबुल फिकरी से होगा।

आस्ट्रेलिया में एशेज खिताब का सूखा खत्म करने उतरेगा इंग्लैंड

पर्थ। आस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच शुक्रवार से शुरू हो रही एशेज श्रृंखला से पहले यक्षप्रश्न यह है कि क्या इंग्लैंड आस्ट्रेलियाई सरजमीं पर खिताब का सूखा खत्म कर सकेगा ।

आस्ट्रेलिया में पिछले 15 टेस्ट में से इंग्लैंड ने 13 गंवाये और दो ड्रॉ खेले हैं जबकि एक भी जीत नहीं मिल सकी । आखिरी बार 2010 . 11 में इंग्लैंड ने आस्ट्रेलिया को 3 . 1 से हराया था । अगले सात सप्ताह तक पांच शहरों में चलने वाली एशेज श्रृंखला से पहले कई बड़े सवाल खड़े हैं । क्या उम्रदराज और प्रमुख खिलाड़ियों के बिना खेलने जा रही आस्ट्रेलियाई टीम अपनी सरजमीं पर 2010 . 11 से चला आ रहा अपराजेय अभियान बरकरार रख सकेगी ।

क्या बेन स्टोक्स इंग्लैंड को आस्ट्रेलियाई सरजमीं पर लंबे अर्से बाद एशेज दिला सकेंगे। आस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस और तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड चोटों के कारण पहला टेस्ट नहीं खेल सकेंगे । ऐसे में तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क और आफ स्पिनर नाथन लियोन पर जिम्मेदारी बढ जायेगी।

ब्रेंडन डोगेट तेज गेंदबाज स्कॉट बोलैंड के साथ टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण कर सकते हैं जिससे आस्ट्रेलियाई पुरूष टेस्ट एकादश में पहली बार दो देशी खिलाड़ी होंगे । कैमरन ग्रीन हरफनमौला की तरह खेलेंगे। आस्ट्रेलिया सलामी बल्लेबाज जैक वेदराल्ड को भी 31 साल की उम्र में टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण करने का मौका मिल सकता है । मार्नस लाबुशेन तीसरे और कार्यवाहक कप्तान स्टीव स्मिथ चौथे नंबर पर उतरेंगे । इंग्लैंड के कप्तान स्टोक्स ने कहा कि मुझे पता है कि यह कितनी बड़ी श्रृंखला है । मैं जनवरी में यहां से रवाना होते समय उन भाग्यशाली कप्तानों में नाम दर्ज कराना चाहता हूं जिन्होंने आस्ट्रेलिया में एशेज श्रृंखला जीती है ।

इतिहास के बारे में काफी बातें होती है लेकिन अब हमारे पास अपना इतिहास रचने का मौका है ।'' इंग्लैंड टीम में जोफ्रा आर्चर तेज गेंदबाजी का दारोमदार संभालेंगे जिनका साथ देने के लिये मार्क वुड हैं । स्टोक्स खुद गेंदबाजी करेंगे और तेज गेंदबाज ब्राइडन कार्स तथा गुस एटकिंसन को भी मौका मिल सकता है ।

इस प्रकार है दोनों टीम

- **आस्ट्रेलिया :** स्टीव स्मिथ (कप्तान), जैक वेदराल्ड, उस्मान ख्वाजा, मार्नस लाबुशेन, ट्रेविस हेड, कैमरन ग्रीन, एलेक्स कारी, मिचेल स्टार्क, नाथन लियोन, ब्रेंडन डोगेट, स्कॉट बोलैंड
- **इंग्लैंड :** बेन स्टोक्स (कप्तान), जाक क्राउली, बेन डकेट, ओली पोप, जो रूट, हैरी ब्रूक, जैमी स्मिथ, ब्राइडन कार्स, गुस एटकिंसन, जोफ्रा आर्चर, मार्क वुड, शोएब बशीर ।

डेविस कप 2025: इटली ने ऑसट्रिया को हराकर सेमीफाइनल में बनाई जगह

नई दिल्ली। बोलोनिया में खेले गए मुकाबले में इटली ने बुधवार को ऑसट्रिया के खिलाफ दोनों सिंगल्स मैच जीतकर डेविस कप 2025 के सेमीफाइनल में अपना स्थान पक्का कर लिया। अब इटली की टीम सेमीफाइनल में बेल्जियम से भिड़ेगी। जैनिक सिनर और लोरेंजो मुसेत्ती जैसे टॉप-10 खिलाड़ियों की गैरमौजूदगी के बावजूद मात्तेओ बेरेटिनी और फ्लावियो कोबोली ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सीधे सेटों में जीत दर्ज की। घरेलू दर्शकों से भरे स्टेडियम में इटली ने अपने खिताब बचाव अभियान को मजबूती से आगे बढ़ाया।

पूर्व विंबलडन फाइनलिस्ट बेरेटिनी ने जूरिज रोडियोनोव को 6-3, 7-6 (7/4) से हराया। दूसरे सेट में 2-5 से पीछे रहने और एरिना की लाइटिंग समस्या के कारण आधे घंटे के व्यवधान के बावजूद उन्होंने शानदार वापसी की। 29 वर्षीय खिलाड़ी ने लगातार तीन गेम जीतते हुए तीन सेट प्वाइंट बचाए और टाई-ब्रेक जीतकर इटली को बढ़त दिलाई। टीम कप्तान फिलिप्पो वोलांद्री ने कहा, "मैं खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर गर्व महसूस करता हूँ। मत्तेओ मुश्किल हालात में समाधान ढूंढने वाले खिलाड़ी हैं और ऐसे मुकाबलों के लिए ही बने हैं।" दूसरे सिंगल्स में फ्लावियो कोबोली ने ऑसट्रिया के सबसे ऊंची

रैंकिंग वाले खिलाड़ी फिलिप मिसोलिक को 6-1, 6-3 से एकतरफा मुकाबले में हराया। 22वीं रैंक वाले कोबोली ने एक घंटे से थोड़े अधिक समय में जीत दर्ज की। 23 वर्षीय कोबोली ने इस साल हैम्बर्ग और बुकारेस्ट में अपने पहले खिताब जीते थे। मैच के बाद कोबोली ने कहा, "यह मेरे जीवन का सबसे खास दिन है। इटली की जर्सी पहनकर खेलना मेरा सपना था।

इटली की दो सिंगल्स जीत के बाद सिमोने बोलेली और आंद्रिया वावासोरी को एरलर-मीडलर के खिलाफ अपना डबल्स मैच नहीं खेलना पड़ा। सेमीफाइनल लाइन-अप गुरुवार को पूरा होगा, जब अर्जेंटीना का मुकाबला जर्मनी से और स्पेन का सामना चेक गणराज्य से होगा। विश्व नंबर-1 कार्लोस अल्कराज हैमस्ट्रिंग चोट के कारण स्पेन टीम से हट चुके हैं।

भारत में इजराइली कंपनियों के लिए निवेश के बड़े अवसर: पीयूष गोयल

तेल अवीव। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने गुरुवार को कहा कि भारत में इजराइली कंपनियों के लिए निवेश के काफी अवसर हैं और दोनों देशों के उद्योग बुनियादी ढांचे के विकास, विनिर्माण और कृत्रिम मेधा जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ा सकते हैं। गोयल ने कहा कि दोनों देशों के बीच सहयोग के अन्य क्षेत्रों में वित्तीय प्रौद्योगिकी, कृषि प्रौद्योगिकी, मशीन लर्निंग, क्वांटम कंप्यूटिंग, औषधि, अंतरिक्ष और रक्षा शामिल हैं।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने इजराइल के आर्थिक मामलों के मंत्री नीर बरकत के साथ भारत-इजराइल व्यापार शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि दोनों देशों के बीच असीमित संभावनाएं और क्षमताएं हैं। यह पहली बार है जब कोई भारतीय वाणिज्य मंत्री इजराइल की यात्रा कर रहा है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयलइजराइल में 60 सदस्यीय व्यापार प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं। वह द्विपक्षीय व्यापार और निवेश को बढ़ावा देने के तरीकों पर चर्चा करने के लिए नेताओं और

कंपनी प्रमुखों से मिलेंगे। मंत्री ने कहा कि कई ऐसी चीजें हैं जो भारत को एक आकर्षक निवेश गंतव्य बनाते हैं। इनमें लोकतंत्र, जनसंख्या संबंधी लाभांश, डिजिटलीकरण, तेज गति विकास और निर्णायक नेतृत्व शामिल हैं। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयलने कहा कि भारत निवेशकों के अनुकूल और व्यापार के लिए एक भरोसेमंद माहौल प्रदान करता है। यह दोनों पक्षों की कंपनियों के लिए काफी अवसर प्रदान करता है।" इसी कार्यक्रम में बरकत ने कहा कि भारतीय बुनियादी ढांचा कंपनियां यहां आकर बोली लगा सकती हैं। उन्होंने कहा कि भारत-पश्चिम एशिया यूरोप आर्थिक गलियारा (आईएमईसी) भी सहयोग बढ़ाने का एक अवसर प्रदान करता है। एक अग्रणी पहल के रूप में प्रस्तुत, आईएमईसी का उद्देश्य सऊदी अरब, भारत, अमेरिका और यूरोप के बीच एक विशाल सड़क, रेलमार्ग और पोत परिवहन नेटवर्क स्थापित करना है ताकि एशिया, पश्चिम एशिया और पश्चिम के बीच एकीकरण सुनिश्चित हो सके।

सितंबर, 2023 में दिल्ली में जी20 शिखर सम्मेलन के दौरान आईएमईसी पहल को अंतिम रूप दिया गया था। इजराइल को भारत का निर्यात 2024-25 में 52 प्रतिशत घटकर 2.14 अरब डॉलर रहा, जो एक साल पहले 4.52 अरब डॉलर था। आयात भी 26.2 प्रतिशत घटकर 1.48 अरब अमेरिकी डॉलर रह गया। भारत को इजराइल से अप्रैल, 2000 और जून, 2025 के दौरान 33.78 करोड़ डॉलर का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) प्राप्त हुआ।

शेयर बाजार में दूसरे दिन तेजी; सेंसेक्स 446 अंक चढ़ा, निफ्टी भी मजबूत

मुंबई। स्थानीय शेयर बाजार में बृहस्पतिवार को लगातार दूसरे दिन तेजी रही। वैश्विक स्तर पर मजबूत रुख के बीच तेल एवं गैस तथा चुनिंदा वित्तीय कंपनियों के शेयरों में लिवाली तथा विदेशी संस्थागत निवेशकों के पूंजी प्रवाह से बीएसई सेंसेक्स 446 अंक चढ़ गया, जबकि निफ्टी 139 अंक मजबूत हुआ। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 446.21 अंक यानी 0.52 प्रतिशत चढ़कर 85,632.68 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान, यह 615.23 अंक चढ़कर 52-सप्ताह के उच्चतम स्तर 85,801.70 अंक पर पहुंच गया था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 139.50 अंक यानी 0.54 प्रतिशत की बढ़त के साथ 26,192.15 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 52 सप्ताह के उच्चतम स्तर 26,246.65 अंक पर पहुंच गया था।

विश्लेषकों के अनुसार, वैश्विक स्तर पर शेयर बाजारों में तेजी से मानक सूचकांक कारोबार के दौरान साल के उच्चतम स्तर पर पहुंच गए। सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में बजाज फाइनेंस, बजाज फिनसर्व, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक, टेक महिंद्रा और एक्सिस बैंक सबसे अधिक लाभ में रही। दूसरी तरफ, नुकसान में रहने वाले शेयरों में एशियन पेंट्स, एचसीएल टेक, टाइटन और हिंदुस्तान यूनिलीवर शामिल हैं। जियोजीत इन्वेस्टमेंट्स लि. के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, "भारत-अमेरिका व्यापार वार्ता और पहले चरण के समझौतों की प्रगति को लेकर उम्मीद के चलते घरेलू शेयर

बाजारों में तेजी आई। इससे बाजार धारणा को बल मिला। ठोस आय के बाद तकनीक-आधारित बढ़त के कारण वैश्विक संकेतक भी मजबूत रहे। एफआईआई के ताजा पूंजी प्रवाह और वाहन, वित्त और आईटी जैसे क्षेत्रों की बड़ी कंपनियों में मजबूती ने भी बाजार में उत्साह को बढ़ाया।" ऑनलाइन ट्रेडिंग कंपनी एनरिच मनी के सीईओ पोनमुडी आर ने कहा कि भारतीय बाजार मजबूती के साथ बंद हुए और निफ्टी 26,100 अंक के प्रमुख मनोवैज्ञानिक स्तर से ऊपर पहुंच गया।

उन्होंने कहा कि इस तेजी की अगुवाई रिलायंस इंडस्ट्रीज समेत तेल और गैस क्षेत्र के प्रमुख शेयरों के साथ-साथ एचडीएफसी बैंक और बजाज ट्विन्स जैसे निजी क्षेत्र के वित्तीय संस्थान और चुनिंदा वाहन शेयरों ने किया। छोटी कंपनियों के बीएसई स्मॉलकैप सूचकांक में 0.17 प्रतिशत और मझोली कंपनियों से संबंधित मिडकैप में 0.13 प्रतिशत की गिरावट आई।

देश में 26 ई-कॉमर्स कंपनियों ने उनके मंच के 'डार्क पैटर्न' से मुक्त होने की घोषणा की: सरकार

नई दिल्ली। देश की 26 प्रमुख ई-कॉमर्स कंपनियों ने उनके मंचों के 'डार्क पैटर्न' से मुक्त होने की घोषणा की है। सरकार ने गुरुवार को यह जानकारी दी। 'डार्क पैटर्न' अनुचित व्यापार व्यवहार की श्रेणी में आते हैं। सरकार, उपभोक्ताओं को गुमराह करने या उनके साथ छल करने वाली इन प्रथाओं पर अंकुश लगाने के प्रयास कर रही है। इन 26 ई-कॉमर्स मंचों में जेप्टो, जोमैटो, स्विगी, जियोमार्ट और बिगबास्केट शामिल हैं।

उपभोक्ता मामलों के विभाग ने बयान में कहा कि 26 प्रमुख ई-कॉमर्स मंचों ने स्वेच्छा से स्व-घोषणा पत्र प्रस्तुत किए हैं जो 'डार्क पैटर्न' की रोकथाम एवं विनियमन, 2023 के दिशानिर्देशों के अनुपालन की पुष्टि करते हैं। 'डार्क पैटर्न' भ्रामक 'यूजर इंटरफेस' के जरिये ऑनलाइन मचों के उपयोगकर्ताओं को धोखा देने या हेरफेर करने का तरीका है। ये लोगों को वेबसाइट एवं ऐप पर जानबूझकर ऐसे प्रारूपों में फंसाता है जिससे उपयोगकर्ता भ्रमित हो जाएं और ऐसा कदम उठाएं जो उनके हित में न हो।

इनमें कई तरह की हेराफेरी की प्रथाएं शामिल हैं जैसे भ्रामक विज्ञापन, प्रलोभन व धोखा, झूठी तात्कालिकता आदि। विभाग उपभोक्ताओं को गुमराह करने या उनके साथ छेड़छाड़ करने वाली भ्रामक ऑनलाइन प्रथाओं पर अंकुश लगाने के प्रयास कर रहा है। इन 26 ई-कॉमर्स कंपनियों ने 'डार्क पैटर्न' की किसी भी उपस्थिति की पहचान, आकलन और उन्मूलन के लिए आंतरिक रूप से स्वयं तथा अन्य पक्ष से 'ऑडिट' कराए हैं। बयान में कहा गया कि सभी 26 कंपनियों ने घोषणा की है कि उनके मंच 'डार्क पैटर्न' से मुक्त हैं और किसी भी तरह के छेड़छाड़ वाले 'यूजर इंटरफेस डिजाइन' का इस्तेमाल नहीं करते हैं।" केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने कहा कि ये घोषणाएं अन्य कंपनियों को भी इसी तरह के स्व-नियमन अपनाने के लिए प्रोत्साहित करेंगी।

'डार्क पैटर्न' की रोकथाम एवं विनियमन के लिए दिशानिर्देश 2023 को 30 नवंबर, 2023 को अधिसूचित किए गए थे। ये 13 'डार्क पैटर्न' की पहचान करते हैं और उन पर प्रतिबंध लगाते हैं। इनमें झूठी तात्कालिकता, किसी मंच पर ग्राहकों की चयनित वस्तुओं को देखना, शर्म या अपराधबोध को एहसास कराना, जबरन कार्रवाई, 'सब्सक्रिप्शन' लेने के लिए फंसाना, 'इंटरफेस' हस्तक्षेप, बैट एंड स्विच (बनावटी व गलत प्रस्ताव पेश करना), ड्रिप प्राइसिंग (सही कीमत शुरुआत में न बताना), भ्रामक विज्ञापन, एसएएएस बिलिंग और मैलवेयर का इस्तेमाल जैसी गतिविधियां शामिल हैं।

इन 26 ई-कॉमर्स मंच में फार्म इजी, जेप्टो मार्केटप्लेस, फ्लिपकार्ट इंटरनेट, मिंत्रा डिजाइन्स, वॉलमार्ट इंडिया, मेकमायट्रिप (इंडिया), बिगबास्केट (इनोवेटिव रिटेल कॉन्सेप्ट्स), जियोमार्ट (रिलायंस रिटेल), जोमैटो, स्विगी, ब्लिंकिट, पेज इंडस्ट्रीज, विलियम पेन, क्लियरट्रिप, रिलायंस ज्वेल्स, रिलायंस डिजिटल, नेटमेड्स, टाटा 1एमजी, मीशो, इक्सिगो, मिलबास्केट, हैमलेज, अजियो, टीरा ब्यूटी (रिलायंस रिटेल लिमिटेड), ड्यूरोफ्लेक्स प्राइवेट लिमिटेड और क्यूराडेन इंडिया शामिल हैं।

सरकार ने जावेद अशरफ को आईटीपीओ का चेयरमैन किया नियुक्त

नई दिल्ली। सरकार ने पूर्व राजनयिक जावेद अशरफ को भारत व्यापार संवर्धन संगठन (आईटीपीओ) का चेयरमैन नियुक्त किया है। अशरफ भारतीय विदेश सेवा के 1991 बैच के (सेवानिवृत्त) अधिकारी हैं। कार्मिक मंत्रालय ने गुरुवार को जारी आदेश में कहा कि जावेद

अशरफ को भारत व्यापार संवर्धन संगठन (आईटीपीओ) का चेयरमैन नियुक्त किया गया है। जावेद अशरफ 1991 बैच के (सेवानिवृत्त) भारतीय विदेश सेवा अधिकारी हैं। मंत्रालय के आदेश में कहा गया कि उन्हें पदभार ग्रहण करने की तिथि से दो वर्ष की अवधि के लिए या अगले आदेश तक संविदा आधार पर चेयरमैन नियुक्त किया गया है। अशरफ ने अपने राजनयिक करियर में सिंगापुर, फ्रांस सहित कई देशों में भारत के राजदूत के तौर पर काम किया है।

भारत के प्रौद्योगिकी बदलाव के लिए भरोसेमंद, जिम्मेदार एआई का इस्तेमाल जरूरी: गूगल इंडिया प्रमुख

नई दिल्ली। भारत के प्रौद्योगिकी बदलाव के लिए कृत्रिम मेधा (एआई) का जिम्मेदारी तथा भरोसे के साथ इस्तेमाल बहुत जरूरी है और इस काम में शामिल सभी हितधारकों का दायित्व है कि वे सुरक्षा और जवाबदेही सुनिश्चित करें। गूगल इंडिया की देश प्रबंधक प्रीति लोबाना ने गुरुवार को यह बात कही।

उन्होंने 'विकसित भारत' की ओर देश के कदम का जिक्र करते हुए कहा कि एआई इस सफर में एक जरूरी नींव का काम करेगा, और इसे बड़े पैमाने पर अपनाने के लिए भरोसा और सुरक्षा जरूरी हैं। प्रीति लोबाना ने यहां गूगल के 'सेफ एंड ट्रस्टेड एआई' कार्यक्रम में कहा कि एआई को सच में अपनाने और रोजाना इस्तेमाल में लाने के लिए, हम सभी की यह बहुत बड़ी जिम्मेदारी है कि यह सुरक्षित और भरोसेमंद हो। प्रीति लोबाना ने कहा कि एआई एक बदलाव लाने वाली प्रौद्योगिकी है जो इंसानी

काबिलियत को सामने लाएगी, और भारत पीछे न रहते हुए इस क्रांति की अगुवाई कर रहा है।

देश की विविधता का जिक्र करते हुए प्रीति लोबानाने कहा कि भारत की जटिलता दुनिया को यह दिखाएगी कि तकनीक कैसे बड़े पैमाने पर असर डाल सकती है और यहां तक कि सबसे मुश्किल प्रणालीगत मुद्दों को भी हल कर सकती है। लोबाना ने इस बात पर जोर दिया कि एआई एक बड़ी छलांग का वादा करता है, लेकिन तरक्की भरोसे और सहयोग की नींव पर होनी चाहिए।

बॉक्स ऑफिस पर छाई अजय देवगन की 'दे दे प्यार दे 2'

अजय देवगन और रकुल प्रीत सिंह की रोमांटिक-कॉमेडी 'दे दे प्यार दे 2' सिनेमाघरों में दर्शकों का दिल जीत रही है। लव रंजन के निर्देशन में बनी यह फिल्म 14 नवंबर को रिलीज हुई थी और रिलीज़ के 6 दिन बाद भी घरेलू बॉक्स ऑफिस पर मजबूत पकड़ बनाए हुए है। वहीं, ग्लोबली भी फिल्म ने शानदार कमाई करते हुए अपने नाम एक बड़ा रिकॉर्ड दर्ज कर लिया है। सैकनिल्क के आंकड़ों के अनुसार, 'दे दे प्यार दे 2' ने रिलीज़ के छठे दिन घरेलू बॉक्स ऑफिस पर लगभग 3.50 करोड़ रुपये की कमाई की। इसके साथ ही फिल्म का कुल कलेक्शन बढ़कर 47.75 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है। हालांकि वीकडेज़ में कमाई की रफ्तार धीमी पड़ी है, लेकिन वीकेंड पर एक बार फिर उछाल की पूरी उम्मीद है। अनुमान लगाया जा रहा है कि फिल्म शुक्रवार से पहले ही 50 करोड़ क्लब में शामिल हो सकती है। अजय और रकुल की दे दे प्यार दे 2 ने दुनियाभर में कमाल कर दिया है। सैकनिल्क की रिपोर्ट के अनुसार, रिलीज़ के सिर्फ 6 दिनों में फिल्म ने ग्लोबल बॉक्स ऑफिस पर 68.5 करोड़ रुपये की कमाई की है। इस प्रदर्शन के साथ अजय की पिछली फिल्म 'सन ऑफ सरदार 2' 66.01 करोड़ का रिकॉर्ड टूट गया है। अब 'दे दे प्यार दे 2' की निगाह सिद्धार्थ मल्होत्रा की परम सुंदरी 84.29 करोड़ के रिकॉर्ड पर है। फिल्म में आर माधवन और जावेद जाफरी जैसे दिग्गज कलाकार भी नजर आए हैं।

अहान पांडे-अनीत पड्डा के रिश्ते पर बोले करण जौहर

मोहित सूरी निर्देशित 'सैयारा' को दर्शकों ने खूब सराहा। फिल्म की पॉपुलैरिटी के साथ इसके मुख्य कलाकार अहान पांडे और अनीत पड्डा की ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री भी लोगों के बीच चर्चा में रही। अब लंबे समय से ऐसी अफवाह है कि दोनों रील ही नहीं, रियल लाइफ में भी एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं। अनीत के जन्मदिन पर अहान की मौजूदगी और दोनों की साथ में वायरल तस्वीरों ने इन कयासों को और हवा दी है। इस बीच करण जौहर ने भी इस संभावित रिश्ते पर प्रतिक्रिया दी है। दिए एक इंटरव्यू में करण जौहर ने अहान और अनीत को ₹बॉलीवुड का अगला आईटी कपल₹ बताया। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि अभी तक दोनों की ओर से कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। करण बोले, ₹अगर वे डेट कर रहे हैं तो मुझे नहीं पता, क्योंकि इसकी पुष्टि अब तक नहीं हुई है।₹ भले ही करण ने स्पष्ट जवाब नहीं दिया, लेकिन फैन्स का मानना है कि उन्होंने इशारों में इस रिश्ते पर मुहर लगा दी है। 'सैयारा' 18 जुलाई 2025 को रिलीज हुई थी और वैश्विक स्तर पर 570.67 करोड़ रुपये का बड़ा कलेक्शन करने में सफल रही। करण जौहर ने दोनों कलाकारों की तारीफ करते हुए कहा, ₹वे पहले सुपरस्टार नहीं थे, अब सुपरस्टार बन गए हैं।₹ जहां अहान, अली अब्बास जफर की अगली फिल्म में नजर आएंगे और उनके साथ शरवरी वाघ मुख्य भूमिका निभाएंगी, वहीं अनीत मैडॉक फिल्म्स की हॉरर-कॉमेडी 'शक्ति शालनी' का हिस्सा बन चुकी हैं।

फिल्म राहु-केतु का शानदार टीजर रिलीज

बॉलीवुड के फुकरे फेम पुलकित सम्राट और वरुण शर्मा एक बार फिर दर्शकों को हंसी का डोज़ देने लौट आए हैं। हाल ही में उनकी नई फिल्म 'राहु केतु' का ऐलान हुआ था, और अब इसका दमदार टीज़र भी सामने आ चुका है। इसमें अमित सियाल अहम किरदार में दिखाई देते हैं, जबकि फिल्म का निर्देशन और लेखन विपुल विग ने किया है। टीज़र से साफ है कि विपुल ने इस बार कहानी में गहरी नेगेटिविटी और अंधविश्वास के रंग भरे हैं, जो कॉमेडी के साथ एक दिलचस्प टोन सेट करते हैं। टीज़र की अवधि 1 मिनट 56 सेकंड है और इसे जी स्टूडियो के यूट्यूब चैनल पर जारी किया गया है। इसमें पुलकित और वरुण द्वारा निभाए गए किरदारों के नाम राहु और केतु हैं, जिन्हें गांव वाले अशुभ मानते हैं। माना जाता है कि जिसकी जिंदगी में ये दोनों कदम रखते हैं, उसकी बदकिस्मती शुरू हो जाती है। इसी अंधविश्वास पर आधारित यह कॉमेडी कहानी आगे बढ़ती है, जहां दोनों किरदार अपनी छवि के कारण मज़ेदार और मुश्किल हालात में फंसते दिखेंगे। टीज़र में दोनों की जोड़ी पुरानी कैमिस्ट्री और हल्के-फुल्के डायलॉग्स का तड़का देता है, जिससे यह साफ है कि फिल्म मनोरंजन से भरपूर रहने वाली है। फिल्म 16 जनवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। पुलकित सम्राट, वरुण शर्मा और अमित सियाल के साथ फिल्म में शालिनी पांडे और चंकी पांडे भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

नए सफर के लिए तैयार फिल्म 'जुमांजी 3', पहला पोस्टर रिलीज

हॉलीवुड स्टार ड्वेन जॉनसन की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'जुमांजी 3' जल्द ही दर्शकों के सामने आने वाली है। मेकर्स ने फिल्म का नया पोस्टर जारी किया है, जिसके बाद सोशल मीडिया पर फैंस का उत्साह और भी बढ़ गया है। फिल्म का निर्देशन जेक कासडन कर रहे हैं और इसे अब तक की सबसे बड़ी जुमांजी फिल्म बताया जा रहा है। पहली दो पार्ट पसंद करने वाले दर्शक नए पोस्टर को लेकर लगातार अपनी प्रतिक्रियाएं शेयर कर रहे हैं और फिल्म को लेकर उम्मीदें और भी बढ़ गई हैं। 'जुमांजी 3' के आधिकारिक पोस्टर जारी होने के साथ मेकर्स ने कैप्शन दिया, ₹देखो कौन छूटा है जुमांजी मूवी₹। पोस्टर में केविन हार्ट, ड्वेन जॉनसन, करेन गिलन और जैक ब्लैक अपने पुराने अवतार में दिखाई दे रहे हैं। फैंस ने पोस्टर पर जमकर रिएक्शन देना शुरू कर दिया। एक यूज़र ने लिखा, ₹इसे जुमांजीः द फाइनल बॉस कहना चाहिए!₹ वहीं दूसरे ने उत्साह में कहा, ₹फिर से असली दुनिया में वापसी!₹ एक और प्रतिक्रिया थी, ₹ये लोग अब वास्तविक दुनिया में आ चुके हैं...₹ जानकारी के मुताबिक, 'जुमांजी 3' क्रिसमस 2026 पर रिलीज होने की तैयारी में है।

विदेश

संक्षिप्त खबरें

बलोचिस्तान में अगवा शिक्षक का शव नदी में मिला

क्वेटा (बलोचिस्तान) पाकिस्तान। बलोचिस्तान प्रांत के केच जिले की बुलाइदा तहसील में शब रिको नदी में मिले शव की पहचान निजी स्कूल के शिक्षक अयाज बलोच के रूप में हुई है। मोहम्मद अकबर के बेटे अयाज मिनाज के रहने वाले थे। उन्हें 12 नवंबर को अगवा किया गया था। उनका आज अंतिम संस्कार (सुपुर्द-ए-खाक) किया जाएगा। द बलोचिस्तान पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, पारिवारिक और क्षेत्रीय सूत्रों का कहना है कि अयाज बलोच को 12 नवंबर को स्कूल से घर लौटते समय सरकार समर्थित सशस्त्र समूह के लोगों ने जबरन गायब कर दिया था। परिवार ने घोषणा की है कि गुरुवार सुबह 11 बजे मिनाज में अंतिम संस्कार किया जाएगा। द बलोचिस्तान पोस्ट के अनुसार, सरकार समर्थित सशस्त्र समूहों को स्थानीय लोग मौत के दस्ते के नाम से संबोधित करते हैं। मौत के दस्ते में शामिल बदमाश और गुंडे अकसर नागरिकों, राजनीतिक कार्यकर्ताओं, मानवाधिकार प्रतिनिधियों या असंतुष्टों को निशाना बनाते हैं। राष्ट्रवादी हलकों का मानना है कि इन समूहों को न केवल सरकारी और सैन्य संस्थाओं का समर्थन प्राप्त है, बल्कि अधिकांश पुलिस और अन्य कानून प्रवर्तन एजेंसियां भी इनके खिलाफ कार्रवाई करने से बचती हैं। इन समूहों पर हत्या, अपहरण, बम हमले और नागरिकों को आतंकित करने का आरोप है।

इंडोनेशिया में आए भूस्खलन में मृतकों की संख्या बढ़कर 23 हुई

जकार्ता। इंडोनेशिया के मुख्य द्वीप जावा के दो क्षेत्रों में आए भूस्खलन के बाद मलबे में दबे लोगों की तलाश के दौरान और शव मिलने से मृतकों की संख्या बढ़कर 23 हो गई है। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन एजेंसी के प्रवक्ता अब्दुल मुहारी ने बताया कि सेंट्रल जावा प्रांत के चिलाकप जिले में बचावकर्मियों ने लगभग दो दर्जन खुदाई मशीनों की मदद से मलबे को हटाकर बुधवार को चार शव बरामद किए। पिछले सप्ताह भारी बारिश के कारण तीन गांवों में हुए भूस्खलन में कई मकान चपेट में आए थे। स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि भूस्खलन के लिहाज से संवेदनशील क्षेत्र से 296 मकानों को अगले छह महीनों में स्थानांतरित किया जाएगा और नयी जगह मिलने तक प्रत्येक परिवार को प्रतिमाह 36 अमेरिकी डॉलर का मुआवजा दिया जाएगा। बचावकर्मियों ने बुधवार को सेंट्रल जावा के एक अन्य हिस्से में हुए भूस्खलन के स्थान से भी एक शव निकाला, जिससे वहां मृतकों की संख्या तीन हो गई। इंडोनेशिया में मौसमी बारिश के कारण अक्सर भूस्खलन और बाढ़ आती रहती है।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने एपस्टीन फाइल्स विधेयक पर किए हस्ताक्षर

वाशिंगटन। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बहुचर्चित एपस्टीन फाइल्स विधेयक पर बुधवार रात हस्ताक्षर कर दिए। मंगलवार को अमेरिकी संसद (कांग्रेस) के दोनों सदनों सीनट और प्रतिनिधि सभा की मंजूरी के बाद इस विधेयक को बुधवार को राष्ट्रपति के पास भेजा गया था। राष्ट्रपति के हस्ताक्षर के बाद अब न्याय विभाग को 30 दिन की अवधि के दौरान यौन अपराधों के दोषी दिवंगत जेफरी एपस्टीन से संबंधित फाइलों को सार्वजनिक करना होगा। इस विधेयक को एपस्टीन फाइल पारदर्शिता अधिनियम (एपस्टीन फाइल्स ट्रांसपेरेंसी एक्ट) के नाम से जाना जाएगा।

अमेरिका के ऑनलाइन न्यूज प्लेटफॉर्म एक्सियोस की रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप ने बुधवार रात यह घोषणा की। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर अपनी घोषणा में कहा कि यह ₹नया धोखा डेमोक्रेट्स पर भी वैसा ही भारी पड़ेगा जैसा बाकी सभी पर पड़ा है!₹ सनद रहे कांग्रेस से पारित विधेयक में कहा गया है कि न्याय विभाग को 30 दिनों के अंदर इस संबंध में एफबीआई और अटॉर्नी कार्यालय में मौजूद एपस्टीन से जुड़े दस्तावेज सार्वजनिक करने होंगे। ट्रंप ने पहले एपस्टीन से जुड़ी फाइलें जारी करने की मांग का विरोध किया था।

ट्रंप ने लिखा है, ₹शायद इन डेमोक्रेट्स और जेफरी एपस्टीन के साथ उनके संबंधों के बारे में सच्चाई जल्द ही सामने आ जाएगी, क्योंकि मैंने अभी एपस्टीन फाइलें जारी करने के बिल पर हस्ताक्षर किया है!₹ यह भी महत्वपूर्ण है कि जुलाई में न्याय विभाग ने घोषणा की कि वह एपस्टीन के बारे में और कोई जानकारी नहीं देगा। जेफर एपस्टीन ने 2019 में न्यूयॉर्क शहर की जेल में आत्महत्या की थी।

एक्सियोस की बुधवार को प्रसारित रिपोर्ट के अनुसार, इतना सब होने के बावजूद फाइलों के सार्वजनिक होने में अभी भी कई बाधाएं हैं। इसकी भाषा न्याय विभाग को विवेकाधिकार की पर्याप्त गुंजाइश देती है। विधेयक की भाषा के अनुसार, अटॉर्नी जनरल ₹किसी सक्रिय संघीय जांच या अभियोजन को खतरे में डालने वाली₹ किसी भी जानकारी को रोक या संपादित कर सकते हैं।

विधेयक में कहा गया है कि अटॉर्नी जनरल ऐसे अभिलेखों को ₹रोक या संशोधित₹ कर सकते हैं जिनमें पीड़ितों के नाम, चिकित्सा दस्तावेज और पहचान संबंधी जानकारी हो। वह बाल यौन शोषण सामग्री को भी सार्वजनिक न करने का फैसला ले सकते हैं। ऐसा करने से पहले न्याय विभाग को कांग्रेस को एक रिपोर्ट भी भेजनी होगी। इसमें विस्तार से सभी कुछ तार्किक आधार पर बताना होगा। यह भी बताना होगा कि इसका कानूनी आधार क्या है। सनद रहे, ट्रंप पिछले हफ्ते न्याय विभाग से एपस्टीन के पूर्व राष्ट्रपति बिल क्लिंटन, जेपी मॉर्गन चेज के अधिकारियों और अन्य के साथ संबंधों की जांच करने का आह्वान कर चुके हैं। न्याय विभाग का नियंत्रण राष्ट्रपति के हाथों में है। यही वजह है कि न्याय विभाग ने कांग्रेस की मंजूरी के बिना एपस्टीन जांच से संबंधित 100 से ज्यादा पृष्ठों के दस्तावेज जारी किए। इसके बाद सारी फाइलें जारी करने की मांग उठी। एपस्टीन और ट्रंप के दोस्ताना संबंधों का खुलासा होने पर जमकर हंगामा हुआ। ट्रंप ने आरोपों से लगातार इनकार किया और कुछ मीडिया घरानों को अदालत की चौखट तक ले गए। उन्हें इसमें कामयाबी भी मिली।

बांग्लादेश में कार्यवाहक सरकार प्रणाली बहाल, सुप्रीम कोर्ट ने 2011 के अपने फैसले को पलटा

ढाका। बांग्लादेश के उच्चतम न्यायालय के अपीलीय प्रभाग ने गुरुवार को एक अहम फैसले में कार्यवाहक सरकार प्रणाली (केयरटेकर गवर्नमेंट सिस्टम) को फिर से लागू कर दिया। फैसले में कहा गया है कि यह व्यवस्था 14वें राष्ट्रीय चुनाव से लागू होगी। यह फैसला उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश डॉ. सैयद रेफात अहमद की अगुवाई वाले अपीलीय प्रभाग की सात सदस्यों वाली पीठ ने सुनाया। 10 मई 2011 को उच्चतम न्यायालय ने कार्यवाहक सरकार प्रणाली को खत्म कर दिया था। ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट में फैसले की जानकारी देते हुए बताया गया कि पीठ के बाकी सदस्य न्यायमूर्ति एमडी अशफाकुल इस्लाम, न्यायमूर्ति जुबैर रहमान चौधरी, न्यायमूर्ति एमडी रेजाउल हक, न्यायमूर्ति एसएम इमदादुल हक, न्यायमूर्ति एकेएम असदुज्जमान और न्यायमूर्ति फराह महबूब हैं। फैसले में साफ कहा गया है कि यह आदेश आगामी चुनाव को नियंत्रित नहीं करेगा। खास बात यह है कि बांग्लादेश में 1996, 2001 और 2008 में कार्यवाहक सरकार प्रणाली के तहत संसदीय चुनाव हो चुके हैं। हालांकि 1991 का संसदीय चुनाव राजनीतिक सहमति से बनी एक अंतरिम सरकार के तहत हुआ था। इस समय देश में अंतरिम सरकार ही है। रिपोर्ट के अनुसार उच्चतम न्यायालय के अपीलीय प्रभाग ने आज अपने 2011 के पुराने फैसले के खिलाफ दायर पुनर्विचार याचिका पर निर्णय सुनाया। उच्चतम न्यायालय ने 2011 में कार्यवाहक सरकार प्रणाली को खत्म कर दिया था। द डेली स्टार की वेबसाइट पर आज सुबह प्रसारित रिपोर्ट में बताया गया था कि अपीलीय प्रभाग ने 11 नवंबर को पुनर्विचार याचिका की सुनवाई पूरी की और फैसला सुनाने के लिए आज का दिन तय किया था।

तुर्किये और यूक्रेन की रूस से इस्तांबुल शांति वार्ता में लौटने की अपील

अंकारा (तुर्किये)। रूस के साथ युद्ध से जूझ रहे यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लादिमीर जेलेंस्की तुर्किये पहुंचे हैं। उन्होंने बुधवार देरशाम यहां राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन से प्रेसिडेंशियल कॉम्प्लेक्स में मुलाकात की। इस दौरान दोनों ने रूस से फौरन इस्तांबुल शांति वार्ता को फिर शुरू करने के महत्व पर जोर दिया। एर्दोगन और जेलेंस्की ने कहा कि रूस और यूक्रेन युद्ध को खत्म करने के लिए इस समय ठोस कूटनीतिक प्रयासों की जरूरत है। इसलिए 2022 से रुकी इस्तांबुल शांति वार्ता को तत्काल शुरू करने का वक्त आ गया है। तुर्किये टुडे अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, एर्दोगन ने कहा कि तुर्किये रूस के साथ किसी भी ऐसे प्रस्ताव पर चर्चा करने के लिए तैयार है जो संघर्ष विराम का मजबूत आधार तैयार करेग। उन्होंने कहा कि न्यायसंगत और स्थायी शांति का रास्ता बातचीत से ही निकलेगा। जेलेंस्की ने कहा कि उन्हें तुर्किये की मध्यस्थता पर पूरा भरोसा है। उन्हें यह भी उम्मीद है कि रूस इस मध्यस्थता को स्वीकार करेगा। एर्दोगन ने कहा कि इस्तांबुल में तीन दौर की बातचीत में काफी प्रगति हुई थी। अचानक वार्ता में व्यवधान आ गया। जेलेंस्की ने कैदियों की अदला-बदली में तुर्किये की भूमिका पर कहा कि अंकारा ने इस मुद्दे पर बहुत अच्छा सहयोग किया है। उन्होंने उम्मीद जताई कि इस तरह की अदला-बदली साल के आखिर तक फिर से शुरू हो सकती है। इस्तांबुल वार्ता के दौरान 2,000 सैनिकों की वापसी हो चुकी है। सनद रहे, तुर्किये ने पूरे संघर्ष के दौरान यूक्रेन और रूस दोनों के साथ कूटनीतिक रिश्ते बनाए रखे हैं। तुर्किये के राष्ट्रपति ने खून-खराबा खत्म करने की कोशिश कर रहे सभी सहयोगियों से इस्तांबुल वार्ता के प्रति सकारात्मक रुख अपनाने की अपील की है। उन्होंने यह भी उम्मीद जताई कि तुर्की के साथी शांति की कोशिशों में शामिल होंगे। इस दौरान जेलेंस्की और एर्दोगन ने आपसी रिश्तों पर भी चर्चा की। दोनों देशों ने आपसी व्यापार को 10 बिलियन डालर तक बढ़ाने का लक्ष्य रखा।

भारत ने सीओपी30 में जेसीएम को न्यायसंगत जलवायु कार्रवाई के लिए महत्वपूर्ण साधन बताया

बेलेम (ब्राजील)। भारत ने कहा है कि संयुक्त क्रेडिटिंग तंत्र (जेसीएम) वैश्विक स्तर पर न्यायसंगत एवं व्यापक जलवायु कार्रवाई को आगे बढ़ाने का एक महत्वपूर्ण साधन बनकर उभरा है। यह उन्नत निम्न-कार्बन प्रौद्योगिकियों को तेज़ी से अपनाने की क्षमता रखता है और भारत के उत्सर्जन लक्ष्यों को समर्थन दे सकता है। पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने बुधवार को कहा कि जेसीएम जैसे सहयोगी ढांचे भारत की तरह देशों की विकास प्राथमिकताओं के अनुरूप वैश्विक उत्सर्जन न्यूनीकरण प्रयासों को मजबूत करते हैं। उन्होंने यहां सीओपी30 के इतर 11वें जेसीएम साझेदार देशों की बैठक में कहा, "जेसीएम जैसे तंत्र जलवायु कार्रवाई को मजबूत करने के साथ-साथ राष्ट्रीय प्राथमिकताओं विशेषकर विकासशील देशों के हितों को भी समर्थन देते हैं।" जेसीएम एक तंत्र है जिसमें भारत और जापान जैसे देश मिलकर कम-कार्बन तकनीक वाली परियोजनाएं लगाते हैं। इन परियोजनाओं से होने वाली उत्सर्जन कमी को दोनों देश क्रेडिट के रूप में बांटते हैं ताकि अपने-अपने जलवायु लक्ष्यों को पूरा कर सकें। यह स्वच्छ तकनीक, निवेश और सहयोग को बढ़ावा देता है। सत्र की अध्यक्षता करने वाले जापान के पर्यावरण मंत्री हिरोताका इशिहारा ने बताया कि जेसीएम अब 31 साझेदार देशों तक विस्तृत हो गया है और पेरिस समझौते के अनुच्छेद 6 के तहत 280 से अधिक परियोजनाएं लागू की जा रही हैं। जापान का लक्ष्य है कि इस सहयोग को दीर्घकालिक निवेश, क्षमता निर्माण और लचीलापन परियोजनाओं के माध्यम से और बढ़ाया जाए। भारत और जापान ने इस वर्ष अगस्त में जेसीएम पर एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए थे। यादव ने कहा कि जेसीएम अनुच्छेद 6 के सहयोगात्मक ढांचे के अनुरूप है और सरकारों तथा निजी क्षेत्र को संयुक्त रूप से उत्सर्जन-न्यूनन परियोजनाएं विकसित करने, वित्त जुटाने, उन्नत तकनीक लागू करने और उत्सर्जन कटौती को पारदर्शी ढंग से आवंटित करने का मार्ग प्रदान करता है।